राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

# क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण मंगलवार 08 अप्रैल 2025 वर्ष-8,अंक-48 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

# देश में अगले 11 दिन पड़ेगी भीषण गर्मी

## - मप्र में हीटवेव...बाड़मेर में 26 साल का रिकॉर्ड टूटा

**नई दिल्ली ।**

राजस्थान में भीषण गर्मी का दौर शुरू हो गया है। 14 जिलों में हीटवेव का अलर्ट जारी है। बाड़मेर-जैसलमेर में पारा 45 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। पिछले 26 साल में बाड़मेर में अप्रैल के पहले हफ्ते में यह सबसे ज्यादा तापमान है। अगले कुछ दिन गर्म से राहत मिलने की संभावना नहीं है। मप्र में भी भीषण गर्मी ने समय से पहले ही दस्तक दे दी है। भोपाल का तापमान 40.5 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। इस सीजन में यह सबसे ज्यादा है। प्रदेश के 13 जिलों में तापमान 40 से 42.2 डिग्री के बीच रहा। मौसम विभाग के अनुसार, आज नीमच, मंदसौर, भिंड, मुरैना, श्योपुर और रतलाम में लू चलने की संभावना है।

मौसम विभाग ने 11 दिन तक देश के अधिकतर राज्यों में लू चलने और अधिकतम तापमान 40 डिग्री के आसपास रहने अनुमान लगाया है। 10 अप्रैल तक राजस्थान, गुजरात के कुछ जिलों में अधिकतम तापमान 42 डिग्री से ऊपर जा सकता है। उत्तर प्रदेश में इस साल अप्रैल से जून तक तापमान सामान्य से ज्यादा रहने और हीटवेव चलने की आशंका है। दिन का तापमान लगातार 40 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा रहने का अनुमान है। रात का तापमान भी सामान्य से ज्यादा रह सकता है।

### दिल्ली में तापमान सामान्य से 3 डिग्री ज्यादा

बीते दिन दिल्ली का अधिकतम तापमान 38.2 डिग्री दर्ज किया गया। यह सामान्य से 3.1 डिग्री ज्यादा है, जबकि न्यूनतम तापमान सामान्य से 1.5 डिग्री कम 18.5 डिग्री सेल्सियस रहा। शहर में सोमवार को हीटवेव चलने और अधिकतम तापमान 41 डिग्री के आसपास रह सकता है।

### आज पूर्वोत्तर राज्यों में ओले

### गिरने के आसार

केरल, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, असम, मेघालय और अंडमान-निकोबार में मंगलवार को गरज-चमक के साथ बारिश हो सकती है। आंध्र और पूर्वोत्तर राज्यों (असम, मेघालय, त्रिपुरा, अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, नगालैंड, मणिपुर) के कुछ हिस्सों में ओले भी गिर सकते हैं। कुछ राज्यों में रविवार को भी बारिश हुई है।

# राष्ट्रपति मुर्मू का लिस्बन में हुआ भव्य स्वागत.....दो दशक बाद किसी भारतीय राष्ट्रपति की ऐतिहासिक यात्रा

**लिस्बन।**

भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु रविवार रात पुर्तगाल की राजधानी लिस्बन पहुंचीं, जहां उनका भव्य स्वागत किया गया। यह यात्रा कई मायनों में ऐतिहासिक है, खासतौर पर वर्ष 1998 के बाद किसी भारतीय राष्ट्रपति की यह पहली पुर्तगाल यात्रा है। साथ ही यह द्रौपदी मुर्मु की पहली यूरोपीय राजकीय यात्रा भी है। लिस्बन एयरपोर्ट पर राष्ट्रपति मुर्मु का स्वागत पुर्तगाल सरकार के वरिष्ठ अधिकारी और भारतीय प्रवासी समुदाय के सदस्य ने गर्मजोशी से किया। इस यात्रा का आयोजन पुर्तगाल के राष्ट्रपति मार्सेलो रेबेलो डी सूज़ा के निमंत्रण पर किया गया

है। यह दौरा न केवल भारत-पुर्तगाल के बीच गहराते संबंधों का प्रतीक है, बल्कि अर्थव्यवस्था, शिक्षा, विज्ञान और संस्कृति जैसे कई क्षेत्रों में साझेदारी को और मजबूत करने की दिशा में भी अहम कदम माना जा रहा है। राष्ट्रपति मुर्मू 7 से 10 अप्रैल तक राजकीय दौरे पर रहेंगी। इस दौरे के तहत 7 और 8 अप्रैल को राष्ट्रपति मुर्मू पुर्तगाल में रहेंगी, जबकि 9-10 अप्रैल को वे स्लोवाकिया का दौरा करेंगी। गौरतलब है कि करीब 27 वर्षों में पहली बार कोई भारतीय राष्ट्रपति स्लोवाकिया का दौरा कर रही हैं। यह यात्रा स्लोवाकिया के नए राष्ट्रपति पीटर पेल्लेग्रिनी के आमंत्रण पर हो रही है। यहां बताते चलें कि इससे पहले पिछली बार 1998 में राष्ट्रपति केआर नारायणन ने पुर्तगाल की राजकीय यात्रा की थी।

## पहला कॉलम

### लोगों पर मंहगाई की मार, गैस सिलेंडर की कीमत में 50 रुपये की बढ़ोत्तरी

**नई दिल्ली ।** मोदी सरकार ने एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमतों में सोमवार को बढ़ोतरी का ऐलान किया है। सिलेंडर की कीमतों में 50 रुपये बढ़ोतरी की गई है। इसके पहले मोदी सरकार ने पेट्रोल-डीजल की एक्साइज ड्यूटी में बढ़ोतरी करने का फैसला किया है। केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने इसकी जानकारी दी है। केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री पुरी ने कहा, एलपीजी के प्रति सिलेंडर की कीमत 50 रुपये बढ़ेगी। 500 से यह 550 (पीएमयूवाई लाभार्थियों के लिए) होगी और अन्य के लिए यह 803 रुपये से बढ़कर 853 रुपये हो जाएगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा, हम हर 2-3 सप्ताह में इसकी समीक्षा करते हैं। इसलिए, आपने जो उत्पाद शुल्क में वृद्धि देखी है, उसका बोझ पेट्रोल और डीजल पर उपभोक्ताओं पर नहीं पड़ेगा। उस उत्पाद शुल्क वृद्धि का उद्देश्य तेल विपणन कंपनियों को 43,000 करोड़ रुपये की भरपाई करना है, जो उन्हें गैस के हिस्से पर हुए नुकसान के रूप में हुआ है।

### सुरक्षाबलों और संदिग्ध हमलावरों के बीच गोलीबारी

**-मणिपुर में बड़ी संख्या में हथियार बरामद**

**इम्फाल।** मणिपुर के थोउबल जिले में हीरोक थाना क्षेत्र के जंगलों से सुरक्षाबलों ने तलाशी अभियान में खुक्र, 12 बोर बंदूक, गोलियां, ग्रेनेड, आंसू गैस शेल, बुलेटप्रूफ जैकेट और अन्य सैन्य सामान बरामद किए। इसी दौरान केसीपी (पीडब्ल्यूजी) के संदिग्धों ने गोलीबारी की, जिसका जवाब सुरक्षाबलों ने दिया। इधर, इम्फाल वेस्ट से केसीपी-नोयोन ग्रुप का उग्रवादी वाइखोम लवसन सिंह (31) जबरन वसूली के आरोप में गिरफ्तार किया गया। वांगोई में खेतों से भी बड़ी मात्रा में हथियार मिले।

### सपा नेता विनय शंकर तिवारी के घर ईडी की रेड

**गोरखपुर-लखनऊ समेत 8 ठिकानों पर पहुंची टीमें, 14 महीने में दूसरी बार छापेमारी**

**गोरखपुर।** गोरखपुर में सपा नेता और पूर्व विधायक विनय शंकर तिवारी के 8 ठिकानों पर ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) की रेड पड़ी है। अलग-अलग बैंकों के 754 करोड़ रुपए हड़पने के मामले में यह कार्रवाई हो रही है। विनय शंकर तिवारी पूर्वांचल के कद्दावर नेता हरिशंकर तिवारी के बेटे हैं। हरिशंकर तिवारी की मौत हो चुकी है। ईडी ने विनय शंकर तिवारी की कम्पनी गंगोत्री इंटरप्राइजेज के लखनऊ, नोएडा, गोरखपुर, मुंबई और दिल्ली के 8 ठिकानों पर सोमवार सुबह छापा मारा। महाराजगंज में विनय शंकर के रिश्तेदार दीपक पांडेय के यहां भी ईडी सर्च कर रही है। 18 मार्च 2024 को ईडी ने विनय शंकर तिवारी की कंपनी गंगोत्री इंटरप्राइजेज की 30.86 करोड़ रुपए की 12 प्रॉपर्टी अटैच की थी। ईडी ने अलग-अलग बैंकों के 754 करोड़ रुपए हड़पने के मामले में यह कार्रवाई की थी। इसमें गोरखपुर, लखनऊ और नोएडा की संपत्तियों को जब्त किया गया था। ईडी ने इस मामले की मुख्य आरोपी रीता तिवारी और अजीत पांडेय के साथ ही गंगोत्री इंटरप्राइजेज के प्रमोटर्स, डायरेक्टर्स, गारंटर्स और रॉयल एम्पायर मार्केटिंग प्राइवेट लिमिटेड और कंदर्प कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड के नाम दर्ज संपत्तियों को जब्त किया है। रीता तिवारी पूर्व विधायक विनय शंकर तिवारी की पत्नी हैं।

# अच्छा स्वास्थ्य किसी भी समृद्ध समाज की नींव है, जीवनशैली में लाएं बदलाव

## विश्व स्वास्थ्य दिवस पर पीएम मोदी ने मोटापे पर जताई चिंता

**नई दिल्ली।**

पीएम नरेंद्र मोदी ने सोमवार को विश्व स्वास्थ्य दिवस पर देशवासियों से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और मोटापे से बचने की अपील की। उन्होंने कहा कि व्यक्तिगत फिटनेस को प्राथमिकता देना विकसित राष्ट्र बनने के लक्ष्य में अहम योगदान देना है।

पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि आइए, हम एक स्वस्थ दुनिया बनाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता जाहिर करें। हमारी सरकार स्वास्थ्य सेवा पर ध्यान देती रहेगी और लोगों की भलाई के लिए कई क्षेत्रों में निवेश करती रहेगी। अच्छा स्वास्थ्य किसी भी समृद्ध समाज की नींव है। एक वीडियो संदेश में पीएम मोदी ने सदियों पुरानी कहावत- स्वास्थ्य ही परम सौभाग्य और परम धन है को याद दिलाया और भारत में बढ़ते मोटापे के संकट पर चिंता जताई।

उन्होंने कहा कि आजकल हमारी जीवनशैली हमारे स्वास्थ्य के लिए बड़ा खतरा बनती जा रही है। हाल ही में आई एक रिपोर्ट के मुताबिक 2050 तक 44 करोड़ से ज्यादा भारतीय मोटापे से पीड़ित होंगे। यह चिंता की बात है, यह कितना बड़ा संकट बन सकता है। पीएम मोदी ने कहा कि स्वस्थ खाने की आदतें अपनाना, जैसे कि तेल का कम उपयोग, सिर्फ व्यक्तिगत फैसला नहीं है, बल्कि यह हमारी सामाजिक जिम्मेदारी भी है।

पीएम मोदी ने इस समस्या को रोकने के लिए तुरंत कदम उठाने की अपील की और एक सरल सुझाव दिया कि मैं आज आपसे एक वादा लेना चाहता हूं कि हम सभी अपने खाना पकाने के तेल में 10 फीसदी की कमी करें। यह मोटापे को कम करने की दिशा में एक बड़ा कदम होगा। उन्होंने लोगों को अपनी दिनचर्या में नियमित शारीरिक गतिविधि जोड़ने के लिए भी प्रेरित किया।

उन्होंने कहा कि हमें व्यायाम को अपनी जीवनशैली का हिस्सा बनाना होगा। अगर हम खुद को फिट रखते हैं, तो यह विकसित भारत की ओर एक महत्वपूर्ण कदम होगा। मन की बात के एक एपिसोड में पीएम नरेंद्र मोदी ने वैश्विक खेल क्षेत्र में भारत की प्रगति की सराहना की थी और स्वस्थ जीवनशैली के महत्व पर जोर दिया था। अपने संबोधन में उन्होंने एक चिंताजनक स्वास्थ्य प्रवृत्ति का जिक्र किया था, जिसमें डब्ल्यूएचओ के आंकड़ों के आधार पर भारत में मोटापे के बढ़ते मामलों की बात की थी।

उन्होंने कहा था कि भारत में हर आठ में से एक व्यक्ति मोटापे से प्रभावित है।

## कांग्रेस का आरोप, मोदी और ट्रम्प दोनों अपने देशों की अर्थव्यवस्थाओं को खुद ही नुकसान पहुंचाने में माहिर

**नई दिल्ली ।**

कांग्रेस ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर अपना हमला तेज किया। पिछले सप्ताह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा टैरिफ की घोषणा के बाद भारतीय शेयर बाजारों में गिरावट का दौर जारी है। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री मोदी की तुलना उनके अमेरिकी समकक्ष से कर कहा कि दोनों नेता अपने देशों को खुद को घायल करने में माहिर हैं, इसके परिणामस्वरूप बाजार टैरिफिंग तरीके से प्रतिक्रिया कर रहे हैं।

कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने कहा कि इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि मोदी और ट्रम्प खुद को अच्छे दोस्त बताते हैं। लेकिन दोनों ही अपनी अर्थव्यवस्थाओं को खुद ही नुकसान पहुंचाने में माहिर हैं।

दरअसल घरेलू शेयर बाजारों सेंसेक्स और निफ्टी में सोमवार को दोपहर के कारोबार में करीब पांच प्रतिशत की गिरावट आई। बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 3,939.68 अंक की भारी गिरावट के साथ 71,425.01 अंक पर और एनएसई निफ्टी 1,160.8 अंक फिसलकर 21,743.65 अंक पर रहा था। दोपहर के कारोबार में सेंसेक्स 3,205.31 अंक या 4.25 प्रतिशत लुढ़कर 72,159.38 पर और निफ्टी 1,038.95 अंक या 4.54 प्रतिशत की गिरावट के साथ 21,865.50 पर कारोबार करने लगा।

अमेरिकी बाजारों में भी शुक्रवार को भारी गिरावट दर्ज की गई थी। एसएंडपी 500 में 5.97 प्रतिशत, नैस्डैक कंपोजिट में 5.82 प्रतिशत और डॉव में 5.50 प्रतिशत की गिरावट आई थी।

# जम्मू-कश्मीर विधानसभा में वक्फ बिल पर हंगामा, कार्यवाही स्थगित

**जम्मू।**

जम्मू-कश्मीर विधानसभा में वक्फ संशोधन बिल को लेकर जमकर हंगामा हुआ। नेशनल कॉन्फ्रेंस ने वक्फ बिल पर चर्चा के लिए स्थगन प्रस्ताव दिया था। प्रश्नकाल स्थगित करने की अनुमति नहीं दिए जाने को लेकर हंगामा शुरू हो गया। इसके बाद सदन के अध्यक्ष अब्दुल रहीम राथर ने 15 मिनट के लिए कार्यवाही स्थगित कर दी। बजट सत्र के दौरान पहली बार सदन की कार्यवाही स्थगित की गई है।

जैसे ही सदन की कार्यवाही शुरू हुई, नेशनल कॉन्फ्रेंस के नजीर गुरेजी और तनवीर सादिक के नेतृत्व में पार्टी के सदस्यों ने वक्फ कानून पर चर्चा के लिए

प्रश्नकाल स्थगित करने का प्रस्ताव पेश किया। इस विषय पर नेशनल कॉन्फ्रेंस, कांग्रेस और कुछ निर्दलीय विधायकों समेत कुल नौ सदस्यों ने अध्यक्ष को नोटिस दिया था। इस प्रस्ताव का बीजेपी ने विरोध किया। सदन के नेता सुनील शर्मा के नेतृत्व में बीजेपी सदस्यों ने इसका विरोध किया जिससे सदन में शोरगुल शुरू हो गया।

विधानसभा अध्यक्ष ने सदन के नियम हवाला देते हुए कहा कि यह मामला वर्तमान में न्यायालय में विचाराधीन है इसलिए प्रश्नकाल स्थगित कर इस पर चर्चा नहीं की जा सकती है। अध्यक्ष की इस टिप्पणी के बाद नेशनल कॉन्फ्रेंस, कांग्रेस और पीडीपी के सदस्यों ने विरोध जताया और प्रश्नकाल के स्थगन की मांग पर अड़ गए और अध्यक्ष के आसान के सामने आ गए।

बीजेपी और नेशनल कॉन्फ्रेंस के सदस्य विधानसभा में नारेबाजी करने लगे। एनसी विधायक तनवीर सादिक ने कहा कि उनकी पार्टी वक्फ कानून का विरोध करती है। इस विधेयक पर चर्चा को लेकर कोई दिक्कत नहीं है। हम इस विधेयक पर चर्चा करना चाहते हैं लेकिन जम्मू-कश्मीर एक मुस्लिम राज्य है। हम वक्फ संशोधन विधेयक का विरोध करते हैं।

# जम्मू-कश्मीर दौरे पर गृहमंत्री अमित शाह का बड़ा बयान..... सही समय पर बहाल होगा पूर्ण राज्य का दर्जा

**जम्मू।**

जम्मू-कश्मीर के तीन दिवसीय दौरे पर पहुंचे केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने रविवार को भाजपा के 28 विधायकों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की और राज्य की सुरक्षा स्थिति, विकास पहलों तथा राजनीतिक परिदृश्य की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने स्पष्ट किया कि जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा सही समय पर बहाल किया जाएगा, जिससे राज्य के राजनीतिक पुनर्गठन की दिशा में एक नया संकेत मिला है।

त्रिकुटा नगर स्थित भाजपा मुख्यालय में हुई बैठक में केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह, भाजपा के जम्मू-कश्मीर प्रभारी तरुण चुग, यूटी अध्यक्ष सत शर्मा, एलओपी सुनील शर्मा, सांसद जुगल किशोर शर्मा और गुलाम अली खटाना सहित कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। करीब दो घंटे तक चली इस बैठक में सुरक्षा, संगठनात्मक रणनीतियों और आगामी चुनावों की रूपरेखा पर चर्चा हुई।

### आतंकवाद पर जल्द लगेगी रोक

गृहमंत्री का दौरा भाजपा के स्थापना दिवस के मौके पर हुआ, जिससे पार्टी कार्यकर्ताओं में जोश और उत्साह का माहौल रहा। शाह का पार्टी मुख्यालय आगमन पार्टी के लिए संघटनात्मक मनोबल बढ़ाने वाला कदम माना जा रहा है। केंद्रीय गृहमंत्री शाह ने बैठक में कहा कि जम्मू क्षेत्र में आतंकवाद से जुड़ी घटनाओं पर बहुत जल्द पूर्ण विराम लगेगा। उन्होंने कठुआ जिले में चल रहे आतंकवाद रोधी अभियानों की जानकारी ली और सुरक्षाबलों की सराहना की। शाह ने दोहराया कि केंद्र सरकार जम्मू-कश्मीर में शांति, विकास और लोकतंत्र की बहाली के लिए प्रतिबद्ध है। अमित शाह का यह दौरा 23 मार्च से कठुआ के हीरानगर सेक्टर में चल रहे तलाशी अभियान के संदर्भ में अहम माना जा रहा है, जहां पांच आतंकियों के एक समूह को घुसपैठ की कोशिश के दौरान रोका गया था।

# मीलॉर्ड! वक्फ संशोधन बिल की तत्काल सुनवाई हो, सीजेआई बोले इसके लिए पत्र लिखें

**नई दिल्ली।**

वक्फ संशोधन बिल की संवैधानिकता को चुनौती देने वाली याचिका सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की गई है। इन याचिकाओं पर तत्काल सुनवाई करने की मांग सीनियर वकील कपिल सिब्बल और अभिषेक मनु सिंघवी ने कोर्ट में उठाई। इस पर सोमवार को चीफ जस्टिस संजीव खन्ना की बेंच ने कहा कि कोर्ट में केसों की लिस्टिंग की एक मजबूत व्यवस्था है। इस तरह मौखिक तौर पर नहीं कहा जा सकता कि आप इस मामले की तत्काल सुनवाई करें। यदि आपको किसी मामले को अर्जेंट लिस्ट कराना है तो फिर उसके लिए पत्र लिखें और वह मेरे समक्ष लाया जाए।

इस पर सिब्बल ने कहा कि ऐसा पत्र पहले ही लिखकर जमा किया जा चुका है। इस पर चीफ जस्टिस ने कहा कि ठीक है फिर जब मेरे पास पत्र आ जाएगा तो मैं जरूरी कदम उठाऊंगा। जस्टिस संजीव खन्ना ने कहा कि ऐसी सभी याचिकाएं मेरे समक्ष दोपहर में रखी जाती हैं। ऐसे में उसके लिए अलग से जिक्र करने की जरूरत नहीं। कपिल सिब्बल का कहना था कि कोर्ट तुरंत उस अर्जी पर सुनवाई करे, जिसे जमीयत-उलेमा-ए-हिंद के मुखिया मौलाना अरशद मदनी ने दायर की है। ऐसी ही मांग वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी और निजाम पाशा ने भी दोहराई। इनका भी कहना है कि वक्फ बिल असंवैधानिक है और कोर्ट को उसे खारिज कर देना चाहिए।

पाशा और सिंघवी की ओर से उस अर्जी पर प्रतिनिधित्व किया जा रहा है, जिसे एआईएमआईएम के मुखिया असदुद्दीन ओवैसी ने दाखिल की है। इस पर भी चीफ जस्टिस ने कहा कि हम किसी मामले की लिस्टिंग से पहले उसके बारे में जानते हैं।

वक्फ बिल के खिलाफ दायर याचिकाओं में एक्ट को ही चैलेंज किया गया है। इस एक्ट में वक्फ बोर्ड के संचालन, रेगुलेशन के नियमों में बड़े बदलाव किए गए हैं। इसके तहत अब आदिवासी इलाकों में किसी संपत्ति को वक्फ घोषित नहीं किया जा सकता। इसके अलावा किसी मामले में वक्फ ट्राइब्यूनल के अलावा स्थानीय अदालतों से लेकर ऊपरी अदालतों तक में केस दाखिल हो सकते हैं और उनका फैसला ही अंतिम माना जाएगा।

केंद्र सरकार का कहना है कि नए विधेयक से वक्फ बोर्ड का संचालन अच्छे से होगा और व्यवस्था में सुधार हो सकेगा। सरकारी सूत्रों का कहना है कि वक्फ बोर्ड की संपत्तियों पर मुतवल्लियों यानी केयरटेकर्स ने ही अवैध कब्जा जमा रखा है। इन सबको देखते हुए वक्फ बिल लाया गया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

# मानवीय रचनात्मकता को एआई टूल्स की चुनौती

**नवीनतम मल्टीमॉडल जेनेरेटिव एआईटूल इनपुट के रूप में टेक्स्ट, तस्वीर, वीडियो, आवाज और संगीत के नमूने का उपयोग करते हुए वांछित आउटपुट को चित्र और वीडियो के रूप में निर्मित करके दे सकते हैं। मिडजर्नी, स्टेबल डिफ्यूजन और डीएएलएल-ई जैसे टूल इनपुट के रूप में टेक्स्ट से सचित्र आउटपुट पैदा कर सकते हैं। उदाहरण के लिए, यदि कोई डीएएलएल-ईको एमएफ हुसैन या जैमिनी रॉय की शैली में दिल्ली की सड़क की पेंटिंग बनाने का निर्देश दे, तो वह कुछ सेकंड के भीतर बनाकर पेश कर देगा।**

**दिनेश सी. शर्मा**

डिजिटल दुनिया में एक नया चलन जोर पकड़ रहा है। उपयोगकर्ताओं ने एक्स, इंस्टाग्राम और फेसबुक जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एआई तकनीक की मदद से प्रसिद्ध जापानी एनिमेटर हयाओ मियाज़ाकी की शैली में निर्मित अपनी, परिजनों और अन्य तस्वीरों की बाढ़-सी ला रखी है। मियाज़ाकी सुप्रसिद्ध घिबली स्टूडियो के संस्थापक हैं, जिसने पिछले चार दशकों में जाने-माने एनिमेशन चरित्रों को पैदा किया है। हल्के, पेस्टल रंगों में पात्रों को चित्रित करने की विशिष्ट शैली को घिबली कला के रूप में जाना जाता है। हालांकि, उपयोगकर्ताओं द्वारा ऑनलाइन पोस्ट की जा रही कला मूल घिबली न होकर कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) टूल्स का उत्पाद है, जो कि परीक्षण के आधार पर मुफ़्त में उपलब्ध है। राजनेता, फैशन और खेल जगत के स्थापित चेहरे और मशहूर हस्तियों सहित लाखों उपयोगकर्ता इस शैली में चित्र बनाने के लिए एआई टूल्स का उपयोग कर रहे हैं। हालांकि जेनेरेटिव एआई टूल- जो इस सामग्री को बनाने में उपयोग किए जा रहे हैं - पिछले कुछ सालों से वजूद में हैं, लेकिन वर्तमान चलन की चिंगारी को ओपन एआई द्वारा विकसित एक नए टूल्स ने भड़काया है। चैट जीपीटी हो या बृहद भाषा मॉडल (लार्ज लैंग्वेज मॉडल अर्थात एलएलएम), ये टूल्स चंद शब्दों वाली निर्देशावली (टेक्स्ट) के आधार पर विस्तृत लेख, पुस्तक अध्याय, सोशल मीडिया पोस्ट इत्यादि वांछित सामग्री उत्पन्न कर देते हैं। नवीनतम मल्टीमॉडल जेनेरेटिव एआईटूल इनपुट के रूप में टेक्स्ट, तस्वीर, वीडियो, आवाज और संगीत के नमूने का उपयोग करते हुए वांछित आउटपुट को चित्र और वीडियो के रूप में निर्मित करके दे सकते हैं। मिडजर्नी, स्टेबल डिफ्यूजन और डीएएलएल-ई जैसे टूल इनपुट के रूप में टेक्स्ट से सचित्र आउटपुट पैदा कर सकते हैं। उदाहरण के लिए, यदि कोई डीएएलएल-ईको एमएफ हुसैन या जैमिनी रॉय की शैली में दिल्ली की सड़क की पेंटिंग बनाने का निर्देश दे, तो वह कुछ सेकंड के भीतर बनाकर पेश कर देगा। 'लेंसा' जैसे इमेज-टू-इमेज टूल भी हैं जो इनपुट छवियों के बदले छवि या उसका सुधरा संस्करण प्रदान कर सकते हैं। घिबली शैली में उत्पन्न छवियों ने लोगों की कल्पना को इसलिए भी अपनी ओर खींचा है क्योंकि वे बहुत मासूम और मज़ेदार दिखती हैं। हालांकि, इस मासूमियत के तले टेक्स्ट और इमेज-जेनेरेटिव एआई सिस्टम से संबंधित गंभीर नैतिकता के मुद्दे छिपे हुए हैं। कोई भी एआई सिस्टम विभिन्न स्रोतों से एकत्र किए गए वास्तविक डाटा पर काम करता है। एआई टूल्स को प्रशिक्षित करने में भारी मात्रा में डाटा (टेक्स्ट, इमेज, संगीत इत्यादि) की जरूरत पड़ती है। यदि किसी एलएलएम को अमिताभ घोष या रस्किन बॉन्ड की शैली में एक छोटी-सी कहानी बनाने के लिए कहा जाए तो इसे वह इन लेखकों की तमाम रचना का भारी-भरकम डाटा खंगालने के बाद उत्पन्न करता है। इस सामग्री का अधिकांश हिस्सा कॉपीराइट वाला होता है, और एआई कंपनियों ने अपने सिस्टम को 'प्रशिक्षित' करने के लिए लेखकों से इसके लिए समुचित अधिकार खरीदे नहीं होते। यही बात घिबली स्टूडियो सरीखी या हुसैन जैसे उस्तादों की पेंटिंग्स बनाने पर लागू है। एआई कंपनियां दावा करती हैं कि वे केवल सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध डाटा का ही उपयोग कर रही हैं, लेकिन उनके इस दावे को सृजनकर्ता पचा नहीं पा रहे। कॉपीराइट कानूनों में अंतर्निहित 'उचित इस्तेमाल' प्रावधान का दुरुपयोग यह तकनीक बनाने वाली कंपनियां कर रही हैं। इस तरह के उल्लंघन से निपटने के लिए मौजूदा कॉपीराइट ढांचे अपर्याप्त हैं। उत्तरी अमेरिका और यूरोप की अदालतों में तकनीक बनाने वाली कंपनियों के खिलाफ मामले पहले से चल रहे हैं। दरअसल, जेनेरेटिव एआई रचनात्मकता के मूल विचार पर हमला कर रहा है। पेंटिंग हो या कोई किताब, कार्टून चरित्र या फिर संगीत का मुखड़ा, यह सब किसी कलाकार की रचनात्मक अभिव्यक्ति के स्वरूप हैं। यह सभी सांस्कृतिक उत्पाद हैं, जो व्यक्तिगत अनुभव और संदर्भ से उत्पन्न हुए होते हैं। उदाहरण के लिए, घिबली स्टूडियो का काम जापानी समाज और संस्कृति का एक नमूना है, यह ठीक वैसा है जैसा कि वॉल्ट डिज़नी स्टूडियो की रचनाएं अमेरिकी संस्कृति को दर्शाती हैं।

ऐसे रचनात्मक कार्यों को किसी मशीन या एआई सिस्टम को बनाने के लिए सौंप देना मानवीय रचनात्मकता और जुनून के मूल विचार के विरुद्ध है। एक कलाकार को एक पेंटिंग पूरी करने में महीनों लग सकते हैं या एक लेखक को एक उपन्यास अथवा गैर-काल्पनिक किताब लिखने में कई साल लग सकते हैं। कार्टून या एनिमेशन स्ट्रिप बनाने में सैकड़ों घंटों की मेहनत खपती है। इसलिए, श्रेय और पैसा सृजनकारों का नैसर्गिक हक है। एआई कंपनियां वह करने में लगी हैं, जिसे आलोचक डाटा-चोरी कहते हैं और यह करके वे सृजनकर्ता के श्रेय और पैसा, दोनों पर डाका डाल रही हैं। प्रत्येक नए जेनेरेटिव मॉडल बनने के साथ- जो सृजनकर्ताओं के अनगिनत काम और मेहनत पर आधारित होता है- एआई कंपनियों की दौलत में खरबों डॉलर का इजाफा हो जाता है। वे इन मॉडलों को प्रति संस्करण हज़ारों डॉलर मूल्य में दुनिया भर के उपयोगकर्ताओं को बेच रही हैं, जबकि मूल सृजनकर्ता के पल्ले कुछ नहीं पड़ता। इमेज जेनेरेटर खुद कलाकार नहीं हैं, लेकिन कलाकारों के लिए एक चुनौती हैं। एआई टूल के मुफ़्त संस्करणों के उपयोग से निर्मित छवियों के साथ डिजिटल दुनिया में मची रेलमपेल, जैसा कि घिबली कला के मामले में हुआ पड़ा है, प्रौद्योगिकी कंपनियां ऐसी मशीन-जेनेरेटेड कला को सामान्य बनाना चाहती हैं। व्यावसायिक फिल्म स्टूडियो और नेटवर्क उन्हें सिर्फ श्रम लागत बचाने की गर्ज से अपना रहे हैं। वे एनिमेटरों की फौज को काम पर रखने की बजाय एआई तकनीक में पारंगत चंद लोगों से काम चलाने लगी हैं। इस प्रवृत्ति से भारत में भी खतरे की घंटी बज जानी चाहिए, क्योंकि हजारों भारतीय तकनीकी विशेषज्ञ हॉलीवुड स्टूडियो के लिए आउटसोर्स ठेके पर एनिमेशन कार्य में लगे हुए हैं। हालांकि, वे भी कंप्यूटर ग्राफिक्स और अन्य टूल्स का उपयोग करते हैं। लेकिन जेनेरेटिव एआईटूल स्वचालित होने की वजह से सब कुछ बनाना किसी दूसरे ही स्तर पर पहुंच चुका है। इस समस्या का हल आसान नहीं है। कॉपीराइट को लेकर कानूनी लड़ाई लड़ना विकल्पों में से एक हो सकता है। डाटा सुरक्षा कानून और एआई नियंत्रक धाराओं को हर नए विकास के साथ सामंजस्य बिठाने में खपना पड़ रहा है। किताबों और संगीत जैसे रचनात्मक कार्यों के कुछ प्रकाशक एवं कॉपीराइट धारक एआई कंपनियों के साथ औपचारिक समझौते करने में लगे हैं ताकि एआई सिस्टम को 'प्रशिक्षित' करने में उनकी किताबों और अन्य काम का इस्तेमाल करने की अनुमति देने के एवज में राजस्व-साझाकरण सुनिश्चित हो सके। उन्हें लगता है कि जब तकनीक बनाने वाली कंपनियां डाटा प्रशिक्षण के लिए उनके काम का उपयोग पहले ही बिना पूछे कर रही हैं, तो क्यों न इसे औपचारिक रूप दे दिया जाए और उनकी कमाई में हिस्सा बांट लिया जाए। डाटा प्रशिक्षण के लिए किसी के काम का इस्तेमाल करने की अनुमति आपसी सहमति से देना भी एक अन्य विकल्प है, खासकर जब मामला व्यक्तिगत कलाकारों के काम का हो। सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्मों को भी उपयोगकर्ताओं को एआई-जनरेटेड छवियों, वीडियो और एनिमेशन बनाने की खुली छूट देने के प्रति अधिक संवेदनशील होना पड़ेगा। घिबली ट्रेंड हानिरहित और प्यारा लग सकता है, लेकिन वास्तव में यह हम सभी के लिए एक चेतावनी है।

लेखक विज्ञान संबंधी विषयों के विशेषज्ञ हैं।

## संपादकीय

## आपराधिक लापरवाही

जिस देश में करोड़ों लोग कुपोषण व खाद्यान्न की किल्लत से जूझ रहे हों, उसके सिर्फ एक राज्य में ही, चार साल में 8191 मीट्रिक टन अनाज सड़ जाए, इससे ज्यादा शर्मनाक कुछ नहीं हो सकता। हमारा गैर-जिम्मेदार तंत्र व अदूरदर्शी नेतृत्व इसकी जवाबदेही से बच नहीं सकता। ये लापरवाही की अंतहीन शृंखला की दुर्भाग्यपूर्ण परिणति है। किसानों के खून-पसीने से उपजी और कर दाता के धन से खरीदी गई लाखों टन उपज का यूं बर्बाद होना बताता है कि हमारे तंत्र में प्रबंधन से जुड़े अधिकारी कितने संवेदनहीन और गैर-जिम्मेदार हैं। चिंता की बात यह है कि पंजाब में साल-दर-साल बर्बाद होने वाले अनाज की मात्रा लगातार बढ़ती ही जा रही है। यानी इस संकट को अधिकारी गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। चिंता की बात यह कि जहां वर्ष 2022-23 में जहां करीब 264 मीट्रिक टन अनाज खराब हुआ था, वहीं वर्ष 2023-24 में यह आंकड़ा 29 गुना बढ़ गया बताया जाता है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार यह आंकड़ा बढ़कर 7764 मीट्रिक टन हो गया बताया जाता है। जिस देश में तमाम लोग कुपोषण व भुखमरी का दंश झेलते हों, वहां ये आंकड़े शर्मशार करने वाले ही हैं। एक आकलन के अनुसार इस बर्बाद हुए अनाज से सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत सोलह लाख लोगों का पेट भरा जा सकता था। बताया जाता है कि खाद्यान्न की बर्बादी के इस आंकड़े का उल्लेख उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय की रिपोर्ट में किया गया है। निश्चित रूप से साल-दर-साल बढ़ती अन्न की बर्बादी हमारी लचर भंडारण क्षमता पर सवाल खड़े करती है। हरित क्रांति की सफलता का पंजाब को भरपूर लाभ मिला। किसानों ने भी पूरे मनोयोग से कंधा से कंधा लगाकर सहयोग दिया। तत्कालीन सत्ताधीशों की सजगता व सक्रियता से यह क्रांति परवान चढ़ी। कालांतर में धरती सोना उगलने लगी। देश की खाद्य शृंखला को मजबूत बनाने में पंजाब के योगदान को भुलाया नहीं जा सकता। लेकिन राज्य के सत्ताधीशों ने इस बहुमूल्य खाद्यान्न को सहेजने में दूरदर्शिता नहीं दिखाई। यदि सरकार समय रहते बड़े पैमाने पर अनाज के गोदाम बनाती तो आज ये संकट पैदा नहीं होता। भंडारण संकट के चलते ही किसान भी फसल की कटाई के बाद तुरंत फसल बेचने मंडियों की तरफ दौड़ता है। जिसके चलते बिचौलिए व आढ़ती औने-पौने दाम पर किसानों को फसल बेचने के लिये मजबूर कर देते हैं। जिससे किसान को उसकी उपज का वाजिब दाम नहीं मिल पाता। किसान आज जो कई तरह के संकट उचित दाम न मिल पाने के कारण झेल रहा है, उसके मूल में भी अनाज भंडार व्यवस्था की खामियां भी हैं। बहरहाल, पंजाब में अनाज भंडार का जिम्मा संभालने वाले राज्य तंत्र तथा फूड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया के लापरवाह अधिकारियों की इस आपराधिक लापरवाही की जवाबदेही तय करने की सख्त जरूरत है। दरअसल, सख्त कार्रवाई के अभाव में अधिकारी अपने गंभीर दायित्व के प्रति भी उदासीन बने रहते हैं। उन्हें विश्वास रहता है कि छोटी-मोटी कार्रवाई के बाद भी साफ बच जाएंगे। निस्संदेह, अनाज की बर्बादी पर शून्य सहिष्णुता की नीति अपनानी होगी।

# राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी से संकट बरकरार

**नदियों का प्रदूषण/ ज्ञानेन्द्र रावत**

केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, गंगा और यमुना जैसी नदियां कई दशकों से प्रदूषित हैं। परिणामस्वरूप, जलीय जीव संकट में हैं और मानव स्वास्थ्य भी गंभीर खतरे में है। अनियोजित शहरीकरण, बढ़ती आबादी और कारखानों से निकलने वाला गंदा पानी नदियों के अस्तित्व को खतरे में डाल रहा है। बीते दिनों महाराष्ट्र नव निर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे ने गंगा की स्वच्छता पर सवाल उठाते हुए कहा कि आज देश की कोई नदी ऐसी नहीं है जो स्वच्छ हो और प्रदूषण मुक्त हो। विडम्बना यह है कि इसके बावजूद हम उन्हें स्वच्छ रखने में असफल रहे हैं। गौरतलब है कि गंगा की सफाई का जिम्मा केन्द्र सरकार के सात मंत्रालयों पर है, लेकिन हकीकत यह है कि गंगा अपने मायके से ही प्रदूषित हो रही है। उत्तराखंड सरकार की रिपोर्ट से खुलासा हुआ है कि गंगा कई स्थानों पर जल शोधन संयंत्र से छोड़े गए पानी से ही प्रदूषित है। एनजीटी को भी इस बारे में जानकारी है। यह स्थिति केवल गंगा की नहीं, बल्कि देश की दूसरी नदियों की भी है।

केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, गंगा और यमुना जैसी नदियां कई दशकों से प्रदूषित हैं। परिणामस्वरूप, जलीय जीव संकट में हैं और मानव स्वास्थ्य भी गंभीर खतरे में है। अनियोजित शहरीकरण, बढ़ती आबादी और कारखानों से निकलने वाला गंदा पानी नदियों के अस्तित्व को खतरे में डाल रहा है, साथ ही यह भूमिगत जल को भी प्रदूषित कर रहा है। विज्ञान और पर्यावरण केन्द्र की रिपोर्ट के अनुसार, घरों, फैक्टरियों और संस्थानों से निकलने वाला 72 फीसदी गंदा पानी सीधे नदियों और झीलों में जा रहा है, जिससे पेयजल और अन्य उपयोग के लिए पानी का संकट बढ़ता जा रहा है।

एनजीटी की रिपोर्ट के अनुसार, उत्तर प्रदेश में गंगा और उसकी सहायक नदियों में रोजाना 1100 मिलियन लीटर प्रति दिन (एमएलडी) सीवेज गिर रहा है। राज्य में गंगा किनारे बसे जिलों के 225 नाले सीधे नदियों में मिल रहे हैं, जबकि केवल 101 नाले एसटीपी (सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट) से जुड़े हैं। देश की राजधानी दिल्ली की जीवन रेखा यमुना हजारों करोड़ रुपये खर्च होने के बाद भी गंदे नाले से भी बदतर हालत में है। उसका पानी न केवल लोगों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा है, बल्कि वह पर्यावरण के लिए भी हानिकारक है। मौजूदा स्थिति यह है कि नई भाजपा सरकार नये संकल्प और यमुना सफाई के नये एजेंडे के साथ यमुना के पुनरुद्धार और कायाकल्प में जुटी है। दिल्ली उच्च न्यायालय ने भी दिल्ली के 16 औद्योगिक क्षेत्रों में एसटीपी की कमी पर हैरानी जताई है और कहा है कि यमुना में बिना ट्रीटमेंट के अपशिष्ट पदार्थ खुलेआम गिराए जा रहे हैं। हकीकत यह है कि यहां एक-तिहाई क्षमता से एसटीपी काम कर रहे हैं और 11 क्लस्टरों के लिए प्लांट ही नहीं हैं। इसके लिए एसटीपी की क्षमता तीन गुना बढ़ानी होगी और निगरानी तंत्र को चौकस करना होगा, तभी कोई बदलाव की उम्मीद की जा सकती है। गौरतलब है कि दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति यमुना में प्रदूषण के लिए 60 फीसदी जिम्मेदार नजफगढ़ नाले को मानती है। असलियत यह है कि यमुना इतनी प्रदूषित हो चुकी है कि दिल्ली के अंदर और सीमा पर भी उसका जल नहाने लायक नहीं है। आंकड़ों के अनुसार, एक समय देश में करीब 15,000 छोटी-बड़ी नदियां थीं, जिनमें से 30 फीसदी से ज्यादा आज सूख चुकी हैं। 4500 से ज्यादा छोटी या मंझोली नदियां केवल बारिश के दिनों में बहती हैं, और बाकी आठ-नौ महीनों में वे मृतप्राय रहती हैं। देश की राजधानी दिल्ली की जीवनदायिनी यमुना में बरसात के दिनों में भले जलस्तर बढ़ा रहता है, लेकिन बाकी आठ-नौ महीनों में इसका जलस्तर काफी कम हो जाता है। गर्मी के दिनों में स्थिति और भयावह हो जाती है। यही हालत देश के अन्य राज्यों की छोटी-बड़ी नदियों की है, जहां की नदियों के साथ-साथ झीलों का जलस्तर भी कम हो गया है। उत्तराखंड में पर्यटन के लिए विख्यात नैनीताल की झीलें इसकी जीती-जागती मिसाल हैं, जिनका जलस्तर कम हो रहा है। मध्य भारत की गंगा कहलाने वाली पौराणिक नदी बेतवा की बात करें तो उसके उद्गम स्थल ही सिमट गए हैं। मध्य प्रदेश सरकार ने 2024 में बेतवा के उद्गम स्थल में जल गंगा संवर्धन योजना शुरू करने की घोषणा की थी, लेकिन उसका अभी तक क्रियान्वयन नहीं हुआ है। सवाल यह है कि देश की नदियां साफ क्यों नहीं हो पा रही हैं। इस मामले में जल शक्ति मंत्रालय ने भी स्वीकार किया है कि इसमें सीवेज सिस्टम की खामी अहम कारण है। असलियत में नदियों के किनारे बसे

शहरों के सीवेज सिस्टम में सुधार में नाकामी के कारण सीवेज का गंदा पानी सीधे नदियों में गिरकर उन्हें विषाक्त कर रहा है। इसके लिए उन शहरों के नगर निकाय पूरी तरह जिम्मेदार हैं। हालात यह हैं कि कहीं शोधन संयंत्र देखभाल के अभाव में खराब पड़े हैं, कहीं उनकी शोधन क्षमता उतनी नहीं है जितनी होनी चाहिए, कहीं जरूरत के मुताबिक उनकी तादाद बहुत कम है, और कहीं बिजली आपूर्ति समय पर न होने के कारण वे पूरे समय काम नहीं कर पाते। कहीं-कहीं शोधन संयंत्रों से गंदे नाले जोड़े ही नहीं गए हैं, नतीजतन वे सीधे नदियों में गिर रहे हैं।

हकीकत में सरकारें और नगर निकाय औद्योगिक रसायनयुक्त अपशिष्ट सीधे नालों या नदियों में गिरने से रोकने में नाकाम हैं। दुखद यह है कि इसके पीछे राजनीतिक इच्छाशक्ति का अभाव मुख्य कारण है। इसमें दो राय नहीं कि यदि नदियों को स्वच्छ और निर्मल बनाना है तो लॉकडाउन जैसी सख्ती बरतनी होगी, तभी कुछ बदलाव की उम्मीद की जा सकती है।

लेखक पर्यावरणविद हैं।

(चिंतन-मनन)

# सच्चे ज्ञानी की विशेषता

व्यक्ति सत्संगति से तीन वस्तुओं को-शरीर, शरीर का स्वामी या आत्मा तथा आत्मा के मित्र को- एक साथ संयुक्त देखता है, वही सच्चा ज्ञानी है। जब तक आध्यात्मिक विषयों के वास्तविक ज्ञाता को संगति नहीं होती, वे अज्ञानी हैं, वे केवल शरीर को देखते हैं, और जब यह शरीर विनष्ट हो जाता है, तो समझते हैं कि सब कुछ नष्ट हो गया। लेकिन वास्तविकता यह नहीं है। शरीर के विनष्ट होने पर आत्मा तथा परमात्मा का अस्तित्व बना रहता है, और वे अनेक विविध चर तथा अचर रूपों में सदैव जाते रहते हैं। कभी-कभी संस्कृत शब्द परमेर का अनुवाद जीवात्मा के रूप में किया जाता है, क्योंकि आत्मा ही शरीर का स्वामी है और शरीर के विनाश होने पर वह अन्यत्र देहांतरण कर जाता है। इस तरह वह स्वामी है। लेकिन कुछ लोग इस परमेश्वर का अर्थ परमात्मा लेते हैं। प्रत्येक दशा में परमात्मा तथा आत्मा दोनों रह जाते हैं। वे विनष्ट नहीं होते। जो इस प्रकार देख सकता है, वही वास्तव में देख सकता है कि क्या घटित हो रहा है।

जीव, अपना भौतिक अस्तित्व स्वीकार करने के कारण अपने आध्यात्मिक अस्तित्व से पृथक स्थित हो गया है। किंतु यदि वह यह समझता है कि परमेश्वर अपने परमात्मा स्वरूप में सर्वत्र स्थित हैं, अर्थात यदि वह भगवान की उपस्थिति प्रत्येक वस्तु में देखता है, तो वह विघटनकारी मानसिकता से अपने आपको नीचे नहीं गिराता, और इसीलिए वह प्रमश- वैकुण्ठ-लोक की ओर बढ़ता जाता है। सामान्यतया मन इंद्रियतृप्तिकारी कार्यों में लीन रहता है, लेकिन जब वही परमात्मा की ओर उन्मुख होता है, तो मनुष्य आध्यात्मिक ज्ञान में आगे बढ़ जाता है। यह शरीर परमात्मा के निर्देशानुसार प्रकृति द्वारा बनाया गया है और मनुष्य के शरीर के जितने भी कार्य संपन्न होते हैं, वे उसके द्वारा नहीं किए जाते। मनुष्य जो भी करता है, चाहे सुख के लिए करे या दुख के लिए, वह शारीरिक रचना के कारण उसे करने के लिए बाध्य होता है।

विचार मंथन

# भारत का महा आर्थिक संकट, शेयर बाजार और बैंकों में हाहाकार

**(लेखक-सनत कुमार जैन)**

भारत में आर्थिक मंदी जिस तरह से सामने आ रही है। जिसमें अर्थतंत्र के सारे संस्थान डगमगाते हुए नजर आ रहे हैं। शेयर बाजार में पिछले 6 महीने से लगातार गिरावट देखने को मिल रही है। इस गिरावट को थामने के लिए सरकार और रिजर्व बैंक ने लाखों करोड़ रुपया शेयर बाजार में डाला। वह रुपया भी मुनाफा वसूली में शेयर बाजार से बाहर निकल गया। रिजर्व बैंक से केंद्र सरकार ने पिछले वर्षों में डिविडेंड के नाम पर काफी बड़ी राशि वसूल कर की है। जिसके कारण रिजर्व बैंक का आर्थिक संकट भी सामने दिख रहा है। रही सही कसर सरकारी बैंक पूरी कर रहे हैं। बैंकों द्वारा जो फाइनेंस किया गया है। उसकी वसूली नहीं हो पा रही है। बैंकों द्वारा पिछले वर्षों में खातेदारों से तरह-तरह के शुल्क लगाकर अनाप-शनाप वसूली की जा रही है। एनपीए खाते की रकम का समयोजन कर बैंकों का मुनाफा बैलेंस शीट में लाभ से एडजस्ट किया जा रहा है। पिछले वर्षों में शेयर बाजार में बैंकों द्वारा भारी निवेश किया गया है । जब तक शेयर बाजार मैं तेजी बनी हुई थी। तब तक बैंकों की बैलेंस शीट मुनाफा उगल रही थी। अब बैंकों की बैलेंस शीट घाटे की ओर आगे बढ़ रही हैं। जीवन बीमा निगम जैसी कंपनियां लड़खड़ा रही हैं । म्युचुअल फंड और अन्य वित्तीय संस्थान भी शेयर बाजार की गिरावट के कारण आर्थिक हालत खराब होती चली जा रही है । भारत के करोडों परिवार कर्ज के जाल में फंसे हुए हैं ब्लूमबर्ग की जो रिपोर्ट सामने आई है । उसके अनुसार 68 फीसदी कर्जदारों को ईएमआई चुकाने में आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा है। 45 अरब डॉलर का कर्ज फंसा हुआ है। 91 से 180 दिनों के भीतर लोन की किस्त जमा नहीं होने पर बैंक यह राशि एनपीए में डाल देते हैं। एनपीए 3.3 फ़ीसदी की रफ्तार से बढ़ता चला जा रहा है। 2023 में यह आंकड़ा मात्र 0.8 फीसदी था। भारत में लोन चुकाने के लिए अब लोग लोन ले रहे हैं। आर्थिक संकट के कारण लोगों को अपने बच्चों को स्कूलों से बाहर निकालना पड़ रहा है। बैंकों मे लोन डिफाल्टरों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। रिजर्व बैंक के माध्यम से माइक्रो फाइनेंस के तहत बड़ी मात्रा में पर्सनल ऋण दिया गया है। इस ऋण की भी वसूली नहीं हो पा रही है। 10 में से 9 लोगों के पास औपचारिक और स्थाई नौकरी नहीं है। जिसके कारण वह लोन की किस्त नहीं चुका पा रहे हैं । समूह लोन जो दिया गया था, वह भी वसूल नहीं हो पा रहा है। माइक्रो फाइनेंस के लोन की किस्तें भी लोग नहीं चुका पा रहे हैं। लोगों के पास पर्याप्त आय नहीं है,उनकी मासिक खर्च लायक आमदनी नहीं हैं। माइक्रो फाइनेंस में रिजर्व बैंक ने न्यूनतम आय 3 लाख वार्षिक मानी है। रिजर्व बैंक के नियमों के अनुसार पुर्नभुगतान के लिए 50 फ़ीसदी से ज्यादा वसूली नहीं की जा सकती है। माइक्रो फाइनेंस में परिवार के कई सदस्यों ने अलग-अलग लोन लिया हुआ है। संयुक्त परिवार की मासिक आय 20 से ₹25000 के बीच आती है। माइक्रो फाइनेंस की किस्त ही प्रति परिवार को 15 से 20000 चुकाना पड़ रही है। जिसके कारण माइक्रो फाइनेंस में डिफॉल्टर्स की संख्या बढ़ती चली जा रही है। माइक्रो फाइनेंस कंपनियां मनमाना ब्याज वसूल कर रही है। जिसके कारण विवाद और आत्म हत्या जैसी घटनायें बड़ी तेजी के साथ बढ़ रही हैं। भारत में माइक्रो फाइनेंस शहरी क्षेत्र में ज्यादा बांटा गया है। आय की तुलना में कई गुना ज्यादा कर्ज होने से वित्तीय संस्थानों और बैंकों की हालत वसूली नहीं होने बड़ी खराब हो गई है। लोगों ने दिखावे के लिए बड़े पैमाने पर कर्ज लिए, अब वह कर्ज को चुका नहीं पा रहे हैं । बाजार में पैसा नहीं होने के कारण उत्पाद की बिक्री तेजी के साथ घटती चली जा रही है। जिसके कारण उद्योग और व्यापार भी संकट में आ गए हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जो टेरिफ़ बार शुरू किया है। उसने दुनिया के सभी देशों में आर्थिक मंदी का बिगुल बजा दिया है।

इसमें सबसे ज्यादा असर भारत पर पड़ रहा है। पिछले 20 वर्षों में आम आदमी, स्थानीय प्रशासन राज्य सरकारें केंद्र सरकार सभी कर्ज लेकर घी पी रहे हैं। सरकार ने पिछले वर्षों में अपने खर्च कई गुना बढा लिए हैं। पिछले 8 वर्षों में जीएसटी के माध्यम से आम नागरिकों से बड़ी मात्रा में टैक्स वसूल किया जा रहा है। राज्य सरकारों और स्थानीय संस्थाओं द्वारा भी शुल्क और टैक्स के रूप में आम आदमियों से कई गुना राशि वसूल की जा रही है। अब लोगों की कमाई नहीं है। शुल्क और टैक्स भी नहीं दे पा रहे हैं । बैंकों की किस्त नहीं चुका पा रहे हैं।

जिसके कारण भारत आर्थिक मंदी का सबसे बड़ा और सबसे पहला शिकार बनने जा रहा है। 2008 की अमेरिकी आर्थिक मंदी का भारत में कोई प्रभाव नहीं पड़ा था। 2025 में भारत के आम परिवारों की बचत पूरी तरह से खत्म हो चुकी है । अधिकांश लोग कर्ज लेकर अपने शौक पूरे कर रहे थे इस आर्थिक संकट से निपटने के लिए अब लोगों के पास कोई विकल्प नहीं है। केंद्र सरकार की जिम्मेदारी है, वर्तमान स्थिति में वह आर्थिक नीतियों को आर्थिक विशेषज्ञों की मदद से वास्तविक स्थितियों का सामना करे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## भारत में निजी इक्विटी निवेश में गिरावट, रियल एस्टेट में प्रवाह कमजोर

**- कार्यालय और गोदाम परिसंपत्तियों में निवेश की भारी गिरावट भी दर्ज की गई**

**नई दिल्ली ।** भारत के रियल एस्टेट सेक्टर में निजी इक्विटी निवेश में तीन प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है, जिसका एक रियल स्टेट सलाहकार ने अपनी ताजा जानकारी में दावा किया है। वित्त वर्ष 2024-25 में इस गिरावट के साथ पीई निवेश कुल 3.7 अरब अमेरिकी डॉलर रहा है, जो पहले के वित्त वर्ष की तुलना में थोड़ी कमी का अंक साबित होता है। रियल स्टेट के सलाहकार ने इस गिरावट की वजह के रूप में वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता और भू-राजनीतिक अस्थिरता का जिक्र किया है, जो विदेशी निवेशकों की गतिविधियों में कमी के साथ विनम्रता बनाता है। पिछले वित्त वर्ष में पीई निवेश की ज्यादातर हिस्सेदारी विदेशी निवेशकों के पास थी, जो 84 प्रतिशत तक थी, जबकि घरेलू निवेशकों की हिस्सेदारी 16 प्रतिशत रही। इस समय कार्यालय और गोदाम परिसंपत्तियों में निवेश की भारी गिरावट भी दर्ज की गई है, जो निजी इक्विटी निवेश के साथ संबंधित है। गोदाम परिसंपत्तियों में पीई निवेश में तेजी से वृद्धि हुई है, जिसने आवास और कार्यालय संपत्तियों में स्थानांतरण में गिरावट का कारण बना है। वित्त वर्ष 2024-25 में हाइब्रिड सौदों की हिस्सेदारी 42 प्रतिशत रही है, जिसमें इक्विटी और ऋण निवेश में क्रमशः 37 प्रतिशत और 21 प्रतिशत की गिरावट आई है। इस तरह कुल संदर्भ में रियल एस्टेट सेक्टर में निजी इक्विटी निवेश में गिरावट के साथ वृद्धि और संविदानिक गतिविधियों में संकेत है कि वित्तीय स्थिरता की दिशा में तेजी हो सकती है।

## माइक्रोडेटाः एमओएसपीआई का नया अभियान

**नई दिल्ली ।** सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) ने विप्लवात्मक प्रौद्योगिकी के साथ नई माइक्रोडेटा मंच की शुरुआत की है। इस मंच का उद्देश्य सार्वजनिक आंकड़ों को सुविधाजनक और दृढ़ ढंग से पहुंचाना है। मंत्रालय द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है कि नया मंच राष्ट्रीय सर्वेक्षणों और आर्थिक जानकारी से एकत्रित व्यापक सांख्यिकीय आंकड़ों के लिए एक केंद्रीकृत भंडार के रूप में काम करेगा। यह मंच पिछले सिस्टम के तकनीकी कड़ीयों को सुधारकर उपयोगकर्ताओं का अनुभव बेहतर बनाएगा। विश्व बैंक के प्रौद्योगिकी दल के सहयोग से, यह प्रणाली नए सुरक्षा मानकों का पालन करने के साथ ही उत्तरदायित्वपूर्ण तंत्र को भी समर्थित करेगी। मंत्रालय ने कृत्रिम मेधा/मशीन लर्निंग का प्रमाण (पीओसी) भी पेश किया है, जो राष्ट्रीय औद्योगिक वर्गीकरण के उपयोग को बढ़ावा देगा। इसके साथ ही, राष्ट्रीय सांख्यिकी प्रणाली प्रशिक्षण अकादमी की वेबसाइट भी लॉन्च की गई है। इस नए पहल के माध्यम से, एमओएसपीआई एक सुगम और स्केलेबल ढंचे का इस्तेमाल करके देश में विकास को गति देने के लिए पूरी तरह से तैयार है।

## 48 घंटे की बैटरी वाला ईयरबड्स बाजार में लांच को तैयार

**मुंबई ।** अपने दमदार साउंड वाले ऑडियो डिवाइस के लिए मशहूर जेबीएल, जल्द भारतीय बाजार में अपने किफायती ईयरबड्स ला रही है। नए ईयरबड्स को जेबीएल टूयून सीरिज 2 नाम से बाजार में उतारा जाएगा। इस सीरीज के तहत लांच होने वाले ईयरबड्स में जेबीएल टून बीम 2, जेबीएल टून बैंड 2 और जेबीएल टून फैल्स 2 भी शामिल हैं। कंपनी का दावा है कि यह बेहतरीन साउंड, शानदार फीचर्स और एडाप्टिव नॉइज कैंसिलेशन तकनीक से लैस होगा। लांच से पहले, ईयरबड्स को माइक्रोसाइट अमेजन पर लाइव किया गया है, जहां कंपनी ने अलग-अलग मॉडल के डिजाइन और फीचर्स का खुलासा किया है। सीरीज को इसी महीने यानी अप्रैल में ही भारत में लांच किया जाएगा, हालांकि सटीक लांच डेट सामने नहीं आई है। माइक्रोसाइट पर कंपनी ने हिंट दिया है कि भारत में सीरीज को 5XX9 रुपये की शुरुआती कीमत के साथ उतारा जाएगा। कंपनी इन तीनों मॉडर पर 2 साल की वारंटी देगी।

# ट्रंप के टैरिफ ऐलान से ग्लोबल अर्थव्यवस्था में हड़कंप

**- कनाडा ने यूएस के बर्बादी की कर दी भविष्यवाणी**

वॉशिंगटन । अमेरिका के राष्ट्रपति ने हाल ही में टैरिफ का ऐलान कर दुनिया भर में हलचल मचा दी है। इस कदम ने अमेरिकी शेयर बाजारों के साथ दुनियाभर के बाजारों को भी हिला दिया है। ट्रंप का दावा है कि यह कदम देश को 'पहले से कहीं ज्यादा धनी' बनाएगा, लेकिन इसके परिणाम अभी से ही साम्यिका में निगरानी करने योग्य नजर आ रहे हैं। ट्रंप के टैरिफ ने वैश्विक शेयर बाजारों में अफरा-तफरी मचा दी है। भारत समेत एशिया के बाजारों में गिरावट देखी जा रही है जबकि कनाडा के नए प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने टैरिफ को लेकर अमेरिका को चेताया है। चिंता यह है कि यह टैरिफ न केवल कनाडा बल्कि दुनिया के लिए भी दुर्भाग्यपूर्ण साबित हो सकते हैं। इसी क्रम में जिम्बाब्वे ने अमेरिकी आयात पर टैरिफ हटाने का ऐलान कर दिखाया कि वह किसी भी अवस्था में अपने हितों की रक्षा करने के लिए तैयार है। आखिरकार, ट्रंप के उद्देश्य को लेकर दुनिया का विचार और राय भिन्न-भिन्न हैं, जिससे ग्लोबल अर्थव्यवस्था पर भविष्य में कैसा असर पड़ेगा, यह एक महत्वपूर्ण प्रश्न है। कनाडा के नए पीएम मार्क कार्नी ने ट्रंप के टैरिफ को लेकर सख्त चेतावनी दी है! कार्नी ने कहा कि ये टैरिफ कनाडा में रोजगार पर दबाव डालेंगे, लेकिन सबसे ज्यादा नुकसान अमेरिका को ही होगा। कार्नी ने ब्रेक्जिट का उदाहरण देते हुए कहा, मैंने यह सब पहले होते हुए देखा है। अमेरिका कमजोर होने वाला है। ब्रेक्जिट का असर भी बाद में दिखा था। ट्रंप ने हाल ही में मी डिया से बातचीत में कहा था कि टैरिफ से अमेरिका में नौकरियां और निवेश वापस आएंगे। उन्होंने आलोचनाओं को खारिज करते हुए कहा, कभी-कभी कुछ ठीक करने के लिए दवा लेनी पड़ती है। उनके शीर्ष अधिकारियों, जैसे ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेन्ट और कॉमर्स सेक्रेटरी हावर्ड लुटनिक ने भी मंदी की आशंकाओं को नकारते हुए टैरिफ को सही ठहराया। हालांकि, वैश्विक नेताओं और बाजारों की प्रतिक्रिया से साफ है कि यह 'दवा' दुनिया के लिए कड़वी साबित हो रही है।

## सोने में 2,613 रूपए की गिरावट

**नई दिल्ली।** शेयर मार्केट के साथ सोमवार को सोने और चांदी के दाम भी गिर गए। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 2,613 गिरकर 88,401 पर आ गया है। इससे पहले 10 ग्राम सोने की कीमत 91014 थी। एक किलो चांदी की कीमत 4,535 गिरकर 88,375 प्रति किलो हो गई है। इससे पहले चांदी का भाव 92,910 प्रति किलो था। वहीं 28 मार्च को चांदी ने 1,00,934 और 3 अप्रैल को सोने ने 91,205 का ऑल टाइम हाई बनाया था।

## आईडीबीआई बैंक की याचिका खारिज, एनसीएलटी की शानदार जीत

**- एनसीएलटी की दो सदस्यीय पीठ ने मुंबई पीठ द्वारा पारित आदेश को बरकरार रखा**

**नई दिल्ली ।** राष्ट्रीय कंपनी विधि अपील अधिकरण (एनसीएलटी) ने सोमवार को आईडीबीआई बैंक की याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें जी एंटरटेनमेंट के खिलाफ दिवाला कार्यवाही शुरू करने का अनुरोध किया गया था। एनसीएलटी की दो सदस्यीय पीठ ने मुंबई पीठ द्वारा पारित आदेश को बरकरार रखा और आईडीबीआई बैंक को देनदार की याचिका को खारिज करने की स्वतंत्रता प्रदान की। हालांकि, प्राधिकरण ने आईडीबीआई बैंक को दिवाला एवं शोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) की धारा 10ए में उल्लिखित अवधि से परे चूक के लिए नई याचिका दायर करने की स्वतंत्रता भी प्रदान की। इसमें कहा गया है कि कोविड-19 महामारी के बाद आर्थिक गतिविधियां फिर से शुरू होने के बाद सरकार ने कंपनियों की मदद के लिए आईबीसी में विशेष प्रावधान शामिल किया था। इस विवाद में जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज लिमिटेड (जील) और आईडीबीआई बैंक के बीच हो रही उत्पन्नता और भुगतान की चूकों के बारे में बहस है। सीआईआरपी की धारा 10ए के अनुसार, चूक के लिए दिवाला समाधान प्रक्रिया शुरू करने के लिए उससे एक वर्ष की अवधि तक कोई आवेदन दायर नहीं किया जा सकता है। सिटी नेटवर्क्स ने 150 करोड़ रुपये के ऋण के लिए अपनी गारंटी को जील के लिए उधारने में मदद के रूप में प्रदान किया था, लेकिन उन्होंने चूक की है।

# टैरिफ वॉर की आशंका से टूटा बाजार , निवेशकों के 13 लाख करोड़ रुपये डूबे

**सेंसेक्स 2227 अंक गिरा, निफ्टी 22,162 पर पहुंचा**

**मुम्बई ।**

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को भारी गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ट ट्रंप के लगाये टैरिफ के बाद ट्रेड वॉर बढ़ने की आशंकाओं से आई है। इससे दुनिया भर के बाजार टूटे हैं जिसका दबाव भारतीय बाजार पर भी देखा गया।

इसी कारण भारतीय भारतीय बाजार में भी 4 जून, 2024 के बाद की सबसे बड़ी गिरावट देखी गयी। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में सेंसेक्स 2226.79 अंक या 2.95 फीसदी की बड़ी गिरावट लेकर 73,137.90 पर बंद हुआ। इसी तरह नैशनल स्टॉक एक्सचेंज (ह्स्श्व) का निफ्टी भी इंडेक्स अंत में 742.85 अंक तकरीबन 3.24फीसदी नीचे कर 22,161.60 पर बंद हुआ।

बाजार में आई इस गिरावट से निवेशकों को 13 लाख करोड़ का नुकसान हुआ। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का बाजार पूंजीकर गिरकर 3,90,70,081.92 लाख करोड़ रुपये पर आ गया। वहीं इससे पहले शुक्रवार को ये 404,09,600 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों की संपत्ति आज 13,39,519 करोड़ रुपये कम हुई है।

बाजार जानकारों के अनुसार ट्रंप ने जिस प्रकार टैरिफ लगाये हैं उसके जवाब में अन्य देशों ने भी अपने टैरिफ बढ़ा दिये हैं उसका भी प्रभाव बाजार पर आया है। इससे अमेरिका में महंगाई में वृद्धि होने के साथ ही मांग कमजोर होगी और मंदी का खतरा बढ़ेगा। वैश्विक ट्रेड वॉर की आशंका से विदेशी संस्थागत निवेशक लगातार बिकवाली कर रहे हैं जिससे भी बाजार पर दबाव है।

वहीं इससे पहले 4 जून, 2024 को बाजार में लोकसभा चुनावों के परिणामों के बाद बाद भारी गिरावट आई थी और सेंसेक्स 4,389.73 अंक या 5.74 फीसदी की गिरावट के साथ 72,079.05 पर और निफ्टी 1,379.40 अंक या 5.93 फीसदी की गिरावट के साथ 21,884.50 पर बंद हुआ था।

इससे पहले आज सुबह विदेशी निवेशकों की बिकवाली से बाजार में चौतरफा गिरावट रही है। सेंसेक्स 4000 अंक के करीब गिरकर 71,449.94 पर खुला। । इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 भी 1000 अंक से ज्यादा की गिरावट लेकर 21,758.40 पर खुला। वहीं दुनिया भर के बाजारों की बात करें तो दक्षिण कोरिया के बाजारों में भी बड़ी गिरावट रही। कोस्पी इंडेक्स शुरुआती कारोबार में 4.3 फीसदी गिरा, जबकि कोस्डाक 3.4 फीसदी टूटा।

ऑस्ट्रेलिया का एएसएक्स 200 इंडेक्स 6 फीसदी फिसला और यह अब फरवरी के उच्च स्तर से 11 फीसदी गिर चुका है, यानी यह करेक्शन जोन में पहुंच गया है। वहीं अमेरिका में भी निवेशकों का भरोसा डगमगाता नजर आया। डाउ जोंस फ्यूचर्स 979 अंक गिर गया। अमेरिकी शेयर बाजारों में शुक्रवार को जोरदार गिरावट देखने को मिली।

## रुपया गिरावट पर बंद

**मुंबई ।** अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया 35 पैसे की गिरावट के साथ ही 85.79 पर बंद हुआ। रुपये में ये गिरावट वैश्विक व्यापार युद्ध की संभावना की वजह से आई। शुरुआती कारोबार में रुपया 19 पैसे फिसलकर 85.63 प्रति डॉलर पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि वैश्विक बिकवाली के अनुरूप विदेशी पूंजी की लगातार निकासी के बीच कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट और कमजोर अमेरिकी मुद्रा रुपये को समर्थन देने में विफल रही। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 85.79 प्रति डॉलर पर खुला। फिर थोड़ा मजबूत होकर 85.63 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 19 पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.44 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.05 फीसदी की गिरावट के साथ 102.71 पर रहा।

# अमेरिका को भारत के निर्यात में उच्च शुल्क से 5.76 अरब डॉलर गिरावट के आसारः जीटीआरआई

**- प्रमुख उत्पाद समूहों पर 12 से 20 प्रतिशत गिरावट की उम्मीद**

**नई दिल्ली ।**

अमेरिकी शुल्क में वृद्धि के कारण इस वर्ष समुद्री सामान, सोना, इलेक्ट्रिकल, और इलेक्ट्रॉनिक जैसे क्षेत्रों से अमेरिका को भारत के माल निर्यात में 5.76 अरब डॉलर की गिरावट आने के आसार हैं। आर्थिक शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनीशिएटिव (जीटीआरआई) ने ऐसा आकलन किया है। यह गिरावट भारत की प्रतिस्पर्धी स्थिति को नुकसान पहुंचाने के लिए भी जिम्मेदार हो सकती है। अमेरिका ने दवा सेमीकंडक्टर, और कुछ ऊर्जा वस्तुओं को छोड़कर भारतीय वस्तुओं पर नौ अप्रैल से 26 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाने की घोषणा की है। इससे 2025 में भारत से अमेरिका को होने वाले निर्यात में 5.76 अरब अमेरिकी डॉलर या 6.41 प्रतिशत की गिरावट आ सकती है। इससे प्रमुख उत्पाद समूहों में कमी की संभावना जताई गई है। व्यापार और शुल्क अनुसूचियों का विश्लेषण करते हुए, जीटीआरआई ने इस विषय पर महत्वपूर्ण जानकारी प्रस्तुत की है। इस निर्यात गिरावट से मछली, उत्पादों, वाहन, इलेक्ट्रिकल, टेलीकॉम, और इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों में 12 से 20 प्रतिशत की गिरावट की उम्मीद है। इसके अलावा, अन्य श्रेणियों में भी नकारात्मक प्रभाव का खतरा है। जीटीआरआई की रिपोर्ट के अनुसार, यह आकलन नए शुल्क के प्रभाव का संरचित तथा डेटा-आधारित अनुमान प्रस्तुत करता है, लेकिन इसमें कई कारणों की वजह से काफी हद तक सीमित दृष्टिकोण है। इससे भारत के उत्पादों के साथ विशेष रूप से अधिक दर पर परिप्रेक्ष्य में बदलाव हो सकता है।

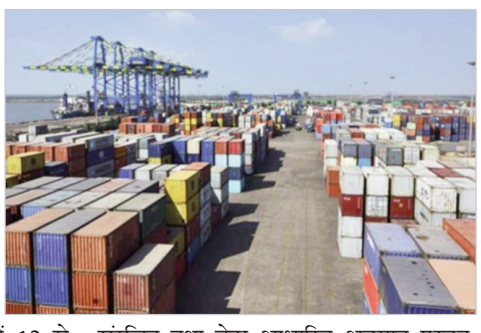

# भारत को टैरिफ युद्ध में प्राप्त हो सकता है महत्वपूर्ण अवसर

**नई दिल्ली ।**

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में लगाए गए टैरिफ को लेकर दुनिया भर के विशेषज्ञों की ध्यान आकर्षित किया है। इन टैरिफ सैंकड़ों देशों को दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के साथ बाजार में जुड़ा देखने का मौका देते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि इस टैरिफ युद्ध में भारत को एक महत्वपूर्ण अवसर प्राप्त हो सकता है। डोनाल्ड ट्रंप ने चीन और वियतनाम को अमेरिकी उत्पादों पर लगाए गए टैरिफ को देखते हुए भारत पर लगाए गए शुल्क को कम किया है। इसके परिणामस्वरूप भारत में बने उत्पादों की अमेरिका में आपूर्ति बढ़ाने की तैयारी शुरू हो गई है। इससे भारत के मैन्युफेक्चिरिंग सेक्टर को नई ऊर्जा मिलेगी और देश को अंतरराष्ट्रीय बाजारों में एक नया पहचान प्राप्त हो सकता है। आधुनिक दुनिया की एक और महत्वपूर्ण खबर है कि दुनिया की सबसे बड़ी इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी ऐपल ने भारत में उत्पादन शुरू किया है और भारत से बने आईफोन को अमेरिका भेजने की तैयारी में है। यह कदम चीन से होने वाले निर्यात में कटौती को कम करने के लक्ष्य के साथ अमेरिकी बाजार में अधिक बढ़ोतरी करने को दर्शाता है। विशेषज्ञों का मानना है कि ऐपल के इस कदम से भारत में आईफोन उत्पादन को और भी प्रोत्साहित किया जा सकता है। अगर ऐपल इस रणनीति को अधिक बढ़ावा देती है, तो देश में नए निवेश के अवसर उत्पन्न हो सकते हैं और भारत की वैश्विक उत्पादन योजनाओं को बढ़वा मिल सकता है। साथ ही, ऐपल के डिस्ट्रीब्यूशन चेनल्स को बढ़ावा देने के लिए और भी बदलाव किए जा रहे हैं। इन बदलावों से भारत के वैश्विक उत्पादन की लक्ष्यों को मजबूती दी जा सकती है और देश में निर्माण क्षमता में भी वृद्धि हो सकती है।

इसी तरह, अमेरिका और चीन के टैरिफ युद्ध में भारत के लिए नए अवसर खुल सकते हैं, जो देश के विनिर्माण सेक्टर को एक नया संकेत दे सकता है। इस समय स्थिति को ध्यान से देखा जा रहा है ताकि भारत इस समय के माहौल में अपने लाभों को सही तरीके से उठाए।

## भारत में मोटर वाहनों की खुदरा बिक्री में छह प्रतिशत की वृद्धि

**- बाजार में ग्रामीण क्षेत्रों का प्रदर्शन शहरी क्षेत्रों की तुलना में बेहतर रहा**

**नई दिल्ली ।**

भारत में वित्त वर्ष 2024-25 में मोटर वाहन की खुदरा बिक्री सालाना आधार पर छह प्रतिशत बढ़कर 2,61,43,943 इकाई हो गई है।

यह जानकारी वाहन डीलरों के एक संगठन ने सोमवार को जारी एक बयान में दी। बाजार में ग्रामीण क्षेत्रों का प्रदर्शन शहरी क्षेत्रों की तुलना में बेहतर रहा। वाहन डीलरों के संगठन के अनुसार, वित्त वर्ष 2024-25 में यात्री वाहनों, दोपहिया और तिपहिया वाहनों की बिक्री में वृद्धि देखी गई है। ग्रामीण बाजारों में दोपहिया वाहनों की बिक्री में आठ प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जो शहरी क्षेत्रों से अधिक है।

इसके साथ ही तिपहिया वाहनों की ग्रामीण बिक्री में नौ प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है। वाइन डीलर संगठन के अध्यक्ष ने बयान में बताया कि मोटर वाहनों के खुदरा क्षेत्र में मजबूती देखने के लिए वित्त वर्ष 2024-25 सरकार के लिए एक सकारात्मक संकेत हो सकता है। वाहनों की बिक्री में ग्रामीण क्षेत्रों में और बढ़ोतरी होने की खबर भविष्य में स्थिरता की ओर इशारा कर सकती है। उन्होंने अपने बयान में कहा कि वित्त वर्ष 2024-25 ने वास्तव में दिखाया कि भारत का मोटर वाहन खुदरा क्षेत्र कितना लचीला हो सकता है, इस वर्ष मुख्य आकर्षण ग्रामीण क्षेत्रों में मजबूत प्रदर्शन रहा। दोपहिया वाहनों के क्षेत्र में ग्रामीण बाजारों में आठ प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जो शहरी क्षेत्रों की वृद्धि से काफी अधिक है। यात्री वाहन क्षेत्र में ग्रामीण बिक्री वृद्धि आठ प्रतिशत जबकि शहरी क्षेत्रों में यह तीन प्रतिशत रही। वित्त वर्ष 2023-24 की तुलना में पिछले वित्त वर्ष में तिपहिया वाहनों की बिक्री पांच प्रतिशत बढ़कर 12,20,981 इकाई हो गई। वहीं वित्त वर्ष 2024-25 में तिपहिया वाहनों की ग्रामीण बिक्री में नौ प्रतिशत की वृद्धि देखी गई, जबकि शहरों में बिक्री में कोई वृद्धि नहीं हुई।

पिछले वित्त वर्ष में वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री मामूली घटकर 10,08,623 इकाई रह गई, जबकि वित्त वर्ष 2023-24 में यह 10,10,324 इकाई थी। वहीं ट्रैक्टर की बिक्री सालाना आधार पर एक प्रतिशत घटकर 8,92,410 इकाई रह गई जबकि वित्त वर्ष 2023-24 में यह 8,83,095 इकाई रही थी।

## हीरो मोटोकॉर्प की नई बाइक करिज्मा 250 जल्द होगी लांच

**नई दिल्ली ।**

हीरो मोटोकॉर्प की नई बाइक करिज्मा 250 जल्द लांच होने वाली है। जानकारी के मुताबिक, कंपनी आने वाले हफ्तों में इसकी बुकिंग और डिलीवरी शुरू कर सकती है। इस बाइक को पहली बार 2024 में इटली के मिलान में हुए ईआईसीएमए मोटर शो में प्रदर्शित किया गया था और फिर जनवरी 2025 में भारत मोबिलिटी शो में इसे पेश किया गया। माना जा रहा है कि इस नई बाइक के लॉन्च के साथ हीरो मोटोकॉर्प अपनी मौजूदा करिज्मा एक्सएमआर 210 को बंद कर सकती है, क्योंकि यह बाजार में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रही थी।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, पिछले तीन महीनों में इसकी बिक्री शून्य रही है। हीरो करिज्मा 250 में 250सीसी का सिंगल-सिलेंडर, लिक्विड-कूल्ड डीओएचसी इंजन दिया गया है, जो 9,250 आरपीएम पर 29.5बीएचपी की पावर और 7,250आरपीएम पर 25 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है। इस इंजन को कंपनी के मौजूदा 210सीसी इंजन से लिया गया है, लेकिन इसमें स्ट्रोक लंबाई को 7एमएम बढ़ाया गया है। बाइक में 6-स्पीड गियरबॉक्स दिया गया है, जो स्लिप और असिस्ट क्लच के साथ आएगा। यह बाइक 0 से 60 किमी प्रति घंटा की स्पीड सिर्फ 3.25 सेकंड में पकड़ने में सक्षम होगी। भारतीय बाजार में इसका मुकाबला केटीएम आरसी 200, यामाहा आर15 और सुजुकी जिक्सर SF 250 से होगा। डिजाइन के मामले में यह अपने पुराने मॉडल की तुलना में अधिक आकर्षक और मॉडर्न होगी। इसमें टीएफटी डिस्प्ले, स्विचेबल एबीएस मोड्स, यूएसडी फोर्क और एडजस्टेबल क्लिप-ऑन हैंडलबार दिए गए हैं। बाइक में नए एग्जॉस्ट मफलर, कोणीय टैंक एक्सटेंशन्स और स्टेप्ड-अप पिलियन पर्च भी देखने को मिलेंगे।

# देश के कई राज्यों में सस्ता हुआ पेट्रोल-डीजल, बिहार में बढ़े भाव

**- ब्रेंट क्रूड का भाव करीब ढाई डॉलर टूटकर 63.33 डॉलर प्रति बैरल हुआ**

**नई दिल्ली ।**

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ वॉर से कच्चे तेल की कीमत में वै श्विक बाजार में बड़ी गिरावट देखी गई है। इसका असर घरेलू बाजार में पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतों पर भी दिखा और सोमवार को सरकारी तेल कंपनियों ने कई शहरों में तेल के दाम घटा दिए हैं। यूपी, हरियाणा सहित कई राज्यों में सोमवार को तेल सस्ता हुआ है, जबकि बिहार में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में उछाल दिख रहा है। सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार, यूपी की राजधानी लखनऊ में पेट्रोल 11 पैसे सस्ता होकर 94.58 रुपये लीटर बिक रहा है. डीजल भी 13 पैसे गिरा और 87.68 रुपये लीटर पहुंच गया है. हरियाणा की राजधानी गुरुग्राम में पेट्रोल 21 पैसे गिरकर 94.96 रुपये और डीजल 20 पैसे टूटकर 87.82 रुपये लीटर हो गया है। बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल 51 पैसे बढ़त के साथ 106.11 रुपये लीटर हो गया तो डीजल 49 पैसे महंगा होकर 92.92 रुपये लीटर बिक रहा है। कच्चे तेल में बड़ी गिरावट दिख रही है। ब्रेंट क्रूड का भाव करीब ढाई डॉलर टूटकर 63.33 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है। डब्ल्यूटीआई भी बड़ी गिरावट के साथ 59.81 डॉलर प्रति बैरल हो गया है। वहीं दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये और डीजल 89.97 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 100.76 रुपये और डीजल 92.35 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपये और डीजल 91.76 रुपये प्रति लीटर है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

# सीएसके पर जीत के इरादे से उतरेगी पंजाब

**मुल्लांपुर (एजेंसी)।** पंजाब किंग्स की टीम मंगलवार को यहां अपने घरेलू मैदान पर चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी। पंजाब ने इस सत्र में शुरुआती दोनो ही मैच जीते थे पर तीसरे मैच में उसे हार का सामना करना पड़ा। उसके बाद टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर ने कहा कि इससे टीम के खिलाड़ियों को जाग जाना चाहिये। इससे माना जा रहा है कि इस मैच में पंजाब जीत के लिए कोई कसर नहीं रखेगी। उसे घरेलू हालातों का भी लाभ मिल सकता है। श्रेयस अच्छे फार्म में हैं जिसका लाभ भी उसे मिलेगा। उसके बल्लेबाज जमकर रन बना रहे हैं। इसके अलावा उसके गेंदबाजों का प्रदर्शन भी अच्छा रहा है। टीम के पास ग्लेन मैक्सवैल जैसा ऑलराउंर है।

इस प्रकार देखा जाये तो पंजाब का पलड़ा भारी नजर आता है। वहीं दूसरी ओर सीएसके की टीम के लिए ये सत्र अच्छा नहीं रहा है और उसे अब तक एक ही मैच में जीत मिली है। टीम की बल्लेबाजी और गेंदबाजी अच्छी नहीं रही है। अनुभवी बल्लेबाज महेंद्र सिंह धोनी भी अब पहले जैसे फिनिशर नहीं रहे हैं और इसका नुकसान टीम को उठाना पड़ रहा है। इसी कारण टीम लक्ष्य का पीछा करते हुए लगातार तीन मैचों में हारी है।

सीएकसके की टीम को सही संयोजन भी तलाशना होगा। सीएसके के पास अब लक्ष्य का पीछा करते हुए निचले क्रम पर फिनिशर के तौर पर केवल शिवम दुबे ही बचे हैं। ऐसे में विपक्षी टीम अगर 180 से अधिक रन बना लेती है तो सीएसके लिए उसका पीछा करना भी कठिन हो जाता है। इसका कारण है कि शिवम आक्रामक बल्लेबाजी तो करते हैं पर वह कई मैचों में असफल भी रहे हैं।

धोनी के खराब प्रदर्शन के कारण सुपरकिंग्स की परेशानी इसलिए भी बढ़ी है कयोंकि उसका शीर्ष क्रम रन नहीं बना पा रहा है। इसी कारण कप्तान रुतुराज गायकवाड़ को सलामी बल्लेबाज की जगह मध्यक्रम में उतरना पड़ रहा है। पंजाब किंग्स से मुकाबला इसलिए भी मुश्किल हैं क्योंकि पंजाब के पास स्पिनर युजवेंद्र चहल हैं जिनका समाना करना सीएसके के बल्लेबाजों के लिए आसान नहीं होगा।

## दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

**चेन्नई सुपरकिंग्स** = रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), महेंद्र सिंह धोनी, रविंद्र जडेजा, शिवम दुबे, मथीशा पथिराना, नूर अहमद, रविचंद्रन अश्विन, डेवोन कॉनवे, सैयद खलील अहमद, रचिन रविंद्र, राहुल त्रिपाठी, विजय शंकर, सैम कुरेन, शेख राशिद, अंशुल कंबोज, मुकेश चौधरी, दीपक हुड्डा, गुरजनप्रीत सिंह, नाथन एलिस, जेमी ओवरटन, कमलेश नागरकोटी, रामकृष्णन घोष, श्रेयस गोपाल, वंश बेदी और आद्रे सिद्दार्थ।

**पंजाब किंग्स** = श्रेयस अय्यर (कप्तान), युजवेंद्र चहल, अर्शदीप सिंह, मार्कस स्टोइनिस, निहाल वढेरा, ग्लेन मैक्सवेल, विशाक विजयकुमार, यश ठाकुर, हरप्रीत बरार, विष्णु विनोद, मार्को यानसेन, लॉकी फर्ग्युसन, जोश इंगलिस, जेवियर बार्टलेट, कुलदीप सेन, पायला अविनाश, सूर्यांश शेडगे, मुशीर खान, हरनूर पन्नू, आरोन हार्डी, प्रियांश आर्य और अजमतुल्लाह उमरजई।

# आईपीएल के इस सत्र में अब तक फ्लाप रहे हैं ऋषभ

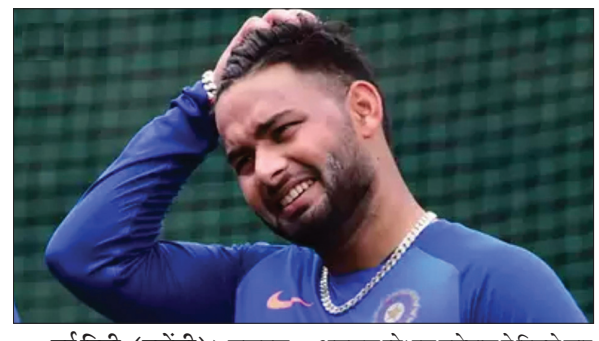

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** लखनऊ सुपरजायंट्स के कप्तान और आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी ऋषभ पंत अभी तक इस सत्र में फ्लाप रहे हैं। ऋषभ ने अब तक खेले चार मैचों में केवल 19 रन बनाये हैं। ऋषभ से जहां प्रशंसकों को चौके और छक्कों की उम्मीद थी। वहीं वह अब तक के मैचों में एक ही छक्का लगा पाये हैं। इससे प्रशंसकों में निराशा है। बल्लेबाजी के अलावा कप्तानी में भी वह विफल रहे हैं। इसी कारण सुपरजायंट्स को अब तक चार में से दो मैचों में हार का सामना करना पड़ा है जिससे वह अंक तालिक में पहले पांच में भी नहीं हैं।

ऐसे में ऋषभ अब सबसे निशाने पर हैं। सुपर जायंट्स ने उन्हें नीलामी में 27 करोड़ में खरीदा और टीम का नेतृत्व करने की जिम्मेदारी भी सौंपी पर। पर वह असफल रहे। इस बल्लेबाज ने पिछले चार मैचों में कुल 19 रन बनाए हैं। उनका सबसे अधिक स्कोर 15 रन रहा है। उन्होंने ने अब तक चार मैचों में कुल 32 गेंदों का सामना किया। इस दौरान वह एक ही छक्का लगा पाये हैं। आंकड़ों से आप पंत की बल्लेबाजी को समझिए। अपनी पुरानी टीम दिल्ली कैपिटल्स के सामने वह खाता भी नहीं खोल पाये थे। वहीं इसके बाद सनराइजर्स हैदराबाद के सामने 15 रन ही बना पाये। पंजाब किंग्स के सामने वह दो रन ही बना पाये। मुंबई इंडियंस के खिलाफ खेले गए मैच में भी वह दो रन बनाकर पवेलियन लौटे। उनकी बल्लेबाजी नहीं चलने से लखनऊ सुपर जायंट्स का मध्य क्रम दबाव में बिखर रहा है केवल निकोलस पूरन और मिशेल मार्श ही अब तक रन बना पाये हैं।

# क्लार्क ने यशस्वी और सैमसन की जोड़ी को शानदार बताया

**मुंबई (एजेंसी)।** ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क ने आइपीएल टीम राजस्थान रॉयल्स के बल्लेबाजों यशस्वी जायसवाल और संजू सैमसन की जोड़ी की जमकर प्रशंसा की है। क्लार्क ने कहा है कि ये दोनो किसी भी मैच को पलट सकते हैं। क्लार्क ने कहा, 'जायसवाल शुरुआती मैच में असफल होने के कारण पंजाब के खिलाफ बल्लेबाजी के दौरान ज्यादा सतर्क थे। कुछ अच्छे शॉट्स लगाने से उनका मनोबल बढ़ा जिससे टीम तेजी से आगे बढ़ी। वह मैदान के चारों ओर शॉट मारता है। उसे लेग साइड पसंद है, लेकिन कीपर के ऊपर से ऊपर की ओर शॉट मारना और उसका कवर ड्राइव उसके पास सभी शॉट हैं। अगर वह शुरुआत में संयम से खेले और कुछ गेंदें और पहले ओवर में जमीनी शॉट लगाये तो विरोधी टीम के लिए काफी मुश्किलें पैदा कर सकता है।

उन्होने कहा, 'राजस्थान रॉयल्स पहले से अलग टीम नजर आयी है। उसकी सलामी जोड़ी विस्फोटक है। उसके बल्लेबाज काफी अच्छे हैं। वहीं भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाज संजय मांजरेकर ने युवा रियान पराग की जमकर प्रशंसा की ओर कहा, 'मुझे वाकई लगता है कि राजस्थान रॉयल्स के लिए पंजाब के खिलाफ मैच में रियान पराग की पारी काफी अहम थी। ये सही है कि उन्हें यशस्वी ने उन्हें अच्छी शुरुआत दी पर बाद में पराग ने स्कोर आगे बढ़ाया। वह जानते हैं और भरोसा करते हैं कि धीमी शुरुआत की भरपाई किस प्रकार की जा सकती है। पहली 13 गेंदों में उनका स्ट्राइक रेट 100 से थोड़ा ज़्यादा था। अगली 13-14 गेंदों में यह 200 के करीब था। उस पारी ने राजस्थान रॉयल्स को काफी अच्छी स्थिति में पहुंचा दिया। इसके बाद रही सही कसर गेंदबाजी में तीन विकेट लेकर जोफ्रा आर्चर ने पूरी कर दी।

# केकेआर और सुपर जाइंट्स की भिड़ंत में नरायाण और राठी होंगे आमने-सामने

**कोलकाता (एजेंसी)।** कोलकाता नाइट राइडर्स और लखनऊ सुपर जाइंट्स इंडियन प्रीमियर लीग के दोपहर के मैच में मंगलवार को जब यहां आमने-आमने होंगे तो यह सुनील नरेन और उनकी तरह गेंदबाजी करने वाले तथा उनके सबसे बड़े प्रशंसक में से एक दिग्वेश राठी के बीच का मुकाबला भी होगा। दोनों टीम के अब तक दो-दो जीत से चार-चार अंक हैं।

केकेआर के लिए मौजूदा सत्र अब तक मिश्रित परिणाम वाला रहा है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और मुंबई इंडियन्स के खिलाफ हार के बाद केकेआर ने अपने पिछले मैच में शानदार वापसी करते हुए सनराइजर्स हैदराबाद पर आसान जीत दर्ज की और इस दौरान उसके मध्य क्रम ने भी उपयोगी योगदान दिया जो पिछले कुछ मैच में प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहा था। टीम के सबसे महंगे खिलाड़ी वेंकटेश अय्यर ने अंततः अच्छा प्रदर्शन किया जबकि रिंकू सिंह और अनुभवी अजिंक्य रहाणे ने भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। युवा अंगकृष रघुवंशी ने भी प्रभावित किया।

नाइट राइडर्स के लिए हालांकि सलामी जोड़ी चिंता का विषय बनी हुई है। क्विंटन डिकॉक और सुनील नारायण पिछले सत्र में फिल सॉल्ट की तरह टीम को आक्रामक शुरुआत देने में नाकाम रहे हैं। मौजूदा सत्र में इस जोड़ी की सर्वोच्च साझेदारी 44 रन की रही है जबकि अन्य मुकाबलों में सलामी बल्लेबाजों ने चार, एक और 14 रन की साझेदारी की। च्यक्रको पता है कि नारायण की अहमियत सिर्फ रन बनाने तक ही सीमित नहीं है। नारायण और राठी के विपरीत खेमे में होने के कारण यह देखना दिलचस्प होगा कि कौन दूसरे पर भारी पड़ता है।

दिल्ली प्रीमियर लीग में शानदार प्रदर्शन से ध्यान खींचने वाले राठी अब उस खिलाड़ी के खिलाफ खेलेंगे जिसने उनके क्रिकेट के सपने को आकार दिया। इमरान ताहिर जैसा हेयरस्टाइल, नारायण जैसा गेंदबाजी एक्शन और केसरिक विलियम्स जैसा जश्न मनाने का तरीका, राठी अपने स्टाइल और कौशल से आईपीएल 2025 की सबसे आकर्षक कहानियों में से एक बन गए हैं।

शुक्रवार की रात को मुंबई इंडियन्स के खिलाफ इकाना में जब सुपरजाइंट्स के अन्य गेंदबाजों से 10 से अधिक रन प्रति ओवर की दर से रन दिए तो वहीं राठी ने चार ओवर में 21 रन देकर एक विकेट चटकाया। उन्होंने अब तक चार मैच में 7.62 के प्रभावशाली इकोनॉमी रेट से छह विकेट चटकाए हैं और केवल एक बार मैच में 8 रन प्रति ओवर से अधिक की दर से रन दिए हैं।

राठी की गेंदबाजी असाधारण रही है लेकिन मैदान पर उनके जश्न मनाने के तरीके ने विवाद खड़ा कर दिया है। उन पर पहले ही दो बार जुर्माना लगाया जा चुका है - एक बार पंजाब किंग्स के बल्लेबाज प्रियांश आर्य के साथ शारीरिक संपर्क के लिए और फिर मुंबई के खिलाफ जश्न मनाने के लिए। राठी के नाम पर अब तीन डिमेरिट अंक हैं और अगर उन्हें एक और डिमेरिट अंक मिलता है तो उन पर एक मैच का प्रतिबंध लग जाएगा।

लखनऊ की टीम इस मुकाबले में मुंबई के खिलाफ अपने घरेलू मैदान पर 12 रन की जीत के बाद बढ़े हुए आत्मविश्वास के साथ उतरेगी। मिचेल मार्श शीर्ष क्रम पर प्रभावी प्रदर्शन कर रहे हैं जबकि एडेन मारक्रम ने सत्र की धीमी शुरुआत के बाद मुंबई के खिलाफ अर्धशतक के साथ फॉर्म में वापसी की है। हालांकि आईपीएल में अब तक खराब प्रदर्शन के कारण ऋषभ पंत को प्रशंसकों और विशेषज्ञों से आलोचना का सामना करना पड़ा है।

रिकॉर्ड 27 करोड़ रुपये में खरीदे गए सुपर जाइंट्स के कप्तान पर दबाव बढ़ता जा रहा है, विशेषकर टीम के मालिक संजीव गोयनका के साथ जो खेल में अपनी भावुक भागीदारी के लिए जाने जाते हैं। पिछले सत्र में लोकेश राहुल के साथ 'बहस% के बाद, यह देखना बाकी है कि अगर पंत का खराब फॉर्म जारी रहता है तो गोयनका का धैर्य कब तक बरकरार रहता है।

**टीमें : कोलकाता नाइट राइडर्स :** क्विंटन डिकॉक, सुनील नाराण, अजिंक्य रहाणे (कप्तान), अंगकृष रघुवंशी, वेंकटेश अय्यर, रिंकू सिंह, मनीष पांडे, आद्रे रसेल, रमनदीप सिंह, हर्षित राणा, स्पेंसर जॉनसन, वरुण चक्रवर्ती, एनरिक नोर्किया, वैभव अरोड़ा, अनुकूल रॉय, लवनिथ सिसोदिया, मोईन अली, रोवमैन पॉवेल, मयंक मारकंडे, रहमानुल्लाह गुरबाज और चेतन सकारिया।

**लखनऊ सुपर जाइंट्स :** ऋषभ पंत (कप्तान), अब्दुल समद, आकाश दीप, आकाश सिंह, आवेश खान, आयुष बडोनी, मैथ्यू ब्रीट्जके, युवराज चौधरी, राजवर्धन हांगरगेकर, हिम्मत सिंह, शमर जोसेफ, आर्यन जुयाल, अर्शिन कुलकर्णी, एडेन मारक्रम, मिचेल मार्श, डेविड मिलर, निकोलस पूरन, प्रिंस यादव, दिग्वेश राठी, रवि बिश्नोई, शाहबाज अहमद, मणिमारन सिद्धार्थ, शारदुल ठाकुर और मयंक यादव।

## शुभमन ऑरेंज कैप की दौड़ में शीर्ष दस में पहुंचे

मुम्बई। गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैच के बाद सबसे अधिक रनों के लिए मिलने वाली ऑरेंज कैप की दौड़ में शीर्ष दस में पहुंच गये हैं। शुभमन ने हैदराबाद के खिलाफ मुकाबले में 61 रन बनाये थे। उनके अब चार मैचों में 146 रन हो गए हैं और वह 9वें स्थान पर हैं। वहीं गेंदबाजी की बात करें तो मोहम्मद सिराज भी हैदराबाद के खिलाफ 4 विकेट लेकर पर्पल कैप के दावेदार बन गये हैं। वहीं इस मैच में गुजरात टाइटंस के सलामी बल्लेबाज साई किशोर के पास ओरेंज कैप की सूची में शीर्ष पर आने का अवसर था लेकिन वह हैदराबाद के खिलाफ अधिक रन नहीं बना पाये। साई केवल 5 रन ही बना पाये। पूरन के चार मैचों में 201 जबकि सुदर्शन के 191 रन हैं और वह दूसरे नंबरर पर हैं। वहीं 184 रन बनाकर मिशेल मार्श तीसरे नंबर पर हैं। वहीं सिराज सबसे अधिक विकेट के लिए मिलने वाली पर्पल कैप की रेस में दूसरे नंबर पर पहुंच गये हैं। उनके चार मैचों में कुल 8 विकेट हैं। वहीं चेन्नई सुपर किंग्स के नूर अहमद चार मैचों में 10 विकेट लेकर पहले नंबर पर हैं। तीसरे नंबर पर मिचेल स्टार्क हैं। स्टार्क ने भी चार मैचों में 9 विकेट लिए हैं।

# आईपीएल के शुरुआती सत्र में पाक क्रिकेटर ने जीती थी पर्पल कैप

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की आजकल धूम है और इसमें दुनिया भर के क्रिकेटर नजर आ रहे है हालांकि पाकिस्तान के खिलाड़यों को इसमें शामिल नहीं किया जाता पर साल 2008 में हुए सत्र में पाक खिलाड़ियों को भी इसमें खेलने का अवसर मिला था। तब पाक के एक खिलाड़ी सोहेल तनवीर ने शेन वार्न की कप्तानी में राजस्थान रॉयल्स की ओर से शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी टीम को जीत दिलायी थी। तनवी को तब रॉयल्स ने 40.16 लाख रुपए रुपये में खरीदा था। इस गेंदबाज को सबसे अधिक विकेट के लिए पर्पल कैप भी मिली थी। इस गेंदबाज ने तब 11 मैचों में कुल 22 विकेट लिए थे। उनके इस शानदार प्रदर्शन से राजस्थान टीम टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंची थी। फाइनल में भी तनवीर ने 1 विकेट लेकर टीम की सीएसके पर जीत में अहम भूमिका निभाई थी। तनवीर को राजस्थान ने नीलामी में साल 2008 में खरीदा था। तब वह 40.16 लाख रुपए में राजस्थान की टीम में शामिल हुए थे। सोहेल ने पहले ही सत्र में ही सबसे अधिक विकेट लेकर पर्पल कैप जीती थी। उन्होंने 11 मैचों में सबसे अधिक 22 विकेट लिए थे। इस कारण उन्हें 10 लाख रुपए की इनामी राशि भी मिली थ। इस सत्र में बाद सोहेल सहित पाक खिलाड़ी इसलिए नहीं खेल पाये क्योंकि मुम्बई हमले के बाद भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने पाक खिलाड़ियों पर प्रतिबंध लगा दिया था। सोहेल ने पाक की ओर से 2 टेस्ट, 62 एकदिवसीय और कुल 57 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं।

# मेरे पास यह तय करने के लिए 10 महीने हैं कि... : संन्यास पर बोले धोनी

**नयी दिल्ली (एजेंसी)।** पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी इंडियन प्रीमियर लीग में अपने भविष्य को लेकर बढ़ती अटकलबाजी से दूर रहे और कहा कि उनके करियर को खत्म करने का फैसला इस बात पर निर्भर करता है कि उनका शरीर शीर्ष स्तर के क्रिकेट की मांग पर कैसे प्रतिक्रिया देता है और उनके पास यह फैसला करने के लिए '10 महीने' हैं।

मौजूदा आईपीएल में धोनी उस तरह का प्रभाव नहीं डाल पाए हैं जैसा कि वे आमतौर पर निचले मध्य क्रम में बल्लेबाजी करते हुए डालते हैं। शॉट में टाइमिंग की कमी और प्रभावहीनता चार मैच में उनके द्वारा बनाए गए 76 रन के दौरान साफ नजर आई जिसके बाद विशेषज्ञों ने कप्तान के रूप में दो विश्व कप जीतने वाले धोनी को आगे बढ़ने की सलाह दी। हाल ही में उद्यमी राज शमानी के पॉडकास्ट पर धोनी ने कहा, 'मैं अब भी आईपीएल खेल रहा हूं और मैं एक बार में एक साल पर ध्यान दे रहा हूं। मैं अभी 43 साल का हूं और इस आईपीएल सत्र के अंत तक मैं 44 साल का हो जाऊंगा।'

उन्होंने कहा, 'इसलिए मेरे पास यह तय करने के लिए 10 महीने हैं कि मैं एक और साल खेलना चाहता हूं या नहीं और यह मुझे तय नहीं करना है क्योंकि यह मेरा शरीर तय करता है कि मैं खेल सकता हूं या नहीं।' हालांकि टीम को पांच आईपीएल खिताब दिलाने वाले चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व कप्तान ने कहा कि वह मैदान पर अपनी उपलब्धियों से काफी संतुष्ट हैं। धोनी ने कहा, 'यह इस बारे में नहीं है कि मैं खुश हूं या दुखी। जो कुछ भी हुआ है वह हो चुका है। इसे बदला नहीं जा सकता। यह सब कुछ स्वीकार करने के बारे में है। चाहे कुछ भी हो मैं अपने अंतरराष्ट्रीय रन में एक और रन नहीं जोड़ पाऊंगा और कोई भी उन्हें कम नहीं कर पाएगा।'

धोनी हमेशा वर्तमान को देखने वाले व्यक्ति रहे हैं लेकिन उन्होंने एक बार फिर सचिन तेंदुलकर, सौरव गांगुली, वीरेंद्र सहवाग और युवराज सिंह जैसे दिग्गजों को एक ही टीम में देखने की इच्छा जताई। उन्होंने कहा, 'मैं भारतीय खिलाड़ियों पर ही बात करूंगा। वीरू पा (सहवाग) पारी की शुरुआत करेंगे, सचिन, दादा (गांगुली)... और अब आप कल्पना करें कि हर कोई अपने चरम पर है। तब आपको लगेगा कि उनसे बेहतर कोई नहीं हो सकता' धोनी ने कहा, 'सर्वकालिक एकादश चुनना कठिन है। जब आप युवी को छह छक्के लगाते हुए देखते हैं तो आपको लगेगा कि मैं किसी अन्य बल्लेबाज को नहीं देखना चाहता। यह सब भारत के लिए उन्होंने जो किया है उसका लुत्फ उठाने के बारे में है। हमने जो प्रतिभाएं देखी हैं उनमें से कुछ बेजोड़ हैं।'

# क्लासिक भाला फेंक इवेंट में खेलते नजर आयेंगे नीरज

पंचकूला। ओलंपिक पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा अगले माह हरियाणा के पंचकूला में एक घरेलू टूर्नामेंट में भाग लेंगे। नीरज यहां 24 मई को क्लासिक भाला फेंक इवेंट में शामिल होंगे। इसी के साथ ही नीरज एक साल से भी अधिक समय के बाद किसी घरेलू टूर्नामेंट में भारतीय टीम की ओर से खेलते हुए दिखेंगे। इससे पहले घरेलू मैदान पर अंतिम बार वह मई 2024 में भुवनेश्वर में फेडरेशन कप में उतरे थे। अब 374 दिनों के बाद नीरज भारत में प्रतिस्पर्धा करते दिखेंगे। इससे पहले अंतिम बार वह मई 2024 में भुवनेश्वर में फेडरेशन कप में उतरे थे। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) के अध्यक्ष बहादुर सिंह सागू ने कहा कि नीरज चोपड़ा के अलावा इस क्लासिक इवेंट में विश्व के कई अन्य टॉप भाला फेंक खिलाड़ी शामिल होंगे। इस प्रतियोगिता की तैयारियों अभी जारी है। नीरज टोक्यो ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता है हालांकि पेरिस ओलंपिक में वह रजत पदक ही जीत पाये थे। विश्व चैम्पियनशिप सही कई और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में वह नंबर एक स्थान पर रहे हैं। सागू ने कहा कि इस टूर्नामेंट से सभी को अंदाज हो जाएगा कि भारत एथलेटिक्स के क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है। सागू ने कहा, 'यह टूर्नामेंट उसी स्थान पर हो रहा है जहां नीरज ने अपने जूनियर शिविर का अधिकांश समय बिताया था। नीरज की भागीदारी के साथ देश में इस टूर्नामेंट की मेजबानी करना खुशी की बात है। नीरज ने इसी स्टेडिया में शुरुआत की थी। इसके बाद वह दोहा डायमंड लीग में खेलेंगे।

# गुजरात की टीम अंकतालिका में दूसरे नंबर पर पहुंची, सनराइजर्स अंतिम स्थान पर खिसकी

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** शुभमन गिल की कप्तानी वाली गुजराज टाइटंस की टीम ने सनराइजर्स हैदराबाद को सात विकेट से हराकर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) अंक तालिका में लंबी छलांग लगायी है। वहीं सनराइजर्स की टीम लगातार चौथी हार के साथ ही अंकतालिका में सबसे नीचे दसवें पायदान पर खिसक गयी है। गुजरात का प्रदर्शन अब तक अच्छा रहा है और उसे 4 में से 3 मैचों में जीत मिली है। इससे 6 अंकों के साथ गुजरात अंक तालिका में दूसरे नंबर पर पहुंच गयी है। वहीं पहले नंबर पर अक्षर पटेल की कप्तानी में दिल्ली कैपिटल्स की टीम है। कैपिटल्स ने अपने सभी तीन मैच जीते और उसके 6 अंक हैं पर वह रन रेट में गुजरात से आगे है। वहीं सनराइजर्स ने इस सत्र की शुरुआतजीत के साथ की थी पर इसके बाद उसे लगातार हार का सामना करना पड़ा है। उसके केवल 2 अंक हैं।

सनराइजर्स के खिलाफ मुकाबले में सिराज ने गुजरात की जीत में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने 4 ओवर में केवल 17 रन देकर 4 विकेट लिए। गुजरात के खिलाफ मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करने उतरी हैदराबाद की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने पहले ही ओवर में ट्रेविस हेड केवल 8 रन बनाकर सिराज का शिकार बने।. इसके बाद 5वें ही ओवर में अभिषेक शर्मा भी 18 रन बनाकर पेवेलियन लौट गये। बल्लेबाज ईशान किशन से आज बड़ी पारी की उम्मीद थी पर वो भी केवल 17 रन बनाकर ही आउट हो गये। हेनरिक क्लासेन और नीतीश रेड्डी भी रन बनाने में विफल रहे। कप्तान पैट कमिंस ने कुछ अच्छे शॉट खेलकर टीम को 8 विकेट पर 152 रनों तक पहुंचाया। इसके बाद जीत के लिए मिले 153 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए गुजरात की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसके शुरुआती बल्लेबाज भी असफल् रहे लेकिन वॉशिंगटन सुंदर और शुभमन के बीच हुई साझेदारी से टीम ने मैच अपने नाम कर लिया।

## अगले माह टेनिस कोट में वापसी करेंगे सिनर

लंदन। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर अब पांच मई से एक बार फिर टेनिस कोर्ट पर खेलते नजर आयेंगे। सिनर सभी ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट खेल पाएंगे और उन्होंने विश्व में जो नंबर एक रैंकिंग हासिल की थी वह भी पहले की तरह ही रहेगी। सिनर को गत वर्ष मई में प्रतिबंधित एनाबॉलिक स्टेरॉयड के सेवन का दोषी पाया गया था जिसके बाद से ही वह निलंबित चल रहे थे पर इसके बाद उनका उनका विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) से समझौता हो गया था। इससे बाद उन्हें केवल तीन माह ही निलंबन में और गुजारने थे। ये निलंबर इसी माह समाप्त हो जाएगा। इस दौरान उनके जीते खिताब ओर ईनामी राशि भी वापस नहीं ली जाएगी। उनको इस प्राकर की सुविधा मिलने से काफी विवाद भी उठा था। वहीं विश्व के कई दिग्गज टेनिस खिलाड़ियों ने नाराजगी भी जतायी थी। इन खिलाड़ियों का का मानना है कि डोपिंग मामले में इस प्रकार का समझौता सही नहीं है। इससे खेलों में डापिंग को बढ़ावा मिलेगा। वहीं जो खिलाड़ी इस प्रकार के कामों में लिप्त नहीं होते उन्हें ये अपने साथ धोखा लगेगा क्योंकि डोपिंग में लिप्त खिलाड़ी भी उन्हीं के बराबर में आ जाएंगे। ऐसे में लोग सभी को समान मानेंगे। इसी को लेकर तीन बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन स्विटजरलैंड के स्टैन वावरिंका ने सोशल मीडिया में लिखा, 'खेल में पारदर्शिता नहीं रहेगी।वहीं विंबलडन उपविजेता निक किर्गियोस ने कहा, 'टेनिस में अब निष्पक्षता पर सवाल उठे। सिनर की टीम ने केवल तीन महीने का प्रतिबंध लगाने के लिए अपनी तरफ से पूरी शक्ति लगा दी। उन्हें स्टार खिलाड़ी होने का लाभ मिला जो गलत तरीका है। वहीं दानिल मेदवेदेव ने कहा कि अब हर कोई डोपिंग में लिप्त होने के बाद इसी प्रकार से समझौते करेगा।

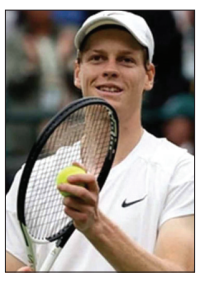

# आईपीएल में 100 विकेट पूरे करने के बाद सिराज ने दिया पहला बयान, वर्तमान पर ध्यान देना चाहता हूं

**हैदराबाद (एजेंसी)।** अपनी खोई हुई लय को फिर से हासिल करने वाले मोहम्मद सिराज इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के मौजूदा संस्करण में 'वर्तमान पर ध्यान देना और अपनी गेंदबाजी का 'आनंद लेना' चाहते हैं। सिराज को मेगा नीलामी में गुजरात टाइटन्स ने 12.25 करोड़ रुपए की भारी भरकम रकम में खरीदा था और वह फ्रेंचाइजी की उम्मीदों पर खरे उतर रहे हैं।

आदर्श शुरुआत ना होने और पंजाब किंग्स के खिलाफ अभियान के पहले मैच में 54 रन लुटाए थे और कोई विकेट नहीं लिया था। हालांकि एक बुरे सपने जैसी शुरुआत के बाद सिराज ने अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाया, अपनी तेज गति से गति को बढ़ाया और पारी के सभी चरणों में आसानी से विकेट चटकाए। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ अपने गृहनगर में वापसी करते हुए सिराज ने मैदान पर धूम मचा दी और 100 आईपीएल विकेट लेने के साथ ही टी20 प्रारूप में अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ आंकड़े दर्ज किए।

आईपीएल द्वारा पोस्ट किए गए एक वीडियो में जीटी कप्तान शुभमन गिल के साथ एक स्पष्ट बातचीत में सिराज ने कहा, 'हर दिन, मैं कुछ नया सीखना चाहता हूं। मैं वर्तमान पर ध्यान केंद्रित करना चाहता हूं और अपनी गेंदबाजी का आनंद लेना चाहता हूं।'

सिराज ने रात का अंत 4/17 के आंकड़े के साथ किया जो टी20 में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था और उन्होंने कैश-रिच लीग में 100 विकेट का आंकड़ा पार किया। उनकी रात खास हो गई क्योंकि 31 वर्षीय खिलाड़ी का परिवार 'मियां मैजिक' को पहली बार देखने के लिए कार्यक्रम स्थल पर मौजूद था। सिराज ने कहा, 'जब आप अपने दोस्तों और परिवार के सामने प्रदर्शन करते हैं तो आप उस भावना को शब्दों में बयां नहीं कर सकते। वे केवल एक ही स्थान पर आते हैं, और मैं अभी उस भावना को शब्दों में बयां नहीं कर सकता।'

सिराज के शानदार विकेट पूल में अभिषेक शर्मा, ट्रैविस हेड, अनिकेत वर्मा और सिमरजीत सिंह शामिल थे। उनके अथक स्पेल ने हैदराबाद को 152/8 के औसत स्कोर पर रोक दिया, जिसे जीटी ने बिना किसी परेशानी के हासिल कर लिया और गिल के नाबाद 61 रनों की बदौलत सात विकेट से जीत दर्ज की।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

# समर वेडिंग के लिए परफेक्ट हैं फ्लोरल लहंगे

**गर्मी** का मौसम शुरु हो गया है। इस मौसम में अगर आपको किसी शादी में जाना हो तो सबसे पहले मन में यही ख्याल आता है कि इतनी गर्मी में डीप कलर के हेवी लहंगे या साड़ियां पहनी कैसे जाएंगी। तो आपकी इस समस्या का हल है फ्लोरल लहंगे। लाइट और ब्राइट कलर्स के फ्लोरल लहंगे समर वेडिंग के लिए परफेक्ट चॉइस है।

### ट्रडिशनल अवतार

लाइट पिंक कलर की चिकनकारी वर्क वाली स्कर्ट के साथ पतले स्ट्रैप वाली ब्लाउज और फ्लोरल दुपट्टा...यह लुक इस लुक को अपनी किसी दोस्त या रिश्तेदार के शादी में ट्राई कर सकती हैं।

लॉन्ग फ्लोरल लहंगे के लुक वाली स्कर्ट संग मैचिंग केप डिजाइन वाली क्रॉप टॉप और खुले बाल में बेहद खूबसूरत लगेंगी। ब्राइस्डमेड के तौर पर भी आप इस लुक को गर्मी के मौसम की शादियों में ट्राई कर सकती हैं।

ऑफ वाइट कलर का फ्लोरल लहंगा स्कर्ट, मैचिंग दुपट्टा और डीप ग्रीन कलर की ब्लाउज। गर्मियों में जब लाइट और ब्राइट कलर्स का ट्रेंड रहता है, ऐसे में यह लहंगा परफेक्ट चॉइस है।

### सिंपल लुक

अगर आपको भी लाइट कलर्स पसंद हैं तो किसी दोस्त या रिश्तेदार की समर वेडिंग में इस लुक को ट्राई कर सकती हैं। पाउडर ब्लू कलर और पिंक कलर का यह लहंगा देखने में भले ही बेहद सिंपल हो लेकिन यह आपको अलग और डिफरेंट लुक देगा।

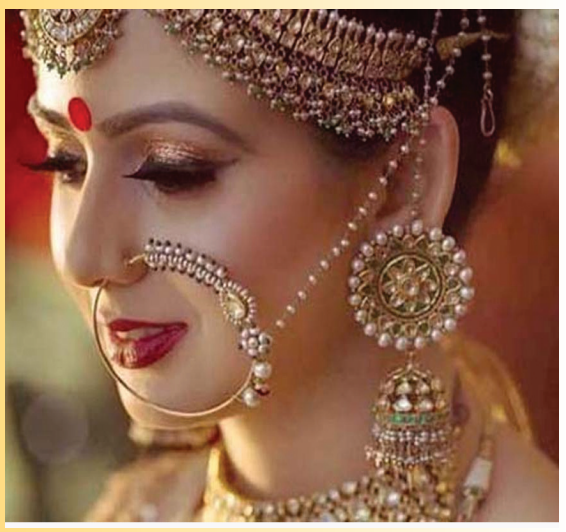

# ब्राइडल लुक को और खास बना देंगे नथ के ये डिजाइन

**भारतीय** दुल्हन के श्रृंगार में चार चांद लगाने का काम करती है नथ जो चेहरे की खूबसूरती को और भी बढ़ा देती है। अगर आप भी जल्द ही शादी के बंधन में बंधने वाली हैं तो नथ लेते समय इसके नए डिजाइंस के बारे में एक बार जरूर जान लें।

दुल्हन बनने की तैयारी कर रहीं हैं और कपड़ों के साथ ही सही ज्वैलरी डिजाइंस को चुनना जरुरी है। ज्वैलरी का सबसे खास हिस्सा होता है नाक की नथ और इसके कई सारे डिजाइन आपको बाजार में मिल जाएंगे।

रिंग वाली नथ- अगर आप बहुत सिम्पल सी नथ पहनना चाहती हैं तो रिंग वाली नथ ट्राई कर सकती हैं।

जड़ाऊ नथ- जड़ी हुई नथ शादी के दिन बेहद खास लुक देती है। आप इसे जड़ाऊ लंहगे के साथ पहन सकती है।

मल्टीपल चेन वाली नथ- अगर आप ज्वैलरी डिजाइन के साथ प्रयोग करना चाहती हैं तो तीन चैन वाली नथ को पहनकर देखिए यह आपके चेहरे का लुक ही बदल देगी। इसके साथ हैवी मांगटीका भी बहुत अच्छा लगता है।

ब्रांज नथ- इसे प्योर गोल्ड से बनाया जाता है जो हल्का सा डल लुक देता है।

हूप नथ- बड़ी सी नथ पहनने से अच्छा है कि आप छोटी सी ही नोज रिंग पहनें। यह पहनने और कैरी करने में आसान रहती है।

# त्वचा की हर समस्या का समाधान रखता है शहद, जानिए इसके फायदे

**जब** भी स्किन केयर की बात होती है तो हम नेचुरल आइटम्स पर अधिक फोकस करना पसंद करते हैं। इनसे स्किन को किसी भी तरह के नुकसान होने की संभावना काफी हद तक कम हो जाती है। वहीं, दूसरी ओर यह नेचुरल इंग्रीडिएंट्स हर तरह की स्किन के लिए अच्छे माने जाते हैं। इन्हीं स्किन केयर इंग्रीडिएंट्स में से एक है शहद। शहद को लंबे समय से कभी स्किन केयर पैक तो कभी यूं ही इस्तेमाल किया जाता रहा है। इसमें गजब के मॉइश्चराइजिंग गुण होते हैं, जो आपकी स्किन को अधिक स्वस्थ और बेहतर बनाते हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको शहद से स्किन को मिलने वाले कुछ गजब के फायदों पर चर्चा कर रहे हैं-

### मिलती है ग्लोइंग स्किन

अगर आप अपनी स्किन को नेचुरली हेल्दी व ग्लोइंग बनाना चाहती हैं तो इसके लिए शहद से अधिक बेहतर उपाय और कोई नहीं है। शहद में त्वचा को चमकदार बनाने के गुण होते हैं और यह उपयोग के बाद यह आपके फेस पर चमक के साथ-साथ नमी भी बनाए रखता है। रूखी स्किन की महिलाएं तो इसे इस्तेमाल करती हैं ही, साथ ही साथ यह ऑयली, एक्ने और अन्य स्किन के लिए भी उतनी ही फायदेमंद है।

### निशानों को करे हल्का

शहद में प्राकृतिक एंटीसेप्टिक गुण होते हैं जो घाव भरने और निशानों को मिटाने में मदद करते हैं। ऐसे में अगर आप अपनी स्किन पर किसी तरह के निशान को हल्का करना चाहते हैं तो ऐसे में शहद के इस्तेमाल से वह धीरे-धीरे मिटने लगते हैं। आप एक्ने के दाग-धब्बों को मिटाने के लिए शहद का इस्तेमाल स्पॉट ट्रीटमेंट के रूप में कर सकते हैं।

### एजिंग के साइन्स को करे रिवर्स

अगर आप अपनी स्किन को अधिक लंबे समय तक जवां-जवां बनाए रखना चाहती हैं तो ऐसे में शहद का इस्तेमाल करना एक अच्छा विचार हो सकता है। शहद में मौजूद प्राकृतिक एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो उम्र बढ़ने के संकेतों को कम करने में मदद करते हैं। शहद चेहरे पर झुर्रियों और महीन रेखाओं की उपस्थिति को नियंत्रित करने में मदद कर सकता है। इतना ही नहीं, शहद को चेहरे पर लगाने से स्किन की इलास्टिसिटी बेहतर होती है, जिससे वह जवां और चमकदार दिखती है। आप हर सप्ताह शहद का मास्क लगा सकती हैं और अपनी स्किन को अधिक यंगर बना सकती हैं।

### सनबर्न से राहत

अगर आपकी स्किन पूरे दिन धूप में रहने के कारण डैमेज हो रही है तो ऐसे में शहद आपकी मदद कर सकता है। धूप से झुलसी त्वचा के कारण स्किन में रेडनेस, सूखापन और जलन महसूस होती है। ऐसे में अपनी स्किन को ठंडक प्रदान करने के लिए आप एक भाग कच्चे शहद को दो भाग एलोवेरा जेल के साथ मिक्स करें और सीधे प्रभावित जगह पर लगाएं। याद रखें कि आप मिश्रण को रगड़ें नहीं, बल्कि इसकी लेयर लगाकर ऐसे ही छोड़ दें। यह उपाय ना केवल सनबर्न से राहत दिलाएगा, बल्कि आपकी स्किन के रंग-रूप में भी सुधार करने में मदद करेगा।

# खूबसूरत बाल के लिए अपनायें ये उपाय

**आजकल** प्रदूषण और सही डाइट ना लेने के कारण कम उम्र में ही बाल सफेद होने लगते हैं। ऐसे में आयुर्वेदिक नुस्खों को अपनाकर आप बालों की समस्याओं से राहत पा सकती हैं। कई बार ध्यान न देने की वजह से लोगों के बाल रूखे-सूखे और बेजान होने के साथ कम उम्र में ही झड़ने लगते हैं। ऐसे में अपने बालों को फिर से लंबे और खूबसूरत बनाने के लिए आयुर्वेद नुस्खे अपना सकती हैं।

मेथी दाना- मेथी दाने में भरपूर मात्रा में फोलिक एसिड, विटामिन ए, विटामिन के और विटामिन सी पाया जाता है। इसमें प्रोटीनऔर निकोटीन एसिड भी पाया जाता है, जिससे झड़ते बालों की समस्या दूर हो जाती है। स्कैल्प हेल्दी रहती है और बाल डैमेज नहीं होते हैं। इसके लिए आप अपनी डाइट में भी मेथी दाना शामिल कर सकते हैं। रात में 2 चम्मच मेथी दाने को पानी में भिगो दें। अगली सुबह वो पानी पी लें। बचे हुए मेथी दाने को पीसकर पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को जड़ों में लगाकर 20 मिनट बाद बाल धोलें। बाल जल्दी घने, लंबे और मजबूत बनेंगे।

आंवला- डाइट में विटामिन सी की कमी के कारण भी बाल झड़ने लगते हैं और बालों में डैंड्रफ की समस्या होने लगती है। लेकिन आंवले के सेवन और बालों में आंवले के तेल से मालिश करने से बालों की सभी समस्याएं दूर हो जाती हैं। साथ ही बाल लंबे समय तक काले रहते हैं।

दही- दही में कूलिंग प्रॉपर्टीज होने के साथ प्रोटीन भी पाया जाता है। प्रोटीन स्कैल्प की हेल्थ और नए फोलिसल्स की ग्रोथ के लिए बहुत महत्वपूर्ण होता है। अपने बालों पर दही से मसाज करें और 15 मिनट तक ऐसे ही छोड़ दें। इसके बाद शैंपू से सिर धो लें। बालों पर दही लगाने से बाल मजबूत होने के साथ कोमल और मुलायम भी बनते हैं।

बालों के झड़ते बालों की समस्या को दूर करने के लिए छाछ, दालचीनी, तरबूज, अंगूर आदि चीजों का सेवन करना चाहिए। इनके सेवन शरीर को जरूरी पोषक मिलते हैं, जो बालों को सेहतमंद बनाने के लिए जरूरी होते हैं।

# इस प्रकार सुंदर और लंबे होंगे नाखून

**लड़कियों** को लंबे-लंबे नाखून रखना पसंद होता है, लेकिन इन्हें लंबा करना कोई आसान काम नहीं होता। अगर आसान होता तो हर किसी के हाथ में लंबे नाखून देखने को मिलते। कई लड़कियों के नाखून लंबे होते है तो सुंदर नहीं होते। नाखूनों को सुंदर और लंबा इस प्रकार बनायें।

बहुत सारी महिलाओं के नाखून बढ़ते तो हैं लेकिन कमजोर होने के चलते जल्दी टूट जाते हैं। ऐसा हमारे शरीर में पोषक तत्वों की कमी के कारण होता है, इसलिए सबसे पहले आपको अपनी डाइट में बदलाव करना होगा। आपको कुछ ऐसी चीजों को अपनी डाइट में शामिल करना होगा जिनसे आपको पोषक तत्व मिलें।

### संतरे का रस

संतरे के रस को दस मिनट तक अपने नाखूनों पर लगाएं। इसके बाद अपने हाथों को गुनगुने पानी से धो लें। कुछ दिन तक ऐसा करने से आपके नाखून कुछ दिनों में बढ़ने लगेंगे।

### ऑलिव ऑयल

नाखून लंबे करने के लिए रोजाना ऑलिव ऑयल से नाखूनों की मालिश करें। विटामिन ई से भरपूर ऑलिव ऑयल नाखूनों को पोषण प्रदान करता है और खून का फ्लो नाखूनों तक बढ़ाता है जिससे नाखून तेजी से बढ़ना शुरु हो जाते हैं।

### लहसुन

नाखूनों को बढ़ाने के लिए लहसुन एक बेहतरीन उपाय माना जाता है। लहसुन को दो टुकड़ों में काट कर उसे 10 मिनट तक अपने नाखूनों पर रगड़ें। ऐसा करने से आपके नाखून कुछ ही दिनों में अच्छे खासे बढ़ जाएंगे।

# गर्मी में डेनिम वियर से मिलेगी राहत

**गर्मी** के मौसम में खानपान के साथ ही पहनावे का भी भी विशेष ध्यान रखना पड़ता है। इस मौसम में गरमी से राहत पाने के साथ ही स्टाइलिस दिखने के लिए आप डेनिम कपड़ों का इस्तेमाल कर सकती हैं। यह कपड़े घर बाहर और ऑफिस सब जगह पहने जा सकते हैं।

डेनिम पैंट- डेनिम पैंट का हर समय चलन रहता है पर गरमी के मौसम में डेनिम पैंट आपके लिए काफी आरामदायक रहती है।

डेनिम शर्ट और कुर्ती - गर्मी में आप डेनिम की शर्ट और कुर्ती पहन सकती हैं। ये परिधान इस मौसम में आरामदायक होने के के साथ देखने में अच्छे भी लगते हैं।

डेनिम मिडी स्कर्ट- इस गर्मी के मौसम में आप डेनिम का मिडी स्कर्ट ट्राई कर सकती हैं। यह मिडी स्कर्ट आपको गर्मी से राहत दिलाएगी और काफी हद तक स्टाइलिस भी है।

डेनिम जैकेट- धूप से बचने के लिए आप डेनिम जैकेट को पहन सकती हैं। यह आपको स्टाइलिस लुक देने के साथ ही गरमी की तपिश से बचाएगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## 'ऑपरेशन ब्रह्मा' के तहत म्यांमार के भूकंप पीड़ितों के लिए 405 टन चावल लेकर पहुंचा नौसेना का जहाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। भूकंप से प्रभावित म्यांमार की सहायता के लिए भारत सरकार के 'ऑपरेशन ब्रह्मा' के तहत 405 टन चावल सहित 442 टन राहत सामग्री की एक नई खेप लेकर नौसेना का जहाज म्यांमार के शहर यांगून पहुंच चुका है। रविवार को इस विषय में जानकारी देते हुए नौसेना ने बताया कि नौसेनिक जहाज 'आईएनएस घड़ियाल' 405 टन चावल सहित 442 टन राहत सामग्री के साथ 5 अप्रैल को यांगून पहुंचा है। यह राहत सामग्री भारत के राजदूत अभय ठाकुर ने यांगून क्षेत्र के मुख्यमंत्री यू सोई थीन को सौंपी है। म्यांमार में प्रभावित लोगों को सहायता प्रदान करने के लिए नौसेना ने अभी तक 512 टन से अधिक राहत सामग्री पहुंचाई है। हिंद महासागर क्षेत्र में प्रथम प्रक्रिया कर्ता के रूप में, भारतीय नौसेना के जहाजों द्वारा बड़े पैमाने पर राहत सामग्री पहुंचाना, म्यांमार में प्रभावित लोगों को सहायता प्रदान करने के लिए भारतीय नौसेना के दृढ़ संकल्प का प्रमाण है। गौरतलब है कि म्यांमार में 28 मार्च को विनाशकारी भूकंप आया था। इसके बाद से भारत सरकार ने म्यांमार के लोगों की मदद के लिए ऑपरेशन ब्रह्मा शुरू किया। ऑपरेशन ब्रह्मा के अंतर्गत एक अप्रैल को नौसेना के जहाज घड़ियाल को चावल, खाद्य तेल और दवाओं सहित करीब 442 टन राहत सामग्री के साथ म्यांमार के लिए रवाना किया गया था।

## बीजेपी सांसद का दावा कोलकाता में रामनवमी जुलूस पर हुआ हमला, ममता सरकार को घेरा

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता के पार्क सर्कस इलाके में रामनवमी के जुलूस के दौरान कथित रूप से हमला हुआ है। इस हमले में कुछ वाहनों को नुकसान पहुंचाया गया और कारों के शीशे तोड़े गए। रामनवमी जुलूस पर हमला का दावा कर रहे बीजेपी सांसद ने सीधे तौर पर इस हमले के लिए राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की सरकार को जिम्मेदार ठहराया है। बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष और सांसद सुकांत मजूमदार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो साझा करते हुए लिखा है, कि शोभायात्रा से लौटते वक्त भगवा झंडा ले जाने के कारण हिंदुओं पर हमला किया गया। वाहनों पर पत्थर बरसाए गए, विंडशील्ड तोड़ दिए गए। यह एक सुनियोजित और लक्षित हिंसा थी। उन्होंने आगे लिखा, रामनवमी पर एकजुट हुए बंगाली हिंदुओं की आवाज से ममता सरकार डर गई है। पार्क सर्कस में हुआ यह हमला साबित करता है कि राज्य में कानून-व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं है। लेकिन यह तो बस शुरुआत है, अगले साल इससे भी बड़ा और भव्य जुलूस यहीं से निकलेगा।

**पुलिस ने हमले का किया खंडन**

बीजेपी सांसद के इन आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए कोलकाता पुलिस ने सोशल मीडिया पर बयान जारी किया है। पुलिस का कहना है कि पार्क सर्कस इलाके में कथित घटना के संबंध में यह स्पष्ट किया जाता है कि वहां किसी भी धार्मिक जुलूस के लिए अनुमति नहीं ली गई थी, और न ही ऐसी कोई गतिविधि दर्ज हुई है। एक वाहन को नुकसान पहुंचने की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने तुरंत कार्रवाई कर स्थिति नियंत्रित की। मामले की जांच जारी है और लोगों से अफवाहों से दूर रहने की अपील की जाती है।

## 38 फ़ीसदी पैकेज फूड में फंगस, 341 जिलों में सर्वे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में बिक रहे पैकेज फुड के सर्वे में 38 फ़ीसदी पैकेज्ड फूड में फंगस पाया गया है।सर्वे के दौरान जांच में पैकेज फुड में कीड़े फंगस और अन्य गंदगी पाई गई है।जिन पैकेजड फुड की जांच की गई है। उसमें आइसक्रीम, जूस,इंस्टेंट नूडल्स, ब्रेड, आटा और स्नैक्स शामिल हैं। विश्व स्वास्थ्य दिवस के पहले स्थानीय स्तर पर जो सर्वे कराया गया है। उसमें ब्रांडेड पैकेज फूड मे लगभग 38 फ़ीसदी उत्पादों में फंगस देखने को मिला है। यह सर्वे भारत के 341 जिलों में कराया गया है। 40000 से ज्यादा उपभोक्ताओं को इस सर्वे में शामिल किया गया।इनमें 62 फ़ीसदी पुरुष और 38 फ़ीसदी महिलाएं थी। सर्वे में शामिल 88 फ़ीसदी उपभोक्ताओं ने स्वीकार किया है।राज्य खाद्य विभाग को पूरे सप्लाई चैन सिस्टम की ऑडिट और निगरानी बढ़नी चाहिए। सर्वे रिपोर्ट में कहा गया है। कीड़े या फंगस युक्त फूड खाने से फूड प्वाइजनिंग, एलर्जी, संक्रमण और पाचन संबंधी कई समस्याओं से उपभोक्ताओं को जूझना पड़ रहा है। सर्वे में शामिल 59 फ़ीसदी लोगों का कहना था। वह धीरे-धीरे पैकेज्ड फूड से दूरी बना रहे हैं। यह स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है।

## नौकरी मामले में सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद बीजेपी ने ममता से मांगा इस्तीफा

कोलकाता, (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी और बीजेपी विधायकों ने ममता सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद एसएससी शिक्षकों की नौकरी जाने के बाद वे सीएम ममता बनर्जी के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। अधिकारी ने कहा कि ममता को जेल जाना चाहिए। वह मुख्य लाभार्थी हैं। उनके भतीजे ने 700 करोड़ रुपए की रिश्वत ली है। उन्होंने दावा किया कि पश्चिम बंगाल सरकार और सीएम ममता उन 26000 लोगों के लिए जिम्मेदार हैं, जिन्होंने सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद अपनी नौकरी खो दी है। उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी की इसमें बड़ी भूमिका है। इससे पहले अधिकारी ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश के कारण नौकरी गंवाने वाले कुछ शिक्षकों से मुलाकात की थी और उन्हें कानूनी सहायता देने का वादा किया था। उन्होंने आरोप लगाया कि 2016 की भर्ती परीक्षा के इन 'बेदाग' योग्य उम्मीदवारों के सामने आई स्थिति के लिए पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी जिम्मेदार हैं। सुप्रीम कोर्ट द्वारा 2016 की भर्ती प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर अनियमितताएं पाए जाने और पूरे पैनल को रद्द करने के बाद राज्य द्वारा संचालित और सहायता प्राप्त स्कूलों के 25 हजार से ज्यादा शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों को अपनी नौकरी से हाथ धोना पड़ा है। बीजेपी विधायक ने कहा कि आज वह कई शिक्षकों से मिले जिनमें कई महिलाएं भी शामिल थीं। वे सभी दुखी हैं। मैंने उनसे कहा कि कानून आपके पक्ष में है। सत्य आपके पक्ष में है। हम आपको कानूनी सहायता देंगे।

# किरेन रिजिजू ने सीएम उमर अब्दुल्ला के साथ ट्यूलिप गार्डन की सैर की, भड़क गईं महबूबा मुफ्ती

**श्रीनगर (एजेंसी)।** केंद्रीय संसदीय कार्य एवं अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू और जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सोमवार को श्रीनगर के खूबसूरत ट्यूलिप गार्डन में एक साथ शांतिपूर्ण सुबह की सैर का आनंद लिया। केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के अध्यक्ष डॉ. फारूक अब्दुल्ला से भी मुलाकात की। सोशल मीडिया पर किरेन रिजिजू ने लिखा, 'श्रीनगर, जम्मू और कश्मीर में ट्यूलिप गार्डन के जीवंत रंगों के बीच माननीय सीएम उमर अब्दुल्ला जी के साथ एक ताज़ा सुबह की सैर और डॉ फारूक अब्दुल्ला साहब से मिलकर भी खुशी हुई।'

रिजिजू ने अपने अनुभव साझा किए, जिसमें उन्होंने आश्चर्यजनक प्राकृतिक परिवेश और उनके बीच हुई सार्थक बातचीत का वर्णन किया, जिसने इसे एक यादगार और विशेष सुबह बना दिया। पोस्ट में लिखा है, 'प्रकृति अपने सबसे बेहतरीन रूप में है और गर्मजोशी और दूरदर्शिता से भरी बातचीत, यह वास्तव में एक विशेष सुबह है।' हालांकि, इसको लेकर पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती भड़क गई हैं। उन्होंने कहा कि आज जो कुछ हुआ, उससे मैं बहुत दुखी हूँ। कश्मीर के लोगों ने आज जो कुछ देखा, वह बहुत दर्दनाक है। मुजफ्फरनगर में नमाज के दौरान काली पट्टी बांधने पर मुसलमानों पर 2 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। आज देश में मुसलमानों की यही हालत है।

पूर्व सीएम ने कहा कि एनआरसी लाने के बाद मुसलमानों को यह साबित करना पड़ेगा कि वे देश के मूल निवासी हैं, अब उन्हें अपनी कब्रों के बारे में भी साबित करना होगा। वक्फ की संपत्तियां मुसलमानों के लिए एक सहारा थीं, अब उन्हें भी छीना जा रहा है। हमें जम्मू-कश्मीर सरकार से उम्मीद थी कि वे इसका मुखर विरोध करेंगे और फिर इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाएंगे। उन्होंने कहा कि फारूक अब्दुल्ला जो देश के प्रमुख नेताओं में से हैं, वे सभी नेताओं को विरोध के लिए बुला सकते थे, हम भी शामिल होते, लेकिन आज क्या हुआ? हमने उनके बेटे, जम्मू-कश्मीर के सीएम को ट्यूलिप गार्डन में उस मंत्री (किरेन रिजिजू) के साथ घूमते देखा, जिन्होंने देश के मुसलमानों की गर्दन पर तलवार लटकाने का काम किया।

श्रीनगर में ट्यूलिप गार्डन एशिया का सबसे बड़ा ट्यूलिप गार्डन है, जो करीब 30 हेक्टेयर क्षेत्र में फैला हुआ है। यह ज़बरवान रेंज की तलहटी में स्थित है, जहाँ से डल झील का नज़ारा दिखाई देता है। इस गार्डन को 2007 में कश्मीर घाटी में फूलों की खेती और पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से खोला गया था। ट्यूलिप फेस्टिवल एक वार्षिक उत्सव है जिसका उद्देश्य बगीचे में फूलों की विविधता को प्रदर्शित करना है। इससे पहले, जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने केंद्रीय संसदीय मामलों और अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू के साथ श्रीनगर में लोक संवर्धन पर्व का उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम में क्षेत्रीय चुनौतियों को संबोधित करते हुए जम्मू-कश्मीर की सांस्कृतिक विविधता और कलात्मक विरासत का जश्न मनाया गया।

## देर रात लगातार तीन धमाकों से दहला बटाला, हैप्पी पशियां ग्रुप ने ली जिम्मेदारी

बटाला। पंजाब के बटाला जिले के थाना किला लाल सिंह के पास रविवार देर रात करीब 12:35 बजे लगातार तीन तेज धमाकों की आवाजें सुनाई दीं। धमाकों की गूंज इतनी तीव्र थी कि इलाके में सो रहे लोग घबराकर उठ गए। पूरे क्षेत्र में भय और तनाव का माहौल बन गया है। जानकारी के अनुसार फिलहाल इन धमाकों से क्या जान-माल को नुक्सान हुआ है, इसकी कोई सूचना नहीं है। वहीं दूसरी तरफ धमाकों की सूचना मिलते ही डीएसपी फतेहगढ़ चूड़ियां विपन कुमार और थाना प्रभारी प्रभजोत सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और जांच शुरू कर दी है। थाने के एसएचओ प्रभजोत सिंह के अनुसार, धमाकों के बाद थाने में तैनात पुलिसकर्मी तुरंत सतर्क हो गए और बाहर निकलकर जांच की, लेकिन वहां कोई संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक सामग्री नहीं मिली। हालांकि, देर रात हुए धमाकों की जिम्मेदारी सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के माध्यम से हैप्पी पशियां ग्रुप ने ली है। पोस्ट में हैप्पी पशियां, मनु अगवान, और गोपी नवांशहरिया ने हमले की जिम्मेदारी लेते हुए लिखा कि यह हमला पुलिस द्वारा पीलीभीत और बटाला में मुठभेड़ में मारे गए उनके साथियों की मौत का बदला है। फिलहाल पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच तेज कर दी है और इलाके की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। पूरे घटनाक्रम को लेकर उच्चाधिकारियों को सूचित कर दिया गया है। साथ ही पुलिस सोशल मीडिया पोस्ट की भी जांच कर रही है ताकि दोषियों तक जल्द पहुंचा जा सके।

## भारत माता की जय कहने वाले मुसलमानों का संघ की शाखा में स्वागत है: मोहन भागवत

**मुंबई (एजेंसी)।** राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने कहा है कि आरएसएस शाखा में हर किसी का स्वागत है बशर्ते व्यक्ति खुद को भारतीय मानता हो और भारत माता के प्रति सम्मान रखता हो। उन्होंने कहा कि शाखाएं उन सभी का स्वागत करेंगी जो 'भारत माता की जय'' नारे और 'भगवा झंडा' का सम्मान करते हैं। हम आपको बता दें कि मोहन भागवत इस समय वाराणसी के दौरे पर हैं। संघ प्रमुख वाराणसी शहर के मलदहिया के लाजपत नगर पार्क में आरएसएस की शाखा में शामिल होने पहुंचे। स्वयंसेवकों ने उनसे सवाल पूछा कि क्या वह अपने मुस्लिम पड़ोसियों को भी शाखा ला सकते हैं? इसका जवाब देते हुए आरएसएस प्रमुख ने कहा कि जो कोई भी भारत माता की जय कहता है, उसका देश भर की शाखाओं में स्वागत है। हालांकि, उन्होंने कहा कि शाखा उन लोगों के लिए नहीं है जो खुद को औरंगजेब का वंशज मानते हैं। उन्होंने कहा कि शाखा में जाति, धर्म या भाषा के आधार पर भेदभाव नहीं किया जाता।

संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि भारतीयों की धार्मिक प्रथाएं भले ही अलग-अलग हों, लेकिन उनकी संस्कृति एक ही है। उन्होंने कहा कि भारत में सभी धर्मों, संप्रदायों और जातियों के लोगों का शाखाओं में स्वागत है। हम आपको यह भी बता दें कि लाजपत नगर में आयोजित कार्यक्रमों में हिस्सा लेने से पहले भागवत ने शनिवार शाम को काशी के वैदिक विद्वानों के साथ बैठक की, जिसमें उन्होंने भारत को विश्व गुरु बनाने के लक्ष्य को हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत करने का आह्वान किया।

उल्लेखनीय है कि देशभर में प्रतिदिन लगने वाली संघ की शाखाओं में विभिन्न आयु वर्ग के स्वयंसेवक एकत्र होते हैं। इस दौरान आरएसएस का ध्वज फहराया जाता है, प्रार्थना गीत गाया जाता है और शारीरिक व्यायाम आदि किये जाते हैं तथा बाद में चर्चा सत्र भी होता है।

# वक्फ कानून जम्मू-कश्मीर विस से संबंधित मुद्दा नहीं, इसलिए चर्चा की जरुरत नहीं: सुधांशु

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** नए वक्फ कानून को लेकर जम्मू-कश्मीर विधानसभा में हुए हंगामे पर बीजेपी सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि वक्फ बिल संवैधानिक रूप से स्थापित प्रक्रिया के तहत पारित हुआ है, लेकिन कुछ राज्य सरकारें हैं जो इसका विरोध कर रही हैं, चाहे वह तमिलनाडु सरकार हो या जम्मू-कश्मीर सरकार। इससे साफ पता चलता है कि उनके मन में संविधान के प्रति घोर अवमानना है। क्योंकि संविधान के मुताबिक कोई भी राज्य सरकार भारत की संसद द्वारा पारित किसी भी कानून का विरोध नहीं कर सकती है और जिस तरह के दृश्य जम्मू-कश्मीर विधानसभा में देखने को मिले अगर वह इसकी धज्जियां उड़ा रहे हैं, तो इसका मतलब है कि ये वे लोग हैं जिनके हाथों में संविधान खतरे में है।

बीजेपी विधायक शगुन परिहार ने कहा कि यह वक्फ कानून संसद में पारित हो चुका है और चूंकि यह जम्मू-कश्मीर विधानसभा से संबंधित मुद्दा नहीं है, इसलिए इस पर चर्चा करने की कोई जरुरत ही नहीं है। तो नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस विधायक काले झंडे क्यों दिखा रहे हैं, वॉकआउट कर रहे हैं और कागज क्यों फाड़ रहे हैं?

उन्होंने कहा कि हम यहां जम्मू-कश्मीर से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करने के लिए आए हैं। केंद्रीय गृह मंत्री जम्मू-कश्मीर की अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने, पर्यटन को प्रोत्साहित करने, उद्योग लाने, नए होटल खोलने और यहां रोजगार पैदा करने के लिए काम करना चाहते हैं, लेकिन सीएम का रवैया देखें, जो इन मुद्दों पर बोलना नहीं चाहते हैं।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा में अध्यक्ष अब्दुल रहीम राथर ने वक्फ संशोधन बिल पर चर्चा के लिए प्रश्नकाल स्थगित करने संबंधी प्रस्ताव को नामंजूर किए जाने पर सोमवार को भारी हंगामा किया जिसके चलते कार्यवाही 15 मिनट के लिए स्थगित कर दी गई थी।

## गृहमंत्री के दौर के बीच पाकिस्तान ने तोड़ा संघर्ष विराम, भारत ने भी दिया जवाब

**जम्मू (एजेंसी)।** पाकिस्तानी सेना ने सोमवार को एलओसी पर संघर्ष विराम तोड़ दिया। जिसका भारतीय सेना ने भी जवाब दिया। संघर्ष विराम का उल्लंघन ऐसे समय में हुआ जब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जम्मू-कश्मीर के दौरे पर हैं। अधिकारियों ने बताया कि पाकिस्तानी सेना ने सोमवार को पुंछ जिले के दिगवार सेक्टर में एलओसी पर संघर्ष विराम तोड़ दिया। यह तय करने के लिए कि पाकिस्तानी सेना की गोलीबारी में कोई घुसपैठ न हो, इलाके में तलाशी अभियान शुरू कर दिया गया है। इससे पहले 1 अप्रैल को पाकिस्तानी सेना ने पुंछ जिले में एलओसी पर एक बारूदी सुरंग के धमाके के बाद बिना किसी कारण के गोलीबारी की और संघर्ष विराम तोड़ा।

सेना ने बयान में कहा कि भारतीय सैनिकों ने संतुलित और नियंत्रण तरीके से प्रभावी जवाब दिया। ऐसी खबरें हैं कि आतंकवादी जिनमें मुख्य रूप से विदेशी भाड़े के आतंकवादी शामिल हैं, पुंछ, राजौरी, कठुआ और किश्तवाड़ जिले के पहाड़ी इलाकों में सक्रिय हैं। 23 मार्च को कठुआ जिले में अंतरराष्ट्रीय सीमा के करीब भारतीय हिस्से में घुसपैठ करने वाले 5 आतंकवादियों की मुठभेड़ पुलिस से हुई थी। यह मुठभेड़ अंतर्राष्ट्रीय सीमा से 4 किलोमीटर अंदर सान्याल गांव में हुई थी। मुठभेड़ में दो आतंकवादी मारे गए, जबकि चार पुलिसकर्मी शहीद हो गए थे।

संयुक्त बलों ने बाकी तीन आतंकवादियों को ढूंढने के लिए कठुआ और राजौरी जिलों के ऊंचे इलाकों में अपना खोजो और खत्म करो अभियान तेज कर दिया है। कठुआ जिले के बिलावर इलाके में पिछले शुक्रवार को आतंकवादियों और संयुक्त बलों के बीच मुठभेड़ हुई थी। जानकारी के मुताबिक कठुआ जिले के ऊंचे इलाकों का इस्तेमाल आतंकवादी राजौरी और पुंछ जिलों में घुसपैठ करने के लिए कर रहे हैं।

आतंकवादियों के हिट-एंड-रन हमलों को नाकाम करने के लिए सेना के करीब चार हजार विशेष प्रशिक्षित पैरा कमांडो को इन जिलों के घने जंगलों में तैनात किया गया। संयुक्त बलों की गतिविधियों के बाद आतंकवादी पुंछ, राजौरी और कठुआ जिलों में हिट-एंड-रन हमले नहीं कर पा रहे हैं, जैसा कि 2024 की आखिरी तिमाही में हुआ था।

## पंजाब की पवित्र भूमि को नशे की गिरफ्त से बचाया जाएगा: गुलाब चंद कटारिया

**– अमृतसर में राज्यपाल कटारिया का पैदल मार्च लगातार दूसरे ?दिन भी जारी रहा**

**अमृतसर (एजेंसी)।** पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने सीमावर्ती क्षेत्रों में लगातार दूसरे दिन अमृतसर में आयोजित पैदल मार्च में उन्होंने कहा कि पंजाब की पवित्र भूमि, जो वीरता, बलिदान और देशप्रेम के लिए मशहूर है, उसे नशे की गिरफ्त से बचाया जाएगा और बर्बाद नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि नशा सिर्फ पंजाब की चुनौती नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए खतरा बन चुका है। इसी के मद्देनजर पंजाब सरकार राज्य को नशा मुक्त करने के लिए ठोस कदम उठा रही है। उन्होंने दुश्मन देशों की ओर इशारा करते हुए कहा कि सीमा पार से नशीले पदार्थों की तस्करी बदस्तूर जारी है, लेकिन भारतीय सेनाएं इसे रोकने के लिए दिन-रात जुटी हुई हैं। राज्यपाल ने जिला प्रशासन द्वारा गांवों में गठित ग्राम स्तरीय रक्षा समितियों के

प्रयासों की प्रशंसा की। ये समितियां तस्करी पर लगाम लगाने में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं, जो बेहद सराहनीय है। पंजाब की भौगोलिक स्थिति इसे नशीली दवाओं की तस्करी के लिए संवेदनशील बनाती है। शत्रु देश इस कमजोरी का लाभ उठाकर मादक पदार्थ भेज रहे हैं। इसे रोकने के लिए सीमा पर ड्रोन-रोधी तकनीक स्थापित की गई है, और अब इनकी तादाद बढ़ाने की योजना है। पंजाब सरकार भी अपने स्तर पर ड्रोन-विरोधी प्रणाली लागू करने की कोशिश कर रही है। फतेहगढ़ चूड़ियां रोड के शहीद भगत सिंह ग्रुप ऑफ कॉलेज में आयोजित सभा में राज्यपाल ने युवाओं और वरिष्ठ नागरिकों से आह्वान किया कि वे अपने परिवेश को नशे से मुक्त करने में योगदान दें। पंजाब सरकार इन दिनों नशे के खिलाफ युद्धस्तर पर मुहिम चला रही है। हाल ही में प्रदेश के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने मोहाली में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए लोगों से अपील की थी कि अगर कहीं पर कोई नशीला पदार्थ बेचता दिखे, तो फौरन उसकी जानकारी दें। उसके खिलाफ कार्रवाई होगी और जानकारी देने वाले की पहचान गुप्त रखी जाएगी।

## बांग्लादेश ले रहा झूठ का सहारा- फिलहाल भारत से संबंधों में सुधार होना कठिन

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मोहम्मद यूनुस की हाल ही में हुई मुलाकात के बाद ये लग रहा था कि भारत और बांग्लादेश के रिश्तों में सुधार होगा। लेकिन इसमें बांग्लादेश ने फिर से अड़चन डाल दी है। उसने पीएम मोदी और यूनुस की मुलाकात को लेकर एक ऐसा बयान दिया है, जिसका सच्चाई कोई वास्ता नहीं है। फिलहाल भारत से संबंधों में सुधार होना कठिन दिखाई दे रहा है। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बीच बैंकॉक में हुई बैठक के संबंध में बांग्लादेश की ओर से जारी बयान 'शरारतपूर्ण और राजनीति से प्रेरित' हैं, विशेष रूप से पड़ोसी देश में अल्पसंख्यकों पर हमलों और पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के प्रत्यर्पण के लिए ढाका के अनुरोध से संबंधित पहलू पर। सूत्रों ने शनिवार को यह जानकारी दी।यूनुस के प्रेस सचिव शफीकुल

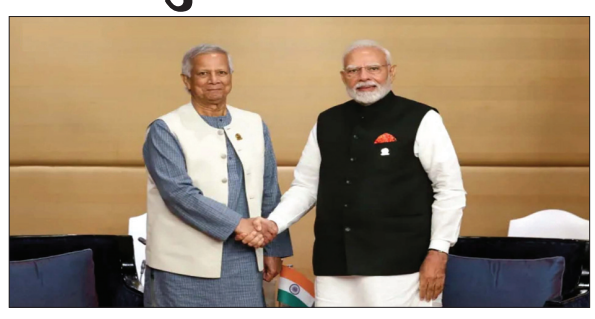

आलम ने शनिवार को एक फेसबुक पोस्ट में कहा कि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने बैंकॉक में हुई बैठक में पीएम मोदी के समक्ष हसीना के प्रत्यर्पण के लिए बांग्लादेश के अनुरोध को उठाया और 'प्रतिक्रिया नकारात्मक नहीं थी।' सूत्रों ने बैठक पर ढाका के आधिकारिक बयान और आलम के फेसबुक पोस्ट को लेकर कहा कि यूनुस और पिछली बांग्लादेश सरकार के साथ संबंधों के बारे में भारतीय प्रधानमंत्री की टिप्पणियों का वर्णन 'गलत' था। अपने पोस्ट में आलम ने दावा किया कि पीएम मोदी ने कहा था, हमने आपके (यूनुस) प्रति उनका (हसीना का) अपमानजनक व्यवहार देखा। सूत्रों ने कहा कि पीएम मोदी ने यूनुस द्वारा उठाए गए विभिन्न मुद्दों पर यह कहते हुए प्रतिक्रिया दी थी कि इन मुद्दों पर दोनों देशों के विदेश मंत्रियों द्वारा अच्छी चर्चा की जा सकती है। सूत्रों ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने 2014 से द्विपक्षीय संबंधों में हुई प्रगति की चर्चा की।

## तीन महीने में तीसरी बार बिहार पहुंचे राहुल, कन्हैया कुमार की यात्रा में हुए शामिल, बीजेपी ने कसा तंज

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी सोमवार को बेगूसराय में कांग्रेस की छात्र शाखा (एनएसयूआई) की 'पलायन रोको नौकरी दो' रैली में शामिल हुए। रैली का नेतृत्व एनएसयूआई के राष्ट्रीय प्रभारी कन्हैया कुमार कर रहे हैं। लोकसभा में विपक्ष के नेता बाद में पटना में एक जनसभा को संबोधित करेंगे। राहुल गांधी तीन महीने में तीसरी बार सोमवार को बिहार पहुंचे, क्योंकि पार्टी इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले ईबीसी, दलित और मुस्लिम वोटों को एकजुट करने के अपने प्रयासों को आगे बढ़ा रही है। एक्स पर एक पोस्ट में राहुल गांधी ने रविवार को कहा कि वह बिहार के बेगूसराय जाएंगे, जहां वह यात्रा निकालेंगे। उन्होंने एक्स पर लिखा कि बिहार के युवा साथियों, मैं 7 अप्रैल को बेगूसराय आ रहा हूं, पलायन रोको, नौकरी दो यात्रा में आपके साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलने। लक्ष्य है कि पूरी दुनिया को बिहार के युवाओं की भावना दिखे, उनका संघर्ष दिखे, उनका कष्ट दिखे। आप भी White T-Shirt पहन कर आइए, सवाल पूछिए, आवाज़ उठाइए - सरकार पर आपके अधिकारों के लिए दबाव बनाने के लिए, उसे हटाने के लिए। आइए, हम मिलकर बिहार को अवसरों वाला राज्य बनाएं। कन्हैया को खास तौर पर तब बड़ी बढ़त मिल सकती है जब गांधी उनके गृहनगर में उनकी यात्रा में शामिल होंगे। उनके नेतृत्व के लिए पार्टी का जोर यह दर्शाता है कि वह अपने प्रमुख गठबंधन सहयोगी आरजेडी की छाया से बाहर आने की कोशिश कर रही है। बिहार में कांग्रेस के तीन सांसद और 19 विधायक हैं। कांग्रेस संविधान बचाओ बैठकों के माध्यम से ईबीसी, दलितों और मुसलमानों तक पहुंचने की कोशिश कर रही है, लेकिन मुख्य ध्यान ईबीसी पर ही है। बिहार की आबादी का 36.1 प्रतिशत हिस्सा ईबीसी है, जो राज्य का सबसे बड़ा सामाजिक समूह है। कांग्रेस ने संविधान बचाओ बैठकों में इस समूह के दलित नायकों को याद करने का एक बिंदु बनाया है।

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा ने कहा कि उनके बिहार आने से कोई असर नहीं पड़ेगा। वे आए हैं और भ्रम फैलाएंगे। बिहार में नीतीश कुमार और पीएम मोदी की सरकार है। उन्हें 'भगवा' रंग से नफरत है और इसलिए वे सफेद टी-शर्ट पहनते हैं। केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय ने तंज सकते हुए कहा कि राहुल गांधी बिहार आए हैं। वे जहां भी जाते हैं, सबसे पहले अपने गठबंधन और अपनी पार्टी के लिए मुश्किलें खड़ी करते हैं। यहां वे तेजस्वी यादव के लिए मुश्किलें खड़ी करने आए हैं...लालू जी की पार्टी ने जंगल राज स्थापित किया। बिहार की जनता ने भ्रष्ट

लोगों को नकार दिया है। वे विकास चाहते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## संक्षिप्त समाचार

### अमेरिका में मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में भारतीय मूल का जज गिरफ्तार, 10 साल की सजा हो सकती है

**फोर्ट बेंड काउंटी, एजेंसी।** अमेरिका के टेक्सास राज्य के फोर्ट बेंड काउंटी में भारतीय मूल के अमेरिकी जज ज के. पी. जॉर्ज को मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों में शुक्रवार को गिरफ्तार किया गया। जॉर्ज पर वायर फ्रॉड और चुनावी फंडिंग रिपोर्ट में गड़बड़ी के आरोप भी लगे हैं। जॉर्ज 2018 से काउंटी जज के पद पर कार्यरत हैं। उन्हें फिलहाल 20 हजार डॉलर की जमानत पर रिहा किया गया है। दोषी पाए जाने पर उन्हें 10 साल की जेल हो सकती है। डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी के मुताबिक, जॉर्ज पर 30 हजार से 1.5 लाख डॉलर की मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप है। जॉर्ज ने सभी आरोपों को राजनीतिक साजिश बताते हुए खारिज किया है।

### दक्षिण सूडान के पासपोर्ट धारकों के सभी वीजा रद्द कर रहा अमेरिका: रुबियो

**वाशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने शनिवार को कहा कि अमेरिका अब दक्षिण सूडान के पासपोर्ट धारकों के सभी वीजा रद्द कर रहा है। रुबियो ने दक्षिण सूडान की सरकार पर अमेरिका का फायदा उठाने का आरोप लगाया।रुबियो ने एक बयान में कहा, अमेरिका समेत कोई भी देश अगर किसी देश के नागरिकों को अपने यहां से निकालता है, तो उस देश को समय रहते अपने नागरिकों को वापस बुला लेना चाहिए। हालांकि दक्षिण सूडान की सरकार इस नियम का सही ढंग से पालन नहीं कर रही। रुबियो ने कहा किअमेरिका वीजा रद्द करने के अलावा दक्षिण सूडान के पासपोर्ट धारकों को अमेरिका में प्रवेश से रोकने के लिए भविष्य में वीजा जारी करने पर भी रोक लगाएगा।

### रूस-यूक्रेन के युद्धबंदियों की रिहाई के लिए संघर्ष, कैदियों की घर वापसी की आस आज भी बरकरार

**कीव, एजेंसी।** रूस और यूक्रेन के बीच जारी संघर्ष में सैकड़ो घर तबाह हो गए। हजारों लोगों को हिरासत में ले लिया गया, लेकिन आज भी हजारों यूक्रेनी नागरिकों के घर के दरवाजे और उनरे परिवार के सदस्य उनका इंतजार कर रहे है। ऐसी ही एक घटना है जब लगभग दो साल पहले कोस्टियनटीन जिनोवकिन की मां ने अपने घर का दरवाजा खुलने की आवाज़ सुनी, तो उन्हें लगा कि उनका बेटा घर लौट आया है क्योंकि वह कुछ भूल गया था। लेकिन इसके बजाय, कुछ रूसी सैनिक जो बैलेक्लाव पहने हुए थे मेलिटोपोल में उनके अपार्टमेंट में घुस आए। बता दें कि यह शहर दक्षिणी यूक्रेन में है और रूसी सेना द्वारा कब्जा किया गया है। एक छोठे से उल्लंघन में हिरासत में लिए गए जिनोवकिन की जल्दी रिहा होने की उम्मीद थी। इसके बावजूद, जिनोवकिन को रिहा नहीं किया गया। हालांकि लेकिन उनकी पत्नी लिउसिएना ने बताया कि उन्होंने जिनोवकिन के घर की ऐसी तलाशी ली कि घर को अणुओं में तोड़ दिया, क्योंकि मई 2023 में उनकी गिरफ्तारी के कुछ हफ़्तों बाद, रूसी अधिकारियों ने उनकी मां से कहा कि वह एक आतंकवादी हमले की साजिश रच रहे थे। अब उन पर ऐसे आरोप लग रहे हैं, जिनका उनका परिवार विरोध कर रहा है और उन्हें बेतुका मानता है।

### अंतरिम सरकार से स्पष्ट चुनावी रोडमैप की मांग, बीएनपी की देशव्यापी विरोध प्रदर्शन की योजना

**ढाका, एजेंसी।** बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) राष्ट्रीय चुनाव के लिए स्पष्ट रोडमैप प्रदान करने में अंतरिम सरकार की नाकामी को उजागर करने के लिए सहयोगियों के साथ देशव्यापी विरोध प्रदर्शन करने पर विचार कर रही है। बांग्लादेशी मीडिया आउटलेट यूएनबी ने शनिवार को बताया कि पार्टी ढाका में बड़े पैमाने पर सार्वजनिक रैली आयोजित करेगी और अंतरिम सरकार को चुनाव की तारीख की घोषणा करने के लिए समय सीमा तय करेगी। रैलियों का सिलसिला मई तक जारी रहेगा। 25 मार्च को राष्ट्र के नाम टेलीविजन संबोधन में यूनुस ने कहा कि चुनाव दिसंबर 2025 और जून 2026 के बीच होंगे। उन्होंने कहा कि सर्वसम्मति आयोग सभी राजनीतिक दलों से सुधारों पर सक्रिय रूप से राय एकत्र कर रहा है। बीएनपी के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि अंतरिम सरकार का कार्यकाल बढ़ाने और चुनाव में देरी करने का जानबूझकर प्रयास किया जा रहा है। पार्टी ने चेतावनी दी कि अगर दिसंबर तक चुनाव नहीं हुए तो लोगों में अस्थिरता और तीव्र आक्रोश पैदा हो सकता है। बीएनपी महासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर ने यूनुस के बयान पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा, मैं बहुत निराश हूं कि मुख्य सलाहकार ने 25 मार्च को अपने भाषण में स्पष्ट चुनाव रोडमैप का उल्लेख नहीं किया। मेरा मानना ??है कि चुनाव रोडमैप का अभाव सरकार की राजनीतिक अनुभवहीनता को दर्शाता है। फरवरी में एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए, बीएनपी के कार्यवाहक अध्यक्ष तारिक रहमान ने यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार पर बांग्लादेश में अस्थिरता पैदा करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, पिछले कुछ समय से हम इस बात पर चिंता जता रहे हैं कि सरकार के कुछ अधिकारी लोगों के अधिकारों की बहाली के बारे में विरोधाभासी टिप्पणियां कर रहे हैं। परिणामस्वरूप, विभिन्न क्षेत्रों में अशांति फैल गई है। बांग्लादेश में राजनीतिक संगठनों की बहुचर्चित एकता, जो अगस्त 2024 में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के नेतृत्व वाली लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित अवामी लीग सरकार को हटाने के दौरान पूरी तरह से प्रदर्शित हुई थी, धीरे-धीरे फीकी पड़ रही है।

# अमेरिका में ट्रम्प-मस्क के विरोध में 1200 रैलियां निकली : 150 से ज्यादा समूह जुड़े

**वाशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिका में शनिवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और उद्योगपति इलॉन मस्क की पॉलिसी के विरोध में 1200 से ज्यादा रैलियां निकाली गई। इन रैलियों का मकसद सरकारी नौकरी में कटौती, अर्थव्यवस्था, और मानवाधिकार जैसे मुद्दों पर सरकार के फैसलों का विरोध करना था। इस विरोध प्रदर्शन को हैंड्स ऑफ नाम दिया गया है। हैंड्स ऑफ मतलब होता है- हमारे अधिकारों से दूर रहो। इस नारे का मकसद यह जताना है कि प्रदर्शनकारी नहीं चाहते कि उनके अधिकारों पर किसी का नियंत्रण हो।

इस विरोध प्रदर्शन में 150 से अधिक संगठनों ने भाग लिया। इसमें सिविल राइट ऑर्गनाइजेशन, मजदूर संघ, एलजीबीटीक्यू+ वॉलंटियर्स, पूर्व सैनिक और चुनावी कार्यकर्ता शामिल थे। यह प्रोटेस्ट वॉशिंगटन डीसी में नेशनल मॉल, स्टेट कैपिटल और सभी 50 राज्यों में हुआ था।

**इलॉन मस्क का दावा- टैक्सपेयर्स के पैसे बचाने के लिए सरकारी नौकरियों में कटौती :** इलॉन मस्क अमेरिका की ट्रम्प सरकार में डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी के प्रमुख हैं। उनका दावा है कि सरकारी तंत्र को छोटा करने से टैक्सपेयर्स के अरबों डॉलर बचेंगे। वहीं व्हाइट हाउस ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रम्प सोशल सिक्योरिटी, मेडिकेयर योजनाओं के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। लेकिन डेमोक्रेट्स इन योजनाओं का लाभ अवैध अप्रवासियों को दिलाना चाहते हैं।

वॉशिंगटन के नेशनल मॉल पर निकाली गई रैली में बाइक टूर गाइड डायने कोलिफ्रैथ ने कहा कि हमारे साथ 100 लोग हैं जो न्यू हैम्पशायर से बस और वैन से ट्रंप प्रशासन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने आए हैं। हमें दुनियाभर में अपने सहयोगियों को खोना पड़ रहा है। यहां तबाही मची हुई है। वो हमारी सरकार को खत्म कर रहा है।

लॉस एंजिलिस में एक महिला ने झंडा लहराया। इस पर लिखा था कि मेरे गर्भाशय से बाहर निकल जाओ। महिला ने ट्रंप की गर्भपात विरोधी नीतियों के खिलाफ आवाज उठाई। कोलोराडो के डेनवर में लोगों पे कहा कि अमेरिका के लिए कोई राजा नहीं। लंदन में निकाली रैली में अमेरिकी-ब्रिटिश नागरिकता वाली लिज चैंबरलिन ने कहा कि अमेरिका में जो कुछ हो रहा है, वह हर किसी की समस्या है। यह आर्थिक पागलपन है। वह हमें वैश्विक मंदी की ओर धकेलने जा रहा है। बर्लिन में सेवानिवृत्त सुसैन फेस्ट ने कहा कि ट्रंप ने सांविधानिक संकट पैदा कर दिया है। वह आदमी पागल है।

देश में 150 से ज्यादा समूहों ने 1,200 से अधिक प्रदर्शन आयोजित किए। इस प्रदर्शन का नाम हैंड्स ऑफ रखा गया था। इनमें नागरिक अधिकार संगठनों, श्रमिक संघों, एलजीबीटीक्यू+ समर्थकों, पूर्व सैनिकों और चुनाव कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। हैंड्स ऑफ मतलब होता है- हमारे अधिकारों से दूर रहो। इस नारे का मकसद यह जताना है कि प्रदर्शनकारी नहीं चाहते कि उनके अधिकारों पर किसी का नियंत्रण हो। प्रदर्शनकारी डोमिनिक सैंटेला ने कहा कि हम फासीवाद को रोकने के लिए आए हैं। हम एक नेता को उसके विरोधियों को जेल में डालने से रोक रहे हैं, उसे किसी भी तरह के लोगों, अप्रवासियों को जेल में डालने से रोक रहे हैं।

**हम ऐसा तानाशाह नहीं चाहिए :** वॉशिंगटन के नेशनल मॉल में हुई रैली में डेमोक्रेट नेता जेमी रस्किन ने कहा कि कोई भी व्यक्ति ऐसा तानाशाह नहीं चाहेगा जो अर्थव्यवस्था को तहस-नहस कर दे, जो हर चीज की कीमत जानता हो और किसी चीज का महत्व नहीं जानता हो। कार्यकर्ता ग्रेलन हैगलर ने भी कहा कि उन्होंने एक सोये हुए दानव को जगा दिया है और उन्होंने अभी तक कुछ भी नहीं देखा है। हम बैठेंगे नहीं, हम चुप नहीं रहेंगे और हम चले नहीं जायेंगे।

**अमेरिका में प्रोडक्शन बढ़ाने के लिए ट्रम्प ने रेसिप्रोकल टैक्स लगाया :** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने 2 अप्रैल को दूसरे देशों पर लगाया जाने वाला रेसिप्रोकल टैक्स का ऐलान किया था। इसमें भारत पर 26 प्रतिशत टैरिफ लगाए जाने की घोषणा की। इस दौरान उन्होंने कहा कि भारत बहुत सख्त है। मोदी मेरे अच्छे दोस्त हैं, लेकिन हमारे साथ सही व्यवहार नहीं कर रहे हैं। भारत के अलावा चीन पर 34प्रतिशत, यूरोपीय यूनियन पर 20प्रतिशत, साउथ कोरिया पर 25प्रतिशत, जापान पर 24प्रतिशत, वियतनाम पर 46प्रतिशत और ताइवान पर 32प्रतिशत टैरिफ लगेगा। अमेरिका ने करीब 60 देशों पर उनके टैरिफ की तुलना में आधा टैरिफ लगाने का फैसला किया है।

## बांग्लादेश में राजनीतिक दमन का दौर, अवामी लीग का एक और नेता गिरफ्तार

**ढाका, एजेंसी।** बांग्लादेश में राजनीतिक असंतोष के निरंतर दमन को उजागर करने वाली एक और घटना में, अवामी लीग पार्टी के एक नेता को शनिवार की सुबह हिरासत में लिया गया। पुलिस ने बाद में मेहरपुर जिले के अवामी लीग के महासचिव एम ए खालेक की गिरफ्तारी की पुष्टि की। खालेक गंगनी उपजिला परिषद के पूर्व अध्यक्ष भी हैं। हालांकि, पुलिस ने उनकी गिरफ्तारी के विशिष्ट कारणों का खुलासा नहीं किया। बांग्लादेश के प्रमुख समाचार पत्र द डेली स्टार के मुताबिक, खालेक को पिछले साल जुलाई में हुए विद्रोह से जुड़े एक मामले में रैपिड एक्शन बटालियन बल ने गिरफ्तार किया। बाद में उन्हें जमानत दे दी गई।खालेक को शेख हसीना के नेतृत्व में आवामी लीग सरकार के पतन के बाद सभी आधिकारिक पदों से हटा दिया गया। अगस्त 2024 में सत्ता संभालने के बाद से, अंतरिम सरकार ने अवामी लीग के नेताओं पर क्रूर कार्रवाई की, जिनमें से अधिकांश का आधार बेहद कमजोर था। पिछले महीने, तंगेल-5 निर्वाचन क्षेत्र के एक पूर्व विधायक सहित अवामी लीग के तीन नेताओं को राजधानी के भटारा क्षेत्र में जुलाई में हुए छात्र आंदोलन पर कथित हमले के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया। इस सप्ताह के शुरू में, सात लोगों को गिरफ्तार किया गया क्योंकि पुलिस को शक था कि वे अवामी लीग और उसके सहयोगी संगठनों के समर्थक हैं। आरोपियों ने सिलहट में पार्टी की स्टूडेंट विंग छात्र लीग के पक्ष में जुलूस निकाला था। अवामी लीग के सदस्यों पर हुए एक और हमले में, पूर्व मेयर अनवरुज्जमां चौधरी और पूर्व सांसद शफीउल आलम चौधरी नादेल के आवासों पर बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के छात्र दल के बैनर तले भीड़ ने हमला किया और तोड़फोड़ की।

### ट्रंप के ट्रेड वॉर के बीच देश को संबोधित करेंगे ब्रिटेन के प्रधानमंत्री

**लंदन, एजेंसी।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ और अमेरिका फर्स्ट नीति जैसे कदमों के बाद अब ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर 7 अप्रैल को एक संबोधन देने वाले हैं। बताया जा रहा है कि ब्रिटिश पीएम घोषणा करेंगे कि वैश्वीकरण का युग समाप्त हो चुका है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री यह घोषणा करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं कि 1991 में सोवियत संघ के पतन के साथ ही वैश्वीकरण की शुरुआत हुई थी। ट्रंप के अभूतपूर्व 10 प्रतिशत बेसलाइन टैरिफ ने वैश्विक बाजारों को अनिश्चितता में धकेल दिया है, टाइम्स ने रिपोर्ट किया।

टाइम्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, स्टारमर से यह भी स्वीकार करने की उम्मीद है कि वह अपने अमेरिकी समकक्ष के आर्थिक राष्ट्रवाद पर ध्यान केंद्रित करने को समझते हैं। ब्रिटेन के एक वरिष्ठ अधिकारी का हवाला देते हुए आउटलेट ने बताया कि हालांकि स्टारमर प्रशासन ट्रम्प के उपायों से सहमत नहीं है। स्टारमर ने कहा कि वैश्वीकरण बहुत से कामकाजी लोगों के लिए काम नहीं करता। हम नहीं मानते कि व्यापार युद्ध इसका जवाब है। यह दिखाने का एक मौका है कि एक अलग रास्ता भी है। द टाइम्स के अनुसार, जैसा कि ट्रम्प व्यापार बाधाओं को हटाने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। स्टार्मर ने स्वीकार किया है कि इसके परिणामस्वरूप प्रतिस्पर्धा बढ़ने से देश उत्पादकता बढ़ाने और आपूर्ति पक्ष सुधारों के माध्यम से घरेलू उत्पादन को बढ़ाने के लिए अपने अंदर की ओर देखेंगे।

# ऑपरेशन ब्रह्मा : भारत ने भूकंप प्रभावित म्यांमार को 442 टन खाद्य सहायता पहुंचाई

**यांगून, एजेंसी।** भूकंप से तबाह म्यांमार को मानवीय सहायता जारी रखते हुए भारत ने शनिवार को चल रहे ऑपरेशन ब्रह्मा के तहत अतिरिक्त 442 टन खाद्य सहायता पहुंचाई। राहत सामग्री लेकर भारतीय नौसेना का जहाज घड़ियाल म्यांमार के थिलावा बंदरगाह पहुंचा। म्यांमार में भारतीय राजदूत अभय ठाकुर ने इसे औपचारिक रूप से यंगून के मुख्यमंत्री यू सोई थीन और उनकी टीम को सौंप दिया।

यंगून में भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया, प्रभावित लोगों की जरूरतों को पूरा कर रहे हैं। भारतीय नौसेना के लैंडिंग शिप टैंक आईएनएस घड़ियाल द्वारा लाई गई खाद्य सहायता (चावल, खाना पकाने का तेल, नूडल्स और बिस्कुट) की एक बड़ी खेप शनिवार को थिलावा बंदरगाह पर पहुंची। राजदूत अभय ठाकुर ने इसे यंगून के सीएम यू सोई थीन और उनकी टीम को सौंप दिया। भारत ने 28 मार्च को म्यांमार में आए विनाशकारी 7.7 तीव्रता के भूकंप के बाद खोज और बचाव (एसएआर), मानवीय सहायता, आपदा राहत और चिकित्सा सहायता सहित आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए ऑपरेशन ब्रह्मा शुरू किया।

अपने पड़ोस में संकट के समय फर्स्ट रिस्पांडर के रूप में कार्य करते हुए, भारत ने 1 अप्रैल तक 625 टन मानवीय सहायता और आपदा राहत (एचएडीआर) सामग्री पहुंचाने के लिए छह विमान और पांच नौसैनिक जहाज भेजे थे। पीएम मोदी ने शुक्रवार को बैंकॉक में बिम्सटेक शिखर सम्मेलन के दौरान म्यांमार के प्रधानमंत्री और राज्य प्रशासन परिषद के अध्यक्ष वरिष्ठ जनरल मिन आंग ह्लाइंग से मुलाकात की और देश में आए विनाशकारी भूकंप के बाद की स्थिति पर चर्चा की। वरिष्ठ जनरल ने मानवीय सहायता, आपदा राहत और चिकित्सा सहायता प्रदान करने के लिए ऑपरेशन ब्रह्मा के तहत भारत द्वारा किए जा रहे प्रयासों के लिए आभार व्यक्त किया।प्रधानमंत्री ने संदेश दिया कि संकट के इस समय में भारत म्यांमार के साथ खड़ा है और जरूरत पड़ने पर और अधिक भौतिक सहायता और संसाधन तैनात करने के लिए तैयार है। पीएम मोदी ने समावेशी और विश्वसनीय चुनावों के माध्यम से लोकतांत्रिक प्रक्रिया की जल्द बहाली के महत्व को भी रेखांकित किया था।

# अमेरिका भारी बारिश से बाढ़ के हालात, अब तक 16 की मौत

**वाशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिका के दक्षिणी और मध्य-पश्चिमी राज्यों में भारी बारिश और टॉर्नेडो ने तबाही मचा दी है। अब तक 16 लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें से 10 मौतें टेनेसी में हुई हैं। बीते कई दिनों से लगातार हो रही बारिश की वजह से टेक्सास से ओहायो तक के इलाकों में बाढ़ जैसे हालात हैं। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि कुछ जगहों पर नदियों का जलस्तर आने वाले दिनों में और बढ़ सकता है। मिसौरी, केंटकी और आर्कनसॉ में भी मौतों की खबर है। मिसौरी में एक व्यक्ति बहते वाहन से बाहर निकलने के बाद डूब गया। केंटकी में 9 साल का बच्चा और 74 वर्षीय बुजुर्ग की मौत हुई, जबकि आर्कनसॉ में 5 साल के बच्चे की जान गई। इस हफ्ते की शुरुआत में आए टॉर्नेडो कई रिहायशी इलाकों को पूरी तरह तबाह कर चुके हैं और इनमें कम से कम 7 मौतें हुई हैं।

तूफान की शुरुआत के बाद से अब तक कम से कम 16 लोगों की मौत हुई है। इसमें टेनेसी में 10 लोगों को जान गंवानी पड़ी। बाढ़ ने केंटकी में दो लोगों की जान ले ली। एक नौ वर्षीय लड़का स्कूल जाते समय बह गया और एक 74 वर्षीय वृद्ध का शव शनिवार को नेल्सन काउंटी में डूबे वाहन के अंदर मिला।

पुलिस के मुताबिक, शनिवार को अर्कांसस के लिटिल रॉक में एक घर में पांच वर्षीय एक बच्चे की मौत हो गई। सप्ताह की शुरुआत में आए बवंडर ने पूरे इलाके को नष्ट कर दिया। तब सात लोगों की मौत हुई थी। इसके अलावा मौसम के चलते अंतरराज्यीय वाणिज्य प्रभावित हुआ है। लुइसविले, केंटकी और मेम्फिस में प्रमुख कार्गो केंद्रों वाले कॉरिडोर में बाढ़ से शिपिंग और आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित हुई है। लुइसविले के मेयर क्रेग ग्रीनबर्ग ने कहा कि ओहायो नदी 24 घंटे में 5 फीट (करीब 1.5 मीटर) बढ़ गई है। यह कई दिनों तक बढ़ती रहेगी। हमें उम्मीद है कि यह लुइसविले के इतिहास में सबसे बड़ी 10 बाढ़ की घटनाओं में से एक होगी।

## सीनेट में रिकॉर्ड 25 घंटे भाषण के बाद पहले सार्वजनिक कार्यक्रम में पहुंचे बुकर, ट्रंप की नीतियों को घेरा

**न्यू जर्सी , एजेंसी।** डेमोक्रेटिक सीनेटर कोरी बुकर ने शनिवार को सीनेट में दिए अपने भाषण का एक अंश न्यू जर्सी के एक जिम में आयोजित टाउन हॉल बैठक में पेश किया। बुकर ने लोगों से यह पता लगाने का आह्वान किया कि वे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को उनके एजेंडे से पीछे हटाने के लिए क्या कर सकते हैं।

बुकर ने न्यू जर्सी के बर्गन कम्युनिटी कॉलेज में सवालों का जवाब दिया, जब देशभर में 1,200 से अधिक हैंड्स ऑफ प्रदर्शन आयोजित किए गए थे। कोरी-कोरी के नारेबाजी ने इस टाउन हॉल कार्यक्रम में कई बार व्यवधान भी डाला। यह बुकर का अपने गृह राज्य में इस सप्ताह के अपने भाषण के बाद पहला व्यक्तिगत कार्यक्रम था। उन्होंने ट्रंप की नीतियों के खिलाफ 25 घंटे और 5 मिनट तक सीनेट फ्लोर पर भाषण दिया था। उन्होंने 1957 के नागरिक अधिकार अधिनियम के खिलाफ सीनेटर स्ट्रॉम थर्मंड द्वारा दिए गए सबसे लंबे भाषण का रिकॉर्ड तोड़ा।

हर सवाल करने वाले ने उनसे यह पूछा कि वे राष्ट्रपति की नीतियों के खिलाफ अपनी चिंता और असहमति को कैसे व्यक्त कर सकते हैं। बुकर ने उन्हें बताया कि इसके लिए बस थोड़ी और मेहनत करनी पड़ेगी, जैसे क्या वे वाशिंगटन जाकर बजट कटौती के खिलाफ आवाज उठा सकते हैं? सबसे जोरदार तालियों की गड़गड़ाहट तब सुनाई दी जब उन्होंने एक महिला के सवाल का जवाब दिया। महिला ने कहा था कि वह स्वास्थ्य कार्यक्रम में संभावित कटौती को लेक चिंतित हैं, जो उनके ऑटिज्म से पीड़ित बेटे पर असर डाल सकती है।

बुकर ने कहा, ऐसी सभा का मतलब यह नहीं है कि हम अपनी सक्रियता यहीं खत्म कर दें। यह अमेरिका में एक ऐसा पल होना चाहिए, जब हम सभी खुद से यह सवाल करें कि मैं और क्या कर सकता हूं? बुकर ने कहा कि जो सवाल लोग उनसे पूछ रहे थे, वही सवाल चुनावों के बाद डेमोक्रेटिक पार्टी के दूसरे नेताओं से भी पूछे जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह डेमोक्रेटिक पार्टी पर ज्यादा ध्यान नहीं देंगे, क्योंकि पार्टी को 2024 में हार के बाद सही दिशा नहीं मिल रही है।

# म्यांमार में भूकंप पीड़ितों की मदद कर रहे यूएसएआईडी कर्मचारियों को नौकरी से निकाला, रिपोर्ट में दावा

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** म्यांमार में राहत और बचाव कार्यों में लगी यूएसएआईडी की एक टीम को नौकरी से निकालने का मामला सामने आया है। यूएसएआईडी की एक पूर्व वरिष्ठ अधिकारी ने यह दावा किया है। गौरतलब है कि ट्रंप सरकार लगातार संघीय सरकार के खर्च में कटौती के लिए कर्मचारियों की बड़े पैमाने पर कटौती कर रही है। इसी के तहत यूएसएआईडी में भी हजारों की संख्या में कर्मचारियों की छंटनी की गई है और अभी भी जारी है।

**पूर्व वरिष्ठ अधिकारी ने उठाए सवाल :** मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यूएसएआईडी की टीम के साथ म्यांमार में राहत कार्यों में जुटे तीन कर्मचारियों को नौकरी से निकालने का आदेश दिया गया है। एजेंसी की पूर्व वरिष्ठ अधिकारी मार्सिया वॉन्ग ने इस पर कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि जब टीम के लोग बेहद मुश्किल हालात में काम कर रहे हैं और मानवीय मदद में जुटे हैं तो उन्हें नौकरी से निकाले जाने की खबर क्या उनका मनोबल नहीं तोड़ेगी? ट्रंप प्रशासन ने म्यांमार की मदद के लिए 90 लाख डॉलर की मदद देने का एलान किया है, लेकिन यूएसएआईडी के बजट में भारी कटौती करने और कर्मचारियों की छंटनी से एजेंसी के राहत और बचाव कार्यों में काफी अड़चन आ रही है। वहीं चीन, भारत, रूस और अन्य देश तेजी से म्यांमार की मदद कर रहे हैं।

**अमेरिका में बड़े पैमाने पर हो रही छंटनी :** राष्ट्रपति पद संभालते ही ट्रंप ने संघीय सरकार के खर्च में कटौती शुरू कर दी थी। इसके लिए गठित सरकारी दक्षता विभाग एलन मस्क के नेतृत्व में बड़े पैमाने पर संघीय कर्मचारियों की छंटनी कर रहा है।

इसका सबसे बड़ा खामियाजा विदेशों में मदद करने वाली एजेंसी यूएसएआईडी को उठाना पड़ रहा है। वॉन्ग ने बताया कि यूएसएआईडी के कर्मचारी भूकंप जोन में काम कर रहे हैं और खुले में सड़कों पर सो रहे हैं।

विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने शुक्रवार को इस आलोचना को खारिज कर दिया कि अमेरिका, भूकंप प्रभावित म्यांमार में तेजी से काम नहीं कर पा रहा है क्योंकि यूएसएआईडी को खत्म कर दिया गया था। रूबियो ने कहा कि म्यांमार काम करने के लिए सबसे आसान जगह नहीं है। उन्होंने कहा कि म्यांमार की सैन्य सरकार अमेरिका को पसंद नहीं करती है और उसे देश में अपनी इच्छानुसार काम करने से रोकती है। रूबियो ने कहा कि अमेरिका अब दुनिया का शीर्ष मानवीय दाता नहीं रहेगा, तथा उन्होंने अन्य धनी देशों से म्यांमार की सहायता के लिए आगे आने का आह्वान किया।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पांडेसरा में हानिकारक ठंडा पेय पकड़ा गया

## आरोग्य विभाग ने छापा मारकर स्वास्थ्यकर खाद्य पदार्थ और फ्रूटी सहित अन्य सामग्री जब्त कर नष्ट की।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर में गर्मी का मौसम शुरू होते ही लोग ठंडे पेयों का अधिक सेवन करने लगते हैं। इसी बीच पांडेसरा इलाके में नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। बिना मान्यता के बेचे जा रहे और स्वास्थ्य के लिए हानिकारक ठंडे पेय पदार्थों का जखीरा जब्त कर नष्ट कर दिया गया है। पांडेसरा इलाके में होलसेल व्यापारी बड़ी मात्रा में ठंडे पेय पदार्थ बेच रहे थे। स्वास्थ्य विभाग ने दुकानों पर छापा मारकर जांच की, जिसमें पेप्सी, फ्रूटी सहित ठंडे पेयों का बड़ा जखीरा मिला।

सूरत में महानगरपालिका के स्वास्थ्य विभाग ने अस्वास्थ्यकर ठंडे पेयों की होलसेल दुकानों पर छापा मारकर कार्रवाई की है। बर्फ में रखी गई पेप्सी, फ्रूटी जैसी वस्तुएं जब्त कर आगे की कार्रवाई शुरू की गई है।

बड़ी मात्रा में लोगों के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक पेप्सी और फ्रूटी को नष्ट किया गया। वर्तमान में गर्मी के मौसम में लोग ठंडे पेय पदार्थों को अधिक पसंद कर रहे हैं।

पांडेसरा, उधना, डिंडोली सहित क्षेत्रों में डायरिया, उल्टी और बुखार के केस बढ़ रहे हैं, जिनका कारण ये हानिकारक खाद्य और पेय वस्तुएं मानी जा रही हैं।

पांडेसरा क्षेत्र में बड़ी संख्या में दुकानदार बिना किसी मान्यता के ठंडे पेय पदार्थ बेच रहे थे। नगर निगम ने छापेमारी कर 80 किलो अस्वास्थ्यकर खाद्य पदार्थ, 1000 से अधिक पेप्सी और 7 लीटर फ्रूटी सहित सामग्री को जब्त कर नष्ट कर दिया।

स्वास्थ्य अधिकारी प्रशांत पाटिल ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग ने 80 किलो खाद्य सामग्री, 1000 से अधिक पेप्सी की बोतलें और 7 लीटर फ्रूटी जब्त कर नष्ट की हैं।

वर्तमान में पांडेसरा, उधना और डिंडोली क्षेत्रों में डायरिया, उल्टी और बुखार के मामलों में वृद्धि दर्ज की गई है। इसी पृष्ठभूमि में, लोगों के स्वास्थ्य को नुकसान पहुँचाने वाले ठंडे पेयों की बिक्री रोकने के लिए सघन जांच की जा रही है।

महानगरपालिका ने सूरत के लोगों से अपील की है कि किसी भी तरह के संदिग्ध ठंडे पेयों से बचें और केवल मान्यता प्राप्त ब्रांड और प्रमाणित पेय ही उपयोग करें। यदि कहीं अस्वास्थ्यकर खाद्य या पेय वस्तुएं बिकती दिखें, तो तुरंत नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग को इसकी सूचना दें।

## सूरत में हाइब्रिड गांजा मंगवाने वाला पकड़ा गया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

मुंबई से सूरत में घुसाए जा रहे हाइब्रिड गांजा मामले में सारोली पुलिस ने एक करोड़पति परिवार के युवक को गिरफ्तार किया था। इस मामले में गांजा मंगवाने वाला अक्षय सोनी और मुंबई से सप्लाई करने वाला सिद्धार्थ दोनों वांछित थे। इस बीच अक्षय को मुंबई से गिरफ्तार कर लिया गया।

अक्षय से पूछताछ में कई नए खुलासे हुए हैं। वह टेलीग्राम के जरिए गांजा सप्लायर के संपर्क में आया था। इसके बाद वह सूरत में शिकार खोजकर उन्हें गांजा मंगवाने भेजता था। उल्लेखनीय है कि अक्षय खुद भी गांजे की लत का शिकार हो गया था और नशे के इस काले धंधे में शामिल हो गया था।

आरोपी ने स्कूल बैग में गांजा छिपाकर सूरत लाया था।

मिली जानकारी के अनुसार, विदेशी फार्मों में उगाए जाने वाले हाई प्यूरीटी वाले हाइब्रिड गांजे के साथ जहांगीरपुरा के युवा बिजनेसमैन केनिल पटेल को नियोल चेकपोस्ट के पास से गिरफ्तार किया गया। केनिल के पास से 29.94 लाख रुपये कीमत का 998 ग्राम हाइब्रिड गांजा बरामद हुआ।

केनिल यह पूरा माल बिना किसी डर के स्कूल बैग में छिपाकर मुंबई से सूरत तक लेकर आया था। यह गांजा वह रेलवे स्टेशन के पास अक्षय हितेश सोनी को देने वाला था, लेकिन इससे पहले ही पुलिस ने केनिल को पकड़ लिया। इस मामले की जांच कापोद्रा पुलिस द्वारा की जा रही है।

सिद्धार्थ टेलीग्राम के जरिए अक्षय के संपर्क में रहता था। सूरत के कतारगाम इलाके के लक्ष्मीपार्क निवासी अक्षय उर्फ आज़ाद हितेश सोनी को मुंबई से गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद उसे कापोद्रा पुलिस को सौंपा गया। कापोद्रा पुलिस ने अक्षय को कोर्ट में पेश कर एक दिन का रिमांड हासिल किया।

रिमांड के दौरान अक्षय से पूछताछ में नए खुलासे हुए हैं। सामने आया है कि मुंबई के वाशी नेरुल इलाके के सिद्धार्थ नामक युवक से केनिल ने गांजा मंगवाया था। सिद्धार्थ टेलीग्राम के जरिए अक्षय के संपर्क में था। टेलीग्राम के माध्यम से ही सिद्धार्थ और अक्षय की बातचीत होती थी और इससे पहले भी दो बार गांजा कूरियर के जरिए मंगवाया जा चुका था। अक्षय ने पूछताछ में पुलिस को आगे बताया कि उसके पिता लंबे समय से बीमार रहते हैं, जिससे वह आर्थिक तंगी का सामना कर रहा था। अक्षय ने 10वीं तक अंग्रेजी माध्यम में पढ़ाई की है और वह ऑनलाइन स्पेयर पार्ट्स बेचकर कमाई करता था।

इसी दौरान वह टेलीग्राम के जरिए सिद्धार्थ के संपर्क में आया। सिद्धार्थ मुंबई से गांजा भेजता था और अक्षय यहां उसका बिक्री का काम करता था। इस दौरान अक्षय खुद भी गांजे की लत में फंस गया था।

## स्वास्थ्य मंत्री के सिविल अस्पताल का दौरा न करने पर विवाद

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

गुजरात राज्य के स्वास्थ्य मंत्री ऋषिकेश पटेल सूरत के दौरे पर आए थे। वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में शामिल होने के बाद वे सूरत सिविल अस्पताल कैंपस में लायन्स क्लब द्वारा बन रही कैंसर अस्पताल का निरीक्षण करने पहुंचे। वहां जब उनसे सवाल पूछे गए तो उन्होंने जवाब देने से परहेज किया। इसके साथ ही सिविल अस्पताल कैंपस में होने के बावजूद उन्होंने सिविल अस्पताल का दौरा नहीं किया, जिससे कई तरह के तर्क-वितर्क खड़े हो गए हैं।

स्वास्थ्य मंत्री ऋषिकेश पटेल ने बताया कि आज सूरत में वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में राज्यपाल आचार्य देवव्रत और मंत्री प्रफुल पानसेरिया के साथ उन्होंने शिरकत की। सूरत सिविल अस्पताल कैंपस में लायन्स क्लब द्वारा इस कैंसर अस्पताल का निर्माण किया जा रहा है। इसलिए स्वाभाविक रूप से गृह राज्य मंत्री हर्ष सांघवी का फोन आया कि एक बार देखने जैसा है, और मेरे मन में भी था कि एक बार जाकर देखूं। गुजरात में सड़क, पानी, नाली जैसी छोटी-छोटी शिकायतें हमारे पास आती रहती हैं। इस बारे में पीआईयू विभाग को जानकारी दी जाती है और मैं निश्चित रूप से देखूंगा कि कार्यवाही कहां तक पहुंची है।

सूरत सिविल अस्पताल में कार्डियोलॉजी और न्यूरोलॉजी विभाग कब शुरू किए जाएंगे, इस बारे में स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि गुजरात के चारों क्षेत्रों में मेडिसिटी (मेडिकल सिटी) की स्थापना की शुरुआत कर दी गई है।

इस मेडिसिटी के सपने को साकार करने में आठ से दस साल का समय लगा है, ताकि संबंधित स्थान पर ही मरीजों का उपचार हो सके और उन्हें अहमदाबाद न जाना पड़े। उन्होंने यह भी कहा कि आप कुछ भी पूछें, तो वह तुरंत नहीं हो सकता। यह एक बहुत बड़ी योजना है, जिस पर स्वास्थ्य विभाग योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ रहा है।

सूरत सिविल अस्पताल में सभी प्रकार के उपकरण आ जाने के बावजूद उन्हें शुरू न किए जाने को लेकर स्वास्थ्य मंत्री ऋषिकेश पटेल से सवाल पूछा गया था। हालांकि उन्होंने केवल इतना कहा कि च्च्चालू हो जाएगाज और सवालों के जवाब दिए बिना रवाना हो गए। कैंसर अस्पताल की नई बन रही बिल्डिंग के निरीक्षण के समय सूरत सिविल अस्पताल के सुपरिटेंडेंट, आरएमओ, डीन सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे। लेकिन उनके साथ सिविल अस्पताल को लेकर कोई बातचीत नहीं की गई।

स्वास्थ्य मंत्री ने सूरत सिविल अस्पताल कैंपस में बन रही कैंसर अस्पताल का दौरा तो किया, लेकिन सिविल अस्पताल का निरीक्षण नहीं किया, जिससे यह मामला भी चर्चा का विषय बन गया।

## पांडेसरा इलाके में पानीपुरी मैन्युफैक्चरिंग यूनिट पर छापा, एसएमसी के स्वास्थ्य विभाग ने पानीपुरी की पुरी नष्ट की

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर के पांडेसरा इलाके में नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग द्वारा त्वरित कार्रवाई की गई। गर्मियों की तीव्र तपिश के बीच लोग ठंडे पेय पदार्थों और बाहर के खाने-पीने की चीजों का अधिक मात्रा में सेवन करते हैं। लेकिन अब ऐसे मामले सामने आ रहे हैं जहाँ लोगों के स्वास्थ्य के साथ गंभीर खिलवाड़ हो रहा है। डायरिया और उल्टी-दस्त के मामले बढ़ने के कारण गंदगी में तैयार की जा रही पानीपुरी की पुरी को स्वास्थ्य विभाग ने नष्ट कर दिया।

स्वास्थ्य विभाग की टीम ने पांडेसरा के गोवालक इलाके में स्थित पानीपुरी मैन्युफैक्चरिंग यूनिट पर छापा मारा और जांच की। जांच के दौरान चौंकाने वाले तथ्य सामने आए। पानीपुरी बनाने के स्थान पर भारी गंदगी पाई गई। गंदगी से भरे वातावरण में पानीपुरी की पुरी तैयार की जा रही थी।

ऐसी(अस्वच्छ) परिस्थितियों में तैयार किए जाने वाले खाद्य पदार्थ स्वास्थ्य के लिए अत्यंत हानिकारक होते हैं। ऐसे खाद्य पदार्थों के सेवन से दस्त, उल्टी, बुखार, फूड पॉइजनिंग जैसे कई रोग फैलने की संभावना रहती है। पानीपुरी जैसे लोकप्रिय खाद्य पदार्थ को तैयार करने में उचित स्वच्छता और स्वास्थ्य नियमों का पालन करना आवश्यक होता है।

स्वास्थ्य विभाग ने मौके से बड़ी मात्रा में तैयार की गई पुरी के स्टॉक को जब्त कर नष्ट कर दिया। पूरे स्टॉक को कचरे की गाड़ी में भरकर वहां से हटाया गया। साथ ही जुर्माने की कार्रवाई भी की गई।

45 दुकानों की जांच, 368 किलो सामान नष्ट किया गया

सूरत शहर के स्वास्थ्य विभाग द्वारा पेय और खाद्य वस्तुओं में प्री-मानसून सतर्कता के तहत विशेष जांच शुरू की गई है। फूड विभाग ने शहर के विभिन्न जोनों में पानीपुरी और अन्य खाने-पीने की चीजें बेचने वाली 45 दुकानों की जांच की। इस कार्रवाई के दौरान 39 दुकानदारों को नोटिस जारी किए गए थे और 368 किलोग्राम खराब सामान को सार्वजनिक रूप से नष्ट किया गया। इसके अलावा 25,075 का खराब माल नष्ट कर 26,450 का जुर्माना वसूला गया। यह कार्रवाई सेंट्रल ज़ोन और उधना ज़ोन-ए में की गई थी। खाने-पीने की चीज़ों में स्वच्छता और स्वास्थ्य नियमों का पालन हो, इसके लिए नियमित जांच की कार्रवाई जारी रहेगी।

## दोस्त की ठंडे खून से हत्या कर शव को आरी से टुकड़े-टुकड़े करने के मामले में

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

'साहब, मैंने यहां-यहां शव के टुकड़े फेंके थे'दोस्त की ठंडे खून से हत्या कर शव को आरी से टुकड़े-टुकड़े करने के मामले में पुलिस ने घटना का री-कंस्ट्रक्शन (पुनर्निर्माण) किया। भरूच शहर में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई थी, जिसमें शैलेन्द्र चौहान ने अपने दोस्त सचिन चौहान की हत्या कर उसके शव के 9 टुकड़े कर दिए थे। इस घटना के पीछे का कारण ब्लैकमेलिंग था। सचिन, शैलेन्द्र की पत्नी के आपत्तिजनक फोटो के जरिए उसे ब्लैकमेल कर रहा था। इससे परेशान होकर शैलेन्द्र ने सचिन को झाडेश्वर इलाके की हरिधाम सोसाइटी स्थित अपने घर बुलाया। दोनों ने साथ में पार्टी की और सो गए। रात में जब शैलेन्द्र ने सचिन के मोबाइल से फोटो डिलीट करने की कोशिश की, तब सचिन जाग गया और दोनों के बीच झगड़ा हुआ। झगड़े के दौरान गुस्से में आकर शैलेन्द्र ने चाकू से वार कर सचिन की हत्या कर दी।

हत्या के बाद शैलेन्द्र ने शव के 9 टुकड़े किए। इसके बाद उसकी तबीयत खराब हो गई, तो वह साईं मंदिर के पास से दवा लेने गया। फिर उसने चामुंडा माता मंदिर के पास से एक आरी, तुलसीधाम से प्लास्टिक की थैली और डांडिया बाजार से एक महिला का गाउन और मोज़े खरीदे। इन सामानों की मदद से उसने सचिन के शव के अलग-अलग नौ टुकड़े किए और महिला के कपड़े पहनकर मोपेड पर सवार होकर भोलाव GIDC इलाके की अलग-अलग नालियों (गटरों) में शव के टुकड़े फेंक दिए।

जिसमें मृतक के भाई की शिकायत के बाद पुलिस ने शैलेन्द्र को बिहार से गिरफ्तार किया। आठ दिन की रिमांड के दौरान PI वामन भरवाड़ के नेतृत्व में आज पूरे घटनाक्रम का री-कंस्ट्रक्शन किया गया। इसमें आरोपी ने पुलिस को बताया कि उसने शव के टुकड़े कहाँ-कहाँ फेंके थे। पुलिस ने अधिकांश सबूत इकट्ठा कर लिए हैं और रिमांड के दौरान और भी

## हांगकांग में राम नवमी के अवसर पर 'विश्व सनातन धर्म दिवस' की स्थापना

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सनातन धर्म के शाश्वत सिद्धांतों को सम्मानित करने की एक ऐतिहासिक पहल के तहत, हांगकांग के भारतीय समुदाय द्वारा 'विश्व सनातन धर्म दिवस' की स्थापना की गई। इस महत्वपूर्ण घोषणा का अवसर राम नवमी पर चुना गया, जो धर्म, निष्ठा और सत्य के प्रतीक भगवान श्रीराम के जन्म का पावन दिन है।

इस भव्य समारोह में न राजेश भिमसरिया, अशोक प्रीतमानी, पीशू मिरानी, राजू मुखी, रमेश सावरथिया, सोहन गोयनका तथा संयोजक शशि भूषण शामिल थे।

इस अवसर पर आयोजक लाल हरदसानी ने कहा, यह हांगकांग के भारतीय समुदाय के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है। हम यहां से विश्व सनातन धर्म दिवस की शुरुआत कर शांति और आध्यात्मिक जागरण की वैश्विक लहर प्रारंभ करना चाहते हैं।

आयोजक सोहन गोयनका ने अपने संबोधन में कहा, हर वर्ष हम राम नवमी का उत्सव राजसिंहासन तक त्यागकर 14 वर्ष का वनवास सहर्ष स्वीकार किया। वे संपूर्ण मानवता के लिए आदर्श पुत्र, भाई, शिष्य, सखा, राजा, योद्धा, शत्रु, पिता और पति के रूप में प्रेरणास्रोत हैं। इसलिए, उनके जन्म दिवस से बड़ा कोई और दिन 'विश्व सनातन धर्म दिवस' के रूप में उपयुक्त नहीं हो सकता।"

आयोजकों ने हाल ही में प्रयागराज में सम्पन्न महाकुंभ का उल्लेख करते हुए कहा कि इसमें 66 करोड़ (660 मिलियन) श्रद्धालुओं ने भाग लिया, जिनमें 70 से अधिक देशों के लोग शामिल थे।

केवल हांगकांग बल्कि भारत और अन्य देशों के सनातनी समुदाय के सदस्यों ने भी भाग लिया, जिससे यह आयोजन एक वैश्विक महत्व का पर्व बन गया।

कार्यक्रम के प्रमुख आयोजकों में लाल हरदसानी, दयाल एन. हरजानी, रमाकांत अग्रवाल, राजू सबनानी, बिन्नी लालजी, मनाते हैं, लेकिन इस वर्ष हमने इसे 'विश्व सनातन धर्म दिवस' के रूप में स्थापित करने का संकल्प लिया है। भगवान श्रीराम धर्म का सजीव स्वरूप हैं। उनका जीवन सनातन धर्म का प्रतीक है। उन्होंने संपूर्ण पृथ्वी से अधर्म और अन्याय के नाश का संकल्प लिया और उसे निभाने के लिए अपना यह इस बात का प्रमाण है कि सनातन धर्म की चेतना वैश्विक स्तर पर जागृत हो रही है।

राजकुमार सबनानी सहित सभी आयोजकों ने इस उत्सव को ऐतिहासिक और प्रेरणादायक बताते हुए इसे एक नई आध्यात्मिक यात्रा की शुरुआत करार दिया

## VNSG दीक्षांत समारोह में भावुक दृश्य बेटे की मौत के बाद पिता डिग्री लेने पहुंचे

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर की वीर नर्मद दक्षिण गुजरात यूनिवर्सिटी में आयोजित दीक्षांत समारोह में आज भावुक दृश्य देखने को मिले। एक ओर जहां एक मां अपनी तीन महीने की बच्ची को लेकर गोल्ड मेडल लेने पहुंची, वहीं दूसरी ओर एक पिता अपने बेटे को मरणोपरांत मिली डिग्री लेने के लिए उपस्थित रहे।

एक पिता के लिए यह पल सिर्फ गर्व का नहीं, बल्कि दर्द का भी था। वलसाड के इम्तियाज अहमद अपने दिवंगत पुत्र नकीबराजा की डिग्री लेने आए थे। उनके बेटे का छह महीने पहले एक दुर्घटना में निधन हो गया था। नकीबराजा ने B.Sc. में प्रथम स्थान प्राप्त किया था और उसे गोल्ड मेडल भी मिला था। दुखद घटना के बावजूद, पिता ने बेटे के सपने को ज़िंदा रखने के लिए विश्वविद्यालय आकर उसकी डिग्री और मेडल प्राप्त किया।